नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

असम आंदोलन के शहीदों के सम्मान में भव्य शहीद स्मारक क्षेत्र का अनावरण

• बोकारो, गुरुवार 11 दिसम्बर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 204 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

संक्षिप्त समाचार

सीबीआइ करेगी नींबू पहाड़ खनन घोटाले की जांच

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड के साहिबगंज जिले में नींबू पहाड़ स्थित अवैध पत्थर-खनन केस में सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआइ को पूरी स्वतंत्रता के साथ जांच जारी रखने का आदेश दिया है। यह फैसला जस्टिस आलोक राठे और जस्टिस संजय कुमार की दो सदस्यीय पीठ ने सुनाया। पीठ ने साफ कहा कि हाई कोर्ट ने सीबीआइ को जो जिम्मेदारी दी थी, वह सही है। इसे सीमित दायरे में नहीं देखा जा सकता। कोर्ट ने झारखंड सरकार और याचिकाकर्ता विजय हांसदा की सभी दलीलें खारिज कर दीं।

छात्र ने की आत्महत्या सुसाइड नोट बरामद

हजारीबाग(नबिटा ब्यूरो)। जिले के कोर्रा मटवारी क्षेत्र में एक लॉज में रहकर पढ़ाई कर रहे छात्र अंकित कुमार राय ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह गिरिडीह जिले के चौरा गांव का निवासी था। घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला है जिसकी जांच की जा रही है। अंकित पिछले दो सालों से हजारीबाग में रहकर पढ़ाई कर रहा था। वह पढ़ाई में काफी होशियार था और उसने दसवीं कक्षा में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। इसके बाद वह आगे की पढ़ाई के लिए हजारीबाग आया था।

समाजसेवी के भाई की मौत के बाद हंगामा

देवघर(नबिटा ब्यूरो)। बिहार के चर्चित समाजसेवी और नेता आशुतोष कुमार के छोटे भाई मनीष कुमार की मंगलवार देर रात सड़क हादसे में मौत हो गई। एसयूवी वाहन से जोरदार धक्का लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा केवल दुर्घटना नहीं बल्कि सत्ता के नशे में की गई कथित वारदात के आरोपों से घिरता जा रहा है। परिजनों का सीधा आरोप है कि इस वारदात को राहुल चंद्रवंशी और उनके साथियों ने अंजाम दिया।

सड़क हादसे में अधेड़ की मौत

धनबाद (नबिटा ब्यूरो)। बरवाअड्डा के किसान चौक के पास झरिया निवासी 45 वर्षीय सुरेश महतो की बुधवार को सड़क हादसे में मृत्यु हो गई। यह घटना उस समय हुई जब वे सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी।

क्रशर प्लांट के सामने की फायरिंग, जांच में जुटी पुलिस

खूंटी(नबिटा ब्यूरो)। जिले के तोरपा थाना क्षेत्र अंतर्गत डोड़मा स्थित बाबा आमरेश्वर धाम प्राइवेट लिमिटेड क्रशर प्लांट के सामने अज्ञात बाइक सवार अपराधियों ने फायरिंग की है। जिस स्थल पर अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया है उस स्थल पर तोरपा पुलिस की पहरेदारी थी और पुलिस की मौजूदगी में अपराधियों ने तीन राउंड फायरिंग की। गोली चलाने के बाद अपराधी आराम से फरार हो गए।

कोल इंडिया के चेयरमैन ने केंदुआडीह गैस रिसाव से प्रभावित क्षेत्र का किया दौरा

जान बचाने के लिए लोगों का अस्थायी तौर पर विस्थापन होना बहुत जरूरी : सनोज झा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। केंदुआडीह क्षेत्र में जहरीली गैस रिसाव की स्थिति को लेकर कोल इंडिया के चेयरमैन सनोज कुमार झा धनबाद के केंदुआडीह पहुंचे। उन्होंने पूरे प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गैस रिसाव को अत्यंत गंभीर बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि जान बचाने के लिए लोगों का अस्थायी तौर पर विस्थापन होना बहुत जरूरी है। कोल इंडिया के चेयरमैन सनोज कुमार झा ने अधिकारियों को साथ लेकर पूरे प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान बीसीसीएल की ओर से चलाए जा रहे राहत और बचाव कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी ली। कोल इंडिया के चेयरमैन ने केंदुआडीह क्षेत्र की वर्तमान स्थिति पर

अधिकारियों को कई जरूरी दिशा निर्देश दिए हैं। चेयरमैन ने कहा कि मौजूदा स्थिति अच्छी नहीं है। गैस का लेवल सामान्य से कहीं अधिक है। कुछ जगहों पर कार्बन मोनोऑक्साइड गैस की मात्रा यानी पीपीएम 2000 तक है। ऐसे में फिलहाल सबसे बड़ा और जरूरी कदम यह है कि प्रभावित क्षेत्र के लोगों को अस्थायी रूप से सुरक्षित स्थान पर जाना चाहिए जिससे उनकी जान बचाई जा सके। चेयरमैन ने कहा कि मौजूदा खतरे को देखते हुए अभी यहां से हटना ही एकमात्र उपाय है। कोल इंडिया चेयरमैन के दौरे के बाद केंदुआडीह प्रभावित क्षेत्र के लोगों में एक उम्मीद जगी है। स्थानीय पार्षद प्रतिनिधि ने बताया कि चेयरमैन ने आश्वस्त किया है कि गैस रिसाव को बंद किए जाने को लेकर सारे प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने विस्थापन जैसी कोई बात नहीं कही है। उन्होंने कहा कि चेयरमैन ने राहत शिविरों में जाने की अपील की है और इसे लेकर स्थानीय लोगों में भी सहमति बनी है। कोल इंडिया चेयरमैन ने यह भरोसा दिलाया है कि प्रभावित क्षेत्र के लोगों के लिए राहत शिविरों में खाने, रहने और चिकित्सा की पूरी व्यवस्था की गई है। राहत केंद्रों में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। गैस निकासी और तकनीकी समाधान को लेकर प्रयास जारी है लेकिन इसमें समय लग सकता है।

पलामू में दो लोगों ने की आत्महत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिले में आत्महत्या के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं। मृतकों में एक पुरुष और एक महिला शामिल हैं। एक घटना मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र की है जबकि दूसरी विश्रामपुर थाना क्षेत्र से संबंधित है। मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के बारालोटा में बुधवार को नान्हू राम (38) का शव उनके ससुराल में फांसी से झूलता मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतारकर कब्जे में लिया। प्रारंभिक जांच में इसे आत्महत्या का मामला माना जा रहा है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। घटना के कारणों की विस्तृत जांच जारी है। नान्हू जीएलए कॉलेज रोड पर झालमूढ़ी बेचते थे और बुधवार से लिट्टी का ठेला लगाने की तैयारी में थे, जिसके लिए उन्होंने सामान भी खरीद लिया था। वह शराब पीने के आदी थे और अक्सर नौ बजे के करीब शराब पीकर कमरा बंद करके सो जाते थे। बुधवार को भी पड़ोसियों ने उन्हें इसी अवस्था में देखा था। काफी देर तक दरवाजा न खुलने पर संदेह हुआ। जब दरवाजे के एक हिस्से से अंदर देखा गया तो नन्हू फंदे पर लटके हुए थे। पुलिस ने दरवाजा खोलकर देखा तो उनका शव मफलर से बने फंदे पर लटका था। परिजनों के अनुसार नन्हू पिछले 11 साल से अपने ससुराल में रह रहे थे। उनका अपना घर टीओपी 3 के पास है। आत्महत्या का स्पष्ट कारण अभी तक सामने नहीं आया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। दूसरे मामले में विश्रामपुर के भुइयां टोली में रीना भुइयां ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह वीरेंद्र भुइयां की पत्नी थीं। घटना के समय उनका छह साल का बच्चा उनके साथ था जबकि पति घर पर मौजूद नहीं थे। रीना नर्तकी का काम करती थीं। पुलिस ने उनके मोबाइल फोन को जब्त कर मामले की जांच कर रही है।

जेपीएससी ने जारी किया सीडीपीओ मेंस का रिजल्ट साक्षात्कार के लिए 163 अभ्यर्थियों का चयन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) ने लंबे इंतजार के बाद बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (सीडीपीओ) भर्ती की मुख्य परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया। लगभग 16 महीनों की देरी के बाद आए इस नतीजे में 163 अभ्यर्थी सफल हुए हैं। सीडीपीओ के कुल 64 पदों पर बहाली होनी है, जिनमें से 32 पद महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। इन सफल अभ्यर्थियों को अब 50 अंकों के इंटरव्यू से गुजरना होगा जिसके बाद आयोग अंतिम मेधा सूची जारी करेगा। यह बहाली प्रक्रिया वर्ष 2023 के विज्ञापन के आधार पर शुरू हुई थी। आयोग ने 10 जून 2024 को प्रारंभिक परीक्षा आयोजित की थी और 15 जुलाई 2024 को पीटी का परिणाम घोषित किया। पीटी में 1590 अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया, जिसके बाद दो से चार अगस्त 2024 को मुख्य परीक्षा ली गई। मुख्य परीक्षा में कुल 1511 उम्मीदवार शामिल हुए थे। रिजल्ट में लगातार हो रही देरी से अभ्यर्थियों में नाराजगी बढ़ती जा रही थी। उम्मीदवारों ने आयोग से लेकर सरकार तक कई बार अपनी आवाज उठाई लेकिन स्पष्ट जवाब न मिलने पर विरोध तेज होता गया। आंदोलन की कड़ी में सोमवार से अभ्यर्थियों ने रांची में भूख हड़ताल शुरू कर दी। उनका कहना था कि लंबी देरी से उनका भविष्य अनिश्चितता में है। अभ्यर्थियों ने परिणाम जारी कराने के लिए राज्यपाल, मुख्यमंत्री और जेपीएससी के अध्यक्ष से भी बार-बार गुहार लगाई। बढ़ते दबाव को देखते हुए आखिरकार सोमवार देर शाम आयोग ने मुख्य परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया। रिजल्ट की घोषणा के साथ ही अभ्यर्थियों में राहत और उत्साह दोनों देखने को मिला। अब आगे इंटरव्यू का चरण शुरू होगा जिसके बाद अंतिम चयन सूची जारी की जाएगी। अभ्यर्थियों को उम्मीद है कि नियुक्ति प्रक्रिया बिना देरी के जल्द पूरी हो जाएगी।

आंगनबाड़ी सेविका भर्ती नियमों में बदलाव : मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के चौथे दिन बुधवार को प्रश्नकाल में महेशपुर के झामुमो विधायक स्टीफन मरांडी ने आंगनबाड़ी सेविकाओं की नियुक्ति में आरक्षण का मामला उठाया। ध्यानकर्षण सूचना के रूप में उठाए गए इस मामले में मंत्री चमरा लिंडा ने सदन को आश्वस्त किया कि उनकी सूचना पर सरकार ने पहले ही निर्णय ले लिया है। अब आंगनबाड़ी सेविकाओं की नियुक्ति के लिए उम्र सीमा में आरक्षण का लाभ मिलेगा। इसके लिए पहले ही सरकार ने आदेश जारी कर दिया है। मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने सदन को आश्वस्त किया है कि खरसांवा गोलीकांड के पीड़ितों को चिह्नित करने के लिए जल्द ही उच्च स्तरीय समिति का गठन होगा। यह गोलीकांड झारखंड के लिए जालियावाला बाग जैसी घटना थी। एक जनवरी 1948 को घटी इस घटना में लाखों की भीड़ पर गोलियां चली थी। इसके पीड़ितों को चिह्नित करने के लिए नौ जनवरी 2015 को एक समिति बनी थी। कई स्तर पर जांच हुई, लेकिन दो ही पीड़ित चिह्नित हो सके थे। इसके लिए व्यापक जांच पड़ताल की जरूरत है। खरसांवा से झामुमो के विधायक दशरथ गगराई ने ध्यानाकर्षण सूचना के रूप में खरसांवा गोलीकांड के पीड़ितों को चिह्नित करने के लिए सदन से न्यायिक जांच की मांग की थी, जिसके जवाब में मंत्री ने उन्हें उच्च स्तरीय जांच समिति जल्द गठित करने का आश्वासन दिया है। मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि मैथन डैम के विस्थापितों के पुनर्वास पर 15 दिसंबर को धनबाद के डीसी की अध्यक्षता में बैठक होगी। उन्हें जमीन के बदले जमीन दिया जाएगा। राज्य सरकार किसी के साथ अन्याय नहीं होने देगी। धनबाद से भाजपा के विधायक राज सिन्हा के सवाल पर मंत्री ने सदन को यह आश्वासन दिया।

बाइकों के बीच टक्कर में दो युवकों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। जिले के गोमिया प्रखंड के ललपनिया घाटी में तुलबुल गांव के समीप बाइकों के बीच भीषण टक्कर हो गई जिसमें दो युवकों की मौत हो गई जबकि तीन लोग घायल हो गए हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोमिया में भर्ती कराया जहां दो युवकों की अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई। वहीं घटना की सूचना पाकर सीएचसी पहुंचे गोमिया बीडीओ, सीओ ने बेहतर इलाज के लिए गंभीर रूप से घायल अन्य दो बच्चों को बोकारो सदर अस्पताल रेफर कराया जबकि तीसरे घायल का इलाज ललपनिया स्थित टीटीपीएस अस्पताल में चल रहा है। मृतकों की पहचान तुलबुल निवासी रवि प्रसाद 38 वर्षीय पिता स्वर्गीय सुभाष प्रसाद एवं मंशु महली 16 वर्षीय पिता जगन्नाथ महली के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार रवि प्रसाद अपने साथी दिलीप प्रजापति के साथ बाइक से ललपनिया लौट रहे थे। इसी दौरान मंशु महली अपनी बाइक से ललपनिया की ओर जा रहा था जहां दोनों के आमने-सामने टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि यह टक्कर इतनी भीषण थी कि मंशु की बाइक पर सवार 4 वर्षीय बच्चा सड़क किनारे गिर गया। हालांकि फिलहाल बच्चा सुरक्षित है। गोमिया के सीओ आफताब आलम ने बताया कि दो बाइकों में टक्कर हुई हैं जिसमें दो युवकों की मौत हो गई है जबकि तीन लोग घायल हैं। घायलों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है।

भाजपा विधायकों ने सरकार को दिलाई सात वचनों की याद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के चौथे दिन बुधवार को सदन का माहौल पूरी तरह से राजनीतिक तकरार और हंगामे से भरा रहा। विपक्षी भाजपा विधायकों ने राज्य सरकार को उसके सात वचनों की याद दिलाने के लिए अनोखा तरीका अपनाया। भाजपा विधायक नीरा यादव ने हाथों में तख्ती लेकर फिल्मी गीत क्या हुआ तेरा वादा, भूल गए वो दिन... गाकर सरकार पर तंज कसा। उनके इस अंदाज में अन्य भाजपा विधायक भी शामिल हुए और सरकार की वादाखिलाफी को जनता के सामने रखने की कोशिश की। भाजपा विधायकों का आरोप है कि हेमंत सोरेन की सरकार ने सत्ता में आने से पहले सात प्रमुख वादे किए थे जिनमें साढ़े चार सौ रुपये में गैस सिलिंडर, हर साल दस लाख युवाओं को रोजगार तथा गरीबों को समय पर छात्रवृत्ति जैसे मुद्दे शामिल थे लेकिन सरकार एक भी वचन पर खरी नहीं उतर सकी है। उनका कहना है कि सरकार विकास योजनाओं की बजाय बालू और संसाधनों की बंदरबांट में व्यस्त है। छात्रवृत्ति, विधवा पेंशन और मइया सम्मान योजना जैसी कई लाभकारी योजनाएं ठप पड़ी हैं जिससे जनता निराश है। भाजपा विधायकों ने कहा कि सात वचनों को पूरा होने तक वे सदन से सड़क तक आंदोलन जारी रखेंगे। इधर मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि उनके पास कोई ठोस आंकड़ा नहीं है और वे सिर्फ बालू जैसे मुद्दों से जनता को भटका रहे हैं। भाजपा विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि सदन में विपक्ष को बोलने नहीं दिया जा रहा है और सरकार धनबाद कोलियरी क्षेत्र में हो रहे जहरीली गैस रिसाव पर भी उदासीन है। विधायक पूर्णिमा साहू ने भी सरकार को हर मोर्चे पर विफल बताया। वहीं, कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह, शिल्पी नेहा तिर्की और मंत्री दीपिका सिंह पांडेय ने भाजपा पर ड्रामेबाजी का आरोप लगाया और कहा कि खजाना खाली करने का काम 2014-2019 में भाजपा सरकार ने ही किया था। कुल मिलाकर सदन का वातावरण पूरे दिन हंगामेदार बना रहा।

अपना केवाईसी अपडेट रखें

ताकि आप बिना किसी रुकावट के बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठा सकें

यदि आपके केवाईसी संबंधी विवरण में कोई बदलाव नहीं हुआ है,

तो आप अपने पुन:केवाईसी के लिए एक स्व-घोषणा पत्र जमा करें - जिसे आप पत्र/ऑनलाइन बैंकिंग/मोबाइल बैंकिंग/एटीएम/बैंक में पंजीकृत अपने मोबाइल नंबर/ईमेल या कारोबार प्रतिनिधि (बीसी) के माध्यम से जमा करवा सकते हैं।

यदि आपके केवाईसी संबंधी विवरण बदल गए हैं,

तो अपडेटेड विवरणों वाले किसी एक दस्तावेज़ की प्रति प्रदान करें: आधार/मतदाता पहचान पत्र/ NREGA जॉब कार्ड/ड्राइविंग लाइसेंस/पासपोर्ट/ राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर द्वारा जारी पत्र।

आप अपनी नज़दीकी बैंक शाखा में जाकर भी अपना केवाईसी अपडेट करवा सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए, https://rbikehtahai.rbi.org.in/KYC पर जाएँ

आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर: 99990 41935/99309 91935

जनहित में जारी

भारतीय रिज़र्व बैंक

RESERVE BANK OF INDIA

www.rbi.org.in

जनवरी 2026 से मृत सहायक अध्यापकों के परिजन को मिलेगा अनुकम्पा का लाभ : नारायण

नवबिहार टाइम्स संवाददात

गिरिडीह। झारखंड विधानसभा परिसर रांची में मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू जी के सभा कक्ष में आयोजित सहायक अध्यापकों के विभिन्न मांगों के सवालों को लेकर किए गए प्रयासों के संदर्भ में मंत्री नगर विकास एवं उच्च शिक्षा विभाग सुदिव्य कुमार सोनू के साथ विभागीय अधिकारियों का सकारात्मक जबाव के अंश तलब आकलन पास 41000 सहायक अध्यापक सहित अन्य सभी तकरीबन 58000 सहायक अध्यापकों को वेतनमान समतुल्य मानदेय पर बजटीय प्रावधानों की कमी को देखते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी से सैद्धांतिक सहमति के उपरांत निश्चित रूप से भविष्य में इसका असर देखने को मिलेग 1000 की बढ़ोतरी का पूर्व के समझौते को अविलंब लागू करने का प्रयास के बाद लाभ दिया जाएगा।

अनुकम्पा का लाभ से संबंधित विभागी अधिकारियों का सकारात्मक प्रयास अंतिम चरण में है जिसका सीधा असर जनवरी 2026 से शुरू हो जाएगा जिसमें शिथिल करते हुए 2022 से अब तक में जिन सहायक अध्यापकों का निधन हुआ है उनके परिजनों को प्रखण्ड स्तर पर ही 20% उनके योग्यता के आधार पर नियुक्ति का लाभ मिल सकेगा 4% वार्षिक वृद्धि यथावत रहेगी शहरी क्षेत्रों में इसका लाभ नहीं मिल पा रहा था द्वितीय आकलन पास सहायक अध्यापकों को 10% वृद्धि का लाभ से संबंधित विभागीय पत्र डीईओ, डीएस इ को अवगत कराया गया है अगर किसी जिले में इसका अनुपालन नहीं किया गया है तो हमें सूचित करेंगे कल्याण कोष से संबंधित विभागीय प्रयास को लेकर बहुत जल्द अगली बैठक में सभी संघों के साथ निर्णय लिया जाएगा 60 के बजाय सेवा निवृत्त में 62 वर्ष के प्रावधानों को शिक्षा विभाग में अब तक लागू नहीं हो पाया है अगर इसका प्रावधान बनेगा तो सैद्धांतिक सहमति के बाद इस पर भी निर्णय लिया जाएगा जेटेट की परीक्षा आयोजित करने में वेटेज दिए जाने का भी प्रयास निश्चित रूप से किया जाएगा उक्त महत्वपूर्ण वार्ता में मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के साथ साथ शिक्षा विभाग के अधिकारी स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमा शंकर सिंह, परियोजना निदेशक शशि रंजन, प्रशासी पदाधिकारी सचिदानंद तिग्गा एवं प्राथमिक शिक्षा उप निदेशक मुकेश सिन्हा उपस्थित थे वार्ता में सहायक अध्यापक महासंघ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नारायण महतों, महासंघ के जिला अध्यक्ष रामगढ़ के अली रजा खान, हजारीबाग के जिला अध्यक्ष चन्दन मेहता गिरिडीह जिला महासचिव सुखदेव हाजरा, लोहरदगा जिला अध्यक्ष जसीम अंसारी, कोडरमा के दामोदर यादव, वीरेंद्र साव, नवीन कुमार, नईम अंसारी शामिल थे इस बैठक में पूर्व के समझौते पर ही विचारणीय तथ्यों को लागू करने एवं सैद्धांतिक सहमति के उपरांत सीधे तौर पर लागू करने का निर्देश दिया गया नए मांगो का प्रस्ताव को अगली बैठक में तमाम लोगों के सहमति के बाद औपचारिक रूप से निर्णय लिया जाएगा।

अवैध खनन के विरुद्ध प्रशासन की कार्रवाई, तीन वाहन जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददात

गिरिडीह। खोरीमहुआ अनुमण्डल प्रशासन द्वारा अवैध खनन एवं अवैध परिवहन पर रोक लगाने के उद्देश्य से बीती रात धनवार प्रखण्ड अंतर्गत विशेष छापामारी अभियान संचालित किया गया। इस अभियान का नेतृत्व अनुमण्डल पदाधिकारी श्री अनिमेष रंजन ने किया रात में अनुमण्डल पदाधिकारी, खोरीमहुआ द्वारा विभिन्न स्थानों पर सघन गश्ती के साथ वाहनों की जाँच की गई। इस दौरान तीन वाहनों को रोका गया और जाँच में पाया गया कि वे बोल्डर पत्थर से लदे, बिना वाहन चालान एवं ओवरलोडिंग की स्थिति में संचालित हो रहे थे।

जब्त किए गए वाहनों की संख्या निम्नानुसार है 1 वाहन संख्या जे एच 11पी 5820 2 वाहन संख्या जेएच 11एटी 6983 3 वाहन संख्या जेएच 11पी 6860 इन तीनों वाहनों को अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर जब्त कर लिया गया है। वाहनों को सुरक्षित अभिरक्षा हेतु घोड़थम्बा ओ.पी. में रखा गया है। साथ ही खनन एवं परिवहन अधिनियमों के अंतर्गत कार्रवाई की जा रही है। अनुमण्डल पदाधिकारी अनिमेष रंजन ने कहा कि अवैध खनन एवं अवैध परिवहन से सरकारी राजस्व को क्षति पहुँचती है तथा ओवरलोडिंग से दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। ऐसे अवैध कार्य किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। प्रशासन नियमित रूप से छापामारी अभियान चलाएगा और बिना चालान अथवा ओवरलोडिंग वाले वाहनों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अवैध खनन में संलिप्त व्यक्तियों एवं गिरोहों पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है तथा भविष्य में और भी व्यापक अभियान संचालित किए जाएंगे।

सरस्वती विद्यापीठ पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने किया भ्रमण

नवबिहार टाइम्स संवाददात

- हुंडरू फॉल, पतरातू डैम व बिरसा जैविक उद्यान की प्राकृतिक सुंदरता ने बच्चों को किया मंत्रमुग्ध : गौतम शर्मा
- शैक्षणिक भ्रमण बच्चों को मानसिक रूप से करता है मजबूत : गौरव शर्मा

बरही (हजारीबाग)। प्रखंड अंतर्गत समंतों पेट्रोल पंप के स्थित सरस्वती विधा पीठ पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने मंगलवार को हुंडरू फॉल, पतरातू डैम एवं बिरसा जैविक उद्यान का शैक्षणिक भ्रमण किया। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर इन स्थलों ने बच्चों में उत्साह भर दिया तथा उन्हें नई जानकारियाँ सीखने का अवसर मिला। स्कूल के निदेशक गौरव शर्मा ने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण बच्चों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाता है। इससे बच्चे मानसिक रूप से मजबूत होते हैं और कक्षा-कक्ष के बाहर व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करते हैं।

प्राचार्य गौतम कुमार शर्मा ने बताया कि झारखंड के खूबसूरत स्थलों को नजदीक से देखने और समझने का अवसर बच्चों को मिला। पतरातू डैम की मनमोहक झील, हुंडरू फॉल का प्राकृतिक दृश्य और जैविक उद्यान में मौजूद विभिन्न प्रजातियों के जानवरों को देखकर बच्चों ने काफी कुछ सीखा। भ्रमण के दौरान शिक्षक विजय केशरी, मयंक भास्कर, श्वेता बर्णवाल, पिंकी कुमारी, रानी कुमारी, गायत्री देवी, खुशबू कुमारी, विक्रम पंडित, कलावती कुमारी सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे। विद्यार्थियों में कुमकुम कुमारी, सोना कुमारी, सानिया कुमारी, परी कुमारी, पवन कुमार, विक्रम कुमार, गुंजन कुमारी, सोनम कुमारी, हार्दिक रजक, गीतांजलि, लक्ष्मी, अमित कुमार, विपुल कुमार, अंशु कुमार, संदीप, पीयूष समेत कई छात्र-छात्रा शामिल थे। बच्चों ने इस शैक्षणिक भ्रमण को यादगार बताते हुए कहा कि यह उनके लिए सीख और मनोरंजन का एक अनोखा अनुभव रहा।

अखिल भारतीय बहुभाषी नाटक नृत्य प्रतियोगिता की तैयारी के संदर्भ में महत्वपूर्ण निर्णय

नवबिहार टाइम्स संवाददात

गिरिडीह। कोष कमिटी की बैठक पंकज ताह कार्यकारी अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई तथा 29 जनवरी से आयोजित अखिल भारतीय बहुभाषी नाटक न। नृत्य प्रतियोगिता की तैयारी के संदर्भ में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया सभी सदस्यों से 30 दिसम्बर तक अपना आजीवन सदस्यता शुल्क जमा करने की अपील की गई नए डौनर तलाशने तथा नये सदस्यों को जोड़ने की अपील की गई बैठक का संचालन कोडीर्नेटर देवेंद्र सिंह कर रहे थे। 15 दिसम्बर से चंदा लेने के लिए निकलने का निर्णय लिया गया। कला संगम के पदाधिकारियों का अधिवक्ता संघ के चुनाव में परचम लहराने वाले पदाधिकारियों के लिए सम्मान समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया ईसके लिए सभी संरक्षक से वार्ता के लिए सतीश कुन्दन सचिव को अधिकृत किया गया। कार्यकारी अध्यक्ष पंकज ताह ने रजत जयंती को धुमधाम से मनाने की बात कही उन्होंने कहा शुक्रवार तक सभी को एडवांस देने के लिए प्रारंभिक राशि उपलब्ध कराने की बात कही। आज सवेरा सिनेमा हॉल को एडवांस दे दिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी ने तीन धर्मशाला आरक्षित करा दिया है फिर भी होटल की जरूरत होगी। कल एक प्रतिनिधिमण्डल उपायुक्त से मिलने जायेगा। तथा देवेंद्र एवं सतीश कुन्दन संरक्षक राजेन्द्र बगडिया से मिलकर अन्य संरक्षकों से वार्ता करेंगे।कोषाध्यक्ष बिनय बक्शी के धन्यवाद ज्ञापन के बाद बैठक सम्पन्न हुआ।

युवा साथी झारखंड संस्था ने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हेतु मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददात

बरही हजारीबाग। युवा साथी झारखंड संस्था ने जिला स्तरीय स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाल स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी, हजारीबाग उपायुक्त, सिविल सर्जन, तथा शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल हजारीबाग के अधीक्षक को एक विस्तृत अनुरोध पत्र भेजा है। संस्था ने पत्र में हजारीबाग सदर अस्पताल में प्लाज्मा एवं प्लेटलेट्स से संबंधित आधुनिक मशीनें स्थापित करने की मांग की है।

संस्था ने कहा कि सदर अस्पताल में जल्द से जल्द प्लाज्मा सेपरेटर, प्लेटलेट काउंटर, कोल्ड सेंट्रीफ्यूज जैसी आवश्यक मशीनें स्थापित की जानी चाहिए, ताकि जिले में जीवन रक्षक स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूती मिल सके।

पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि हजारीबाग में डेंगू, थैलेसिमिया, गंभीर दुर्घटनाएँ, तथा बड़ी सर्जरी जैसे मामलों में प्लाज्मा और प्लेटलेट्स की अत्यधिक आवश्यकता पड़ती है। वर्तमान में इन सुविधाओं का अभाव होने के कारण मरीजों को रांची या अन्य बड़े मेडिकल केंद्रों में रेफर करना पड़ता है, जिससे उपचार में देरी, आर्थिक बोझ, और कई बार जीवन को खतरा बढ़ जाता है।

संस्था का कहना है कि इन उपकरणों की स्थापना से जिला स्वास्थ्य सेवाएँ मजबूत होंगी, समय पर प्लाज्मा एवं प्लेटलेट्स उपलब्ध हो सकेंगे, मृत्यु दर में कमी आएगी, और गरीब व ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को भी सस्ती एवं निःशुल्क सुविधा मिल सकेगी। संस्था ने सरकार से आग्रह किया है कि "स्वास्थ्य के अधिकार" को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए इस दिशा में तत्काल कदम उठाए जाएँ।

लॉज में छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, क्षेत्र में सनसनी

हजारीबाग/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। कोर्रा थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहाँ 16 वर्षीय छात्र अंकित कुमार, पिता अजीत कुमार राय, निवासी ग्राम चौरा, थाना जमुआ, जिला गिरिडीह (झारखंड) ने लॉज में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

अंकित कुमार हजारीबाग में एक लॉज में रहकर ISC की पढ़ाई कर रहा था। शुक्रवार की सुबह जब साथी छात्र और लॉज संचालक ने कमरे का दरवाजा नहीं खुलते देखा, तो शक होने पर सूचना दी। दरवाजा खोलने पर अंदर छात्र का शव फंदे से लटकता हुआ मिला। घटना की जानकारी मिलते ही कोर्रा थाना पुलिस मौके पर पहुंची, शव को नीचे उतारकर पंचनामा किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में इसे आत्महत्या का मामला माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। इस दर्दनाक घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल है। परिजनों को सूचना दे दी गई है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददात

गिरिडीह। झालसा रांची के निदेर्शानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह मार्तंड प्रताप मिश्रा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह सफदर अली नैयर के आदेशानुसार गिरिडीह के सभी प्रखंडों एवं पंचायत विधिक सहायता केंद्रों में अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में पी एल वी के द्वारा बताया गया कि मानवाधिकार सभी मनुष्यों के निहित अधिकार हैं , चाहे उनकी जाती, लिंग, राष्ट्रीयता, जातीयता, भाषा, धर्म या कोई अन्य स्थिति कुछ भी हो। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति , राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और भी अन्य शामिल है। जिले के सभी केंद्रों में कार्यक्रम का किया गया ।कार्यक्रम को सफल बनाने में पी एल वी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अहिबरन जयंती सह परिवार मिलन समारोह धूमधाम से मनाने का निर्णय

नवबिहार टाइम्स संवाददात

गिरिडीह। बरनवाल सेवा सदन, गिरिडीह में बरनवाल सेवा समिति की बैठक सुबोध कुमार बरनवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। बैठक में अहिबरन जयंती सह परिवार मिलन समारोह धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। समिति के सचिव राजेंद्र लाल बरनवाल ने बताया कि बरनवाल जाति के आदिपुरुष महाराजा अहिबरन जी की जयंती आगामी 26 दिसंबर, 2025 को बरनवाल सेवा सदन, गिरिडीह में मनाई जाएगी। जिसमें स्वजाति बच्चों के बीच कई प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी।इसके साथ ही बरनवाल सेवा सदन परिसर में नवनिर्मित वातानुकूलित भवन खंड का उद्घाटन किया जाएगा।

भू माफिया द्वारा जमीन कब्जा करने को लेकर प्रदीप कुमार गुप्ता ने उपायुक्त को दिया आवेदन

नवबिहार टाइम्स संवाददात

गिरिडीह। मध्य विद्यालय मिजार्गज के भूमि पर और कन्या उच्च विद्यालय व स्टेडियम के रोड में भू माफिया दशरथ साव ने अवैध तरीके से विलडींग बना लिया। और अपकारी विभाग के भूमि का बिलडींग तोड़ कर कमपाउंड बना लिया। उन सब को हटाने को लेकर गुहार लगाई उपायुक्त से प्रदीप कुमार गुप्ता नें मध्य विद्यालय मिजार्गज को 1929 में सरकार द्वारा जो 70 डी० भूमि आवंटित कराई गई थी। उसी भूमि पर लाइब्रेरी के पास व कन्या उत्च्च विधालय व स्टेडियम के रोड में भू माफिया दशरथ साव ने अवैध तरीके से बिल्डिंग बना लिया। उसे हटाने का कृपा करें विधालय के भूमि का पेपर व अमीन द्वारा नापि रिपोर्ट व नक्सा आवेदन के साथ संलगन कर रहा हूँ।

विद्यालय का भूमि का उल्लेख इस प्रकार है जिला-गिरीडीह अंचल - जमुआ हल्का-10 थाना न० 329 मौजा जगरनाघडीह खाता 84 प्लॉट नं० 164 में रकवा 56 डी० व प्लॉट- 160 में रकवा 14 डी० कुल रकवा 70 डी० है। इसका चहूदी । उ० प्लॉट न०-164 / 30 प्लॉट न०-157 एण्ड रोड / पृ० प्लॉट न०-159 +157 प० प्लॉट न० 164` व कन्या उच्च विधालय व स्टेडियम का रोड। 30 तरफ प्लॉट की चौड़ाई 10 फिट द० फ्रन्ट-76 फिट पृ० लंचाई - 350 फिट प० लंबाई 380 फिट कन्या उच्च विधालय व स्टेडियम का रोड 12 फिट है। विद्यालय के लाइब्रेरी के पास व कन्या उच्च विधालय व स्टेडियम के रोड मे भू माफिया दसरथ साव ने 1929 में विधालय के नाम से भूमि आवंटित कराई गई थी उसी पर बिल्डिंग बना लिया बिल्डिंग बनाते समय विधालय के प्रधानाध्यापक व समाज सेवी सचिदानंद सिंह के द्वारा अंचल अधिकारी जमुआ को आवेदन दे के केश फाइल किया वाद संख्या 49:08-2009 है अंचल अधिकारी व दशरथ साव मिलकर सुनीता देवी पति दशरथ साव के नाम से फर्जी पेपर बना दिया। जबकि 1929 में विद्यालय के नाम से वही प्लॉट वही रकवा वही चहुदी सरकार द्वारा विद्यालय को भूमि आवंटित कराई गई थी। और वही प्लॉट वही रकवा वही चहुदी में हाल ही में सुनीता देवी पति दशरथ साव के नाम से फर्जी पेपर बना लिया स्कूल का जमीन लाल रंग से वरसाई गई है। और रोड का जमीन पीला रंग से दरसाई गई है। और अवैध बिल्डिंग काला रंग से दरसाई गई है। वही दशरत साव है जो हाल ही मे अपकारी विभाग का बिल्डिंग तोड़ कर कम्पाउंड कर लिया। उपायुक्त के पहल से रोक लगाया गया है।

सुरेखा प्रकाश भाई पब्लिक स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी, बच्चों की प्रतिभा ने सबका मोहा मन

नवबिहार टाइम्स संवाददात

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड के बेहरा स्थित नव भारत जागृति केंद्र द्वारा संचालित सुरेखा प्रकाश भाई पब्लिक स्कूल में वार्षिक विज्ञान प्रदर्शनी का शानदार आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बरही एसडीओ जोहन टुडू, चौपारण सीओ संजय यादव, और प्रखंड विकास पदाधिकारी नितेश भास्कर ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

कार्यक्रम का संचालन विद्यालय संस्था के सचिव गिरजा सतीश, प्रबंधक गंधर्व गौरव, तथा प्राचार्या रीना पांडे के मार्गदर्शन में किया गया। प्रदर्शनी में बच्चों ने आधुनिक विज्ञान, ऊर्जा एवं जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, रोबोटिक्स, और तकनीकी नवाचार से जुड़े आकर्षक मॉडल प्रस्तुत किए। अधिकारियों ने छात्रों की रचनात्मकता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन वैज्ञानिक सोच, नवाचार और खोज की भावना को बढ़ावा देते हैं। प्रदर्शनी को देखने के लिए बड़ी संख्या में अभिभावक और स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे और बच्चों की प्रतिभा की प्रशंसा की। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने विद्यालय प्रबंधन एवं छात्र-छात्राओं को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ दीं।

बरही के 40 आंगनबाड़ी केंद्रों में बनेगी पोषण वाटिका, बच्चों के भोजन में शामिल होंगी ताजी सब्जियाँ

नवबिहार टाइम्स संवाददात

बरही। बरही प्रखंड में कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए सरकार की पोषण वाटिका योजना को तेजी से लागू किया जा रहा है। इस योजना के तहत प्रखंड के 40 आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण वाटिकाएँ विकसित की जाएँगी, जहाँ ताजी हरी सब्जियों की खेती की जाएगी। इन सब्जियों को बच्चों के दैनिक भोजन में शामिल किया जाएगा, जिससे उनका आहार अधिक पौष्टिक और संतुलित बनेगा।

वर्तमान में आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को मुख्यतः पैकेटबंद पोषण सामग्री उपलब्ध कराई जाती है, लेकिन पोषण वाटिका शुरू होने से हर दिन ताजी सब्जियाँ सीधे केंद्रों पर ही तैयार होंगी, जो बच्चों के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी होंगी। इससे न केवल पोषण स्तर सुधरेगा, बल्कि आंगनबाड़ी केंद्रों के प्रति बच्चों और अभिभावकों का जुड़ाव भी बढ़ेगा। इस योजना को सफल बनाने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग, सामाजिक सुरक्षा विभाग, और मनरेगा संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। आंगनबाड़ी सेविकाओं को उद्यान विभाग एवं कृषि विभाग के विशेषज्ञों द्वारा खेती और वाटिका प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। योजना के तहत प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र को पाँच वर्षों तक प्रति वर्ष 5,000 से 10,000 रुपये तक की राशि सब्जी बागान के रखरखाव के लिए दी जाएगी।

सक्सेस प्वाइंट कोचिंग व संगम डिग्री कॉलेज के छात्रों का नालंदा, राजगीर व पावापुरी शैक्षणिक भ्रमण सफलतापूर्वक संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददात

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड क्षेत्र के सक्सेस प्वाइंट कोचिंग संस्थान एवं संगम डिग्री कॉलेज, बसरिया के विद्यार्थियों ने संचालक प्रकाश कुमार के नेतृत्व में बिहार के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर स्थलों—नालंदा, राजगीर और पावापुरी—का शैक्षणिक भ्रमण किया।

संचालक प्रकाश कुमार ने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण से छात्रों में व्यावहारिक ज्ञान, इतिहास की समझ, प्रेरणा, और जीवन कौशल का विकास होता है। उन्होंने कहा कि पुस्तकों के बाहर की दुनिया को जानना और ऐतिहासिक विरासत को करीब से महसूस करना शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भ्रमण के दौरान छात्रों को नालंदा विश्वविद्यालय के प्राचीन वैभव, राजगीर स्थित विश्व शांति स्तूप, तथा पावापुरी के धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने इन स्थलों का प्रत्यक्ष अवलोकन करते हुए ज्ञानवर्धक अनुभव प्राप्त किया। इस शैक्षणिक यात्रा में मोनिका यादव, पिंकी यादव, स्वाती कुमारी, रिया कुमारी, सोनाक्षी कुमारी, गुलशन खातून, रफत खातून सहित कई छात्र-छात्राएँ शामिल रहे।

आईसीएआर-आईएआरआई, गौरियाकर्मा द्वारा चुरचू में महिला किसानों के लिए बीज वितरण

नवबिहार टाइम्स संवाददात

चुरचू/चरही। आईसीएआर-आईएआरआई गौरियाकर्मा द्वारा नवतम महिला किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड में एक महत्वपूर्ण बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम चुरचू गाँव, पोस्ट चुरचू, पंचायत चुरचू एवं आंगो प्रखंड के अंतर्गत संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम का आयोजन SCSC योजना के तहत किया गया, जिसका उद्देश्य अनुसूचित जाति की महिला किसानों को उन्नत एवं उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराना और उन्हें बेहतर कृषि उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में नाबार्ड DDM श्रीमती ऋचा भारती मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उनके साथ नवतम महिला एफपीसी की निदेशक/अध्यक्ष सुमन कुमारी, बेबी देवी, मदीना खातून, गीता देवी, कल्पना देवी, रंजू देवी, चिंता देवी, तथा प्रबंधक दीपक कुमार यादव मौजूद रहे। बीज वितरण से लाभान्वित होने वालों में अनीता देवी, सरिता देवी, सबीता देवी, क्रांति देवी, बसंती देवी, शांति देवी, सुशीला देवी, सीता देवी, सैरा देवी, लक्ष्मी देवी, बबीता देवी, रीना देवी, राधा देवी सहित कई किसान बहनें शामिल थीं। स्थानीय महिलाओं ने उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया।

हाईटेक निगरानी की ओर देवघर पुलिस

E-BEAT ऐप के जरिए अब हर पुलिसकर्मी की गश्ती पर कंट्रोल रूम से लाइव मॉनिटरिंग होगी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। जिले में सड़कों पर अब अपराधियों की खैर नहीं। शहर के संवेदनशील और विवादित इलाकों में पुलिस गश्ती को और ज्यादा मजबूत व पारदर्शी बनाने के लिए देवघर पुलिस ने एक हाईटेक पहल की है। E-BEAT एप के जरिए अब हर पुलिसकर्मी की गश्ती पर कंट्रोल रूम से लाइव मॉनिटरिंग होगी। बुधवार से इस सिस्टम को औपचारिक रूप से लागू कर दिया गया है।

शहर के उन इलाकों पर अब खास नजर रहेगी, जहां अक्सर नशेड़ियों का जमावड़ा, छिनतई, चोरी और असामाजिक गतिविधियां देखने को मिलती रही है। एप के जरिए यह सुनिश्चित किया जाएगा कि पुलिस गश्ती सिर्फ कागजों में नहीं, बल्कि जमीन पर भी पूरी जिम्मेदारी से हो। मौके पर देवघर पुलिस कप्तान सौरव ने बताया कि कार्यभार संभालने के बाद से ही वे पुराने और सक्रिय अपराधियों की सूची तैयार करवा रहे हैं। जिन पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

पुलिस की मूवमेंट पर रहेगी नजर

जिले में कई नई टीओपी (Temporary Out Post) भी शुरू की गई है। जिससे हर संवेदनशील इलाके पर पुलिस की सीधी पकड़ बनी रहेगी। एसपी ने बताया कि

E-Beat एप पुलिस कर्मियों के मोबाइल में इंस्टॉल किया गया है। जैसे ही कोई गश्ती दल प्रशासन द्वारा चिन्हित संवेदनशील स्थान पर पहुंचेगा। उसका लोकेशन और मूवमेंट सीधे कंट्रोल रूम में रिकॉर्ड हो जाएगा। इससे यह साफ पता चलेगा कि कौन पुलिसकर्मी समय पर अपनी ड्यूटी निभा रहा है और कौन लापरवाही बरत रहा है।

अब पुलिस की लापरवाही पर लगेगी रोकः एसपी

दरअसल, कई बार यह शिकायत मिलती रही है कि कुछ पुलिसकर्मी संवेदनशील इलाकों में नियमित गश्ती नहीं करते हैं। जिसका फायदा अपराधी उठा लेते हैं। E-Beat एप के आने से अब ऐसी लापरवाही पर लगाम लगेगी और हर मूवमेंट का डिजिटल रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा। देवघर पुलिस द्वारा पहली बार इस तरह की अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। माना जा रहा है कि इसके असर से न सिर्फ चोरी-छिनतई पर लगाम लगेगा, बल्कि आम लोगों में भी सुरक्षा का भरोसा और कानून का डर दोनों मजबूत होंगे।

साहिबगंज खनन मामले की सीबीआई जांच को सुप्रीम कोर्ट से मिली हरी झंडी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। सुप्रीम कोर्ट ने साहिबगंज जिले में कथित अवैध पत्थर खनन और ग्रामीणों पर हमले के मामले में हाइकोर्ट द्वारा सीबीआई जांच के आदेश को चुनौती देने वाली झारखंड सरकार की याचिका खारिज कर दी है। अब यह पूरा मामला सीबीआई जांच के दायरे में आयेगा। इस फैसले के बाद आज शीतकालीन सत्र में सियासत भी तेज हो गई।

साहिबगंज में कथित अवैध खनन मुद्दे पर जहां विपक्ष को सीबीआइ जांच में बड़ा खुलासा होने का उम्मीद है, वहीं इस फैसले से सत्ता पक्ष में मायूसी देखी जा रही है। इन सबके बीच सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर जनता दल यूनाइटेड के वरिष्ठ विधायक सरयू राय ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि सीबीआई जांच से पिछले पांच साल से चले आ रहे कथित पत्थर घोटाले की परतें खुलेंगी और कई सफेदपोश चेहरे के सामने आने की संभावना बढ़ गई है।

रांची एयरपोर्ट से 15 दिसंबर तक इंडिगो फ्लाइट परिचालन सामान्य होने का दावा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची में इंडिगो की फ्लाइट संचालन से जुड़ी समस्या जल्द खत्म होने का दावा किया गया है। एयरपोर्ट निदेशक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि 15 दिसंबर तक इंडिगो के परिचालन में आ रही दिक्कतें पूरी तरह सामान्य हो जाएंगी। यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए एयरपोर्ट प्रबंधन लगातार इंडिगो के साथ समन्वय बनाए हुए है।

उन्होंने बताया कि रांची एयरपोर्ट से इंडिगो की कुल 18 फ्लाइट रोज उड़ान भरती है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से तकनीकी और परिचालन कारणों से कई उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। इससे यात्रियों को असुविधा हुई, जिसे ध्यान में रखते हुए एयरपोर्ट प्रबंधन ने फ्लाइट रद्द होने की सूचना यात्रियों के मोबाइल पर सीधे भेजना शुरू किया है।

एयरपोर्ट निदेशक ने स्पष्ट किया कि फ्लाइट रद्द या रीशेड्यूल होने की सूचना यात्रियों को एसएमएस

और एप नोटिफिकेशन के माध्यम से मिल रही है, इसलिए सिर्फ जानकारी लेने के लिए एयरपोर्ट आने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि बिना जरूरत एयरपोर्ट पहुंचने से भीड़ बढ़ती है और सुरक्षा व संचालन व्यवस्था पर असर पड़ता है। इंडिगो प्रबंधन द्वारा यात्रियों की आर्थिक हानि न हो, इसके लिए रिफंड प्रक्रिया को तेज कर दिया गया है। एयरपोर्ट निदेशक ने बताया कि 9 दिसंबर तक की बुकिंग का पूरा रिफंड यात्रियों को भेज दिया गया है। इसके अलावा 10 दिसंबर से आगे जिन तिथियों की फ्लाइटें रद्द होंगी, उनका रिफंड भी स्वतः प्रोसेस किया जाएगा। यात्रियों को इसके लिए किसी प्रकार के आवेदन या एयरपोर्ट आने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि परिचालन संबंधी समस्या अस्थायी है और इसे दूर करने के लिए इंडिगो के इंजीनियरिंग और ऑपरेशन विभाग ने अतिरिक्त टीम तैनात की है। अगले कुछ दिनों में सभी उड़ानें सामान्य रूप से बहाल हो जाएंगी। एयरपोर्ट प्रबंधन ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले केवल इंडिगो की आधिकारिक वेबसाइट, मोबाइल एप या कस्टमर केयर पर अपनी फ्लाइट की स्थिति चेक कर लें। एयरपोर्ट डायरेक्टर ने अंत में कहा कि यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और समयबद्ध यात्रा सुनिश्चित करना एयरपोर्ट की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रबंधन लगातार स्थिति की निगरानी कर रहा है और 15 दिसंबर तक परिचालन पूरी तरह पटरी पर लौट आएगा, ऐसी उम्मीद है।

रांची में लोकभवन के सामने कुशवाहा महासभा का धरना

सात सूत्री मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में पिछड़े समुदाय के लोगों के लिए सरकारी नौकरियां, शैक्षणिक संस्थानों में 27% आरक्षण, कृषि को उद्योग का दर्जा देने सहित सात सूत्री मांगों के समर्थन में आज झारखंड कुशवाहा महासभा के बैनर तले बड़ी संख्या में कुशवाहा समाज के लोगों ने लोकभवन (पूर्व में राजभवन) के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया।

इस धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व कुशवाहा महासभा के अध्यक्ष हाकिम प्रसाद महतो ने किया।उन्होंने कहा कि राज्य बनने के बाद साजिश रचकर पिछड़ों का आरक्षण 27% से घटाकर 14% कर दिया गया। राज्य गठन के बाद ओबीसी की हकमारी और मनमानी शुरू हो गया है। अब राज्य के ओबीसी में जागरुकता आयी है और राज्य का कुशवाहा समाज इस आंदोलन का नेतृत्व करेगा। सड़क से लेकर सदन तक हक की लड़ाई लड़ी जाएगी। लोकभवन के समक्ष आज के प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुईं।

मांगें पूरी नहीं हुई तो ओबीसी समाज करेगा प्रदर्शन- भुनेश्वर प्रसाद मेहता

हजारीबाग से सीपीआई के सांसद रहे भुनेश्वर प्रसाद मेहता भी आज झारखंड कुशवाहा महासभा के धरना-प्रदर्शन में शामिल हुए। इस दौरान पूर्व सांसद ने कहा कि राज्य में आदिवासियों का आरक्षण बढ़ाया गया। उससे उन्हें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन राज्य बनने के बाद ही झारखंड में ओबीसी का आरक्षण 27% से घटाकर 14% कर देना सही नहीं था। भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि ओबीसी आरक्षण बढ़ाने के साथ-साथ राज्य में रघुवर सरकार के समय में बनाई गई लैंड बैंक को समाप्त करने, कृषि को उद्योग का दर्जा देने, भूमि अधिग्रहण कानून 2013 को अक्षरशः लागू करने

भूमि विवाद को लेकर मारपीट व गोलीबारी में राजद नेता घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज के चरकावा उपरडीह के बधार में भूमि विवाद को ले हुई मारपीट एव गोलीबारी के मामले में राजद नेता सह वार्ड नं 15 के वार्ड पार्षद प्रतिनिधि माहिद खान घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों एवं प्रशासन की मदद से उन्हें तत्काल रफीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति गंभीर होने पर चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि जमीन विवाद को लेकर महिद खान बीच बचाव करने गए थे। इसी दौरान विपक्षी चरकावा निवासी अनिल शर्मा एव उनके साथ रहे लोगों ने लाठी डंडे से प्रहार किया गया। घायल माहिद खान ने बताया कि गोली चलाया गया जो पैर में गोली लगी है तथा सर पर लाठी-डंडे एवं लोहे के रॉड़ से प्रहार किया गया। एसडीपीओ (1) ने बताया कि भूमि विवाद में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है तथा गोलीबारी की पुष्टि हुई है। हथियार बरामदगी के संबंध में उन्होंने कहा कि मामला अनुसंधानाधीन है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। खबर भेजे जाने तक प्राथमिकी दर्ज

तीन साल पहले शुरू हुआ महत्वपूर्ण सड़क का निर्माण अभी तक है अधूरा

तीन साल से अटका पड़ा सड़क का निर्माण कार्य, एक साल में करना था पूरा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उग्रवाद प्रभावित इलाके में विकास के कई कार्य हुए हैं। सड़कों का जाल भी बिछाया गया है। कई सड़क के निर्माण में सीधे तौर पर अनियमितता बरती गई। चिरकी-पलमा मुख्य पथ से पांडेयडीह सड़क निर्माण में भी गड़बड़ी का मामला सामने आया है। तीन साल में भी इस सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण नहीं किया गया।

जैसे तैसे बनाया गया गार्डवाल

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत वर्ष 2022 में सड़क का निर्माण कार्य शुरू किया गया। लगभग 4.27 किमी लंबी इस सड़क को 2.6 करोड़ में बनाने का काम नवंबर 2022 में शुरू किया गया। कार्य को एक साल के अंदर पूर्ण करना था, इसके पांच साल तक सड़क का देखभाल का जिम्मा भी धनबाद की एजेंसी को दिया गया। लेकिन तीन वर्ष बाद भी सड़क पूरी तरह से बनी नहीं है। कई जगह सड़क अधूरा है तो गार्डवाल भी जैसे तैसे बनाया गया जो अभी भी अधूरा है।

गार्डवाल में लगाया गया पत्थर भी

लोकल प्रतीत हो रहा है। अधिकांश गार्डवाल को जैसे तैसे न सिर्फ जोड़ा गया बल्कि उसका प्लास्टर भी नहीं कभी कायम थी। यह सड़क उन गावों से गुजरी है, जहां हार्डकोर नक्सलियों का घर था। यह सड़क इनामी नक्सली के गांव तक गई है। ऐसे में इस सड़क के निर्माण को प्रशासन ने अपनी प्रमूखता में रखा था।

क्या कहते हैं अधिकारी

इस विषय पर ग्रामीण कार्य मायने ने महत्वपूर्ण है। दरअसल यह सड़क उन इलाके से गुजरी है, जहां नक्सलियों की समानांतर व्यवस्था विभाग के कनीय अभियंता (पीरटांड प्रखंड) मेघलाल कुमार ने बताया कि सड़क का निर्माण कार्य 2023 में ही पूर्ण होना था। कुछ काम बचा है उसे पूर्ण करने का दबाव संवेदक पर बनाया जा रहा है। वहीं जहां भी गड़बड़ी है उसे दुरूस्त किया जाएगा।

पूर्व रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा–711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस अथवा अन्य किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के साथ पंजीकृत सहित समतुल्य प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं वांछित वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से निम्नलिखित ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं : **सीनि. डीईएन/1/हावड़ा**। एनआईटी सं.: 201_2025-26, दिनांक 09.12.2025, कार्य का विवरण: हावड़ा मंडल के अधिकार क्षेत्र में वेल्डिंग हिस्से की आपूर्ति एवं देखभाल के साथ अल्यूमिनो थर्मिट एसकेवी प्रक्रिया द्वारा रेल ज्वाइंटों की वेल्डिंग। अनुमानित लागत : रु. 4,56,44,500; बयाना राशि : रु. 3,78,200। निविदा प्रपत्र की कीमत: शून्य। समापन अवधि: 12 महीने। निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 24.12.2025 को 14.00 बजे। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देती है। हालांकि, ऑनलाइन निविदा अगले कार्यकारी दिवस को खोली जाएगी। निविदाओं का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। ई-निविदा से संबंधित बयाना राशि जमा (ईएमडी) तथा निविदा दस्तावेज की कीमत (टीडीसी) का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग अथवा पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(HWH-450/2025-26)

निविदा सूचनाएं, वेबसाइट **ww.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

केंद्र पर 28 हजार करोड़ रोकने का आरोप

विकास के लिए 16 हजार 800 करोड़ का लोन लेगी झारखंड सरकार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड विधानसभा में द्वितीय अनुपूरक बजट पर अपनी बात रखते हुए वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने केंद्र सरकार पर 28 हजार करोड़ रुपये की बकाया राशि जारी न करने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यदि यह राशि मिल जाती तो राज्य सरकार उज्ज्वला योजना के तहत 65 लाख उपभोक्ताओं को लाभ दे पाती। राज्य सरकार इन उपभोक्ताओं को प्रति सिलेंडर 450 रुपये की अनुदान राशि देने को तैयार थी। वित्तमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार अब झारखंड के विकास कार्यों को गति देने के लिए 16,800 करोड़ रुपये का ऋण लेने की तैयारी में है। उन्होंने दावा किया कि योजना मद में राज्य पर किसी भी प्रकार का अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं पड़ेगा और अनुपूरक बजट के

माध्यम से आवश्यक समायोजन कर लिया गया है। हालांकि, स्थापना मद में 966.64 करोड़ रुपये का भार अवश्य आएगा, जिसे अतिरिक्त संसाधन बढ़ाकर वित्तीय वर्ष के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार झारखंड के साथ "सौतेला व्यवहार" कर रही है। वित्तमंत्री के अनुसार, एक मद में झारखंड को 47,000 करोड़ रुपये मिलने थे, जिसमें से नवंबर तक केवल 30,971 करोड़ मिले हैं। वहीं 17,000 करोड़ वाले दूसरे मद में मात्र 4,800 करोड़ की ही प्राप्ति हुई है। इस प्रकार केंद्र पर वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान 28,863.64 करोड़ रुपये बकाया हैं। पेंशन मद में भी 132 करोड़ रुपये की राशि लंबित है।

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 7,721.25 करोड़ रुपये का द्वितीय अनुपूरक बजट भी सदन से पास हो गया। इसमें महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग को सर्वाधिक 2,082.25 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिनका उपयोग मुख्यतः मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना और सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्ध योजना में होगा। वित्तमंत्री ने राज्य का खजाना खाली होने की चर्चाओं को खारिज करते हुए कहा कि यह पूरी तरह भ्रामक दावा है। नवंबर तक सभी सरकारी कर्मचारियों के वेतन का भुगतान हो चुका है, जो इस बात का प्रमाण है कि कोष में पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि 91,000 करोड़ रुपये के कुल बजट में से 13 हजार करोड़ मंईयां सम्मान योजना पर और शेष 78 हजार करोड़ अन्य विकासात्मक योजनाओं पर खर्च किए जा रहे हैं। अनुपूरक बजट में नई सड़कों के निर्माण के लिए 300 करोड़, नए पुलों के लिए 100 करोड़ और सीएम ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना हेतु 400 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

पलामू में 52 धान क्रय केंद्र खोलने की तैयारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। एक लंबे अरसे के बाद पलामू में धान की पैदावार लक्ष्य से अधिक हुई है। पलामू के इलाके में धान की रोपनी 51 हजार हेक्टेयर से अधिक में हुई है। धान की अच्छी पैदावार होने के बाद देर से धान खरीद की प्रक्रिया शुरू हो रही है।

15 दिसंबर से होगी धान की खरीद

कुछ दिनों पहले ही राज्य सरकार के कैबिनेट ने धान की एमएसपी तय की थी। जिसके बाद धान खरीद की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। पलामू में धान की खरीद के लिए पहले चरण में 52 क्रय केंद्र खोले जाएंगे। साथ ही सभी केंद्रों पर पहली बार सीसीटीवी भी लगाया जाएगा। 15 दिसंबर से धान की खरीद की शुरुआत होगी।

पलामू में 52 क्रय केंद्र खोलने का प्रस्ताव

इस संबंध में जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्कू ने बताया कि पलामू में 52 क्रय केंद्र खोलने का प्रस्ताव है। 15 दिसंबर से किसानों से धान की खरीद की शुरुआत की जानी है। दरअसल शुरुआत में पलामू में 76 धान क्रय केंद्र खोलने के लेकर प्रस्ताव दिया गया था, लेकिन 52 पर ही सहमति बनी है । 17 राइस मिलरों के तरफ से भी प्रस्ताव

आया है। पांच राइस मिलरों को धान देने पर सहमति बनी है। पलामू जिला प्रशासन ने भी धान खरीद को लेकर तैयारियां पूरी कर ली है। गोदाम की सफाई करा दी गई है, जबकि धान रखने के लिए गोदाम भी चिन्हित किए गए हैं।

दरअसल, पलामू का इलाका धान की पैदावार के लिए चर्चित रहा है। इस इलाके में बारिश होने के बाद धान की पैदावार अच्छी होती है। इस बार बारिश अच्छी हुई है और धान की पैदावार भी अच्छी हुई है। कई इलाकों में धान की कटाई हो गई है और किसान खुद से धान बेच भी रहे हैं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में टास्क फोर्स की बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। समाहरणालय सभाकक्ष जिलाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में टास्क फोर्स की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले में विधि-व्यवस्था, मद्य निषेध, अवैध खनन, भूमि विवाद, बाल श्रम उन्मूलन तथा किशोर श्रम निषेध जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने मद्य निषेध से संबंधित सभी मामलों की गहन समीक्षा करते हुए बताया कि इस वर्ष शराब बरामदगी में वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि विदेशी शराब की बरामदगी में गत वर्ष की तुलना में कमी पाई गई है। उन्होंने पुलिस एवं उत्पाद विभाग को विदेशी शराब की बरामदगी बढ़ाने, होम डिलीवरी में संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी में तेजी लाने तथा आपसी समन्वय के साथ त्वरित सूचना साझा करने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान यह भी पाया गया कि नीलामी के लिए 560 वाहन अब भी लंबित हैं। इस पर जिलाधिकारी ने उत्पाद

अधीक्षक को नीलामी प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। साथ ही 19,000 लीटर से अधिक शराब के विनष्टीकरण में देरी पाए जाने पर पुलिस एवं उत्पाद विभाग को इसे शीघ्र नष्ट करने का आदेश दिया गया। जिलाधिकारी ने अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध कठोर एवं सतत कार्रवाई सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने सरेंडर किए गए घाटों की पुलिस द्वारा विशेष निगरानी करने का निर्देश देते हुए कहा कि इससे जिले में विधि-व्यवस्था बनाए रखने में भी सहायता मिलेगी।

बैठक में अपर समाहर्ता नवादा डॉ. अनिल कुमार तिवारी, अनुमंडल पदाधिकारी नवादा सदर अमित अनुराग, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) निशु मल्लिक, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी हुलास कुमार, वरीय उपसमाहर्ता सह विधि शाखा प्रभारी डॉ. राजकुमार सिंहा, उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र, जिला खनन पदाधिकारी प्रत्यय अमन सहित संबंधित विभागों के विभिन्न पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुआवजा को लेकर भड़के ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। नवादा में मंझवे–ककोलत मुख्य पथ के सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण कार्य के लिए अर्जित भूमि के उचित मुआवजे की मांग को लेकर अकबरपुर प्रखंड के पैजुना पंचायत के ग्रामीणों का आंदोलन बुधवार को उग्र हो गया। बड़ी संख्या में प्रभावित रैयत ककोलत रोड पर जमे रहे और सड़क निर्माण कार्य को रोक दिया।

आंदोलन का नेतृत्व सुबोध कुशवाहा, शैलेन्द्र कुमार, रंजीत कुमार सहित कई स्थानीय लोगों द्वारा किया गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के स्पष्ट निर्देश और भूमि मुआवजा निर्धारण से जुड़ी समिति की रिपोर्ट के बावजूद उन्हें अब तक उचित मुआवजा नहीं मिल रहा है।

प्राप्त प्रशासनिक आदेश के अनुसार, जिला समाहरणालय, नवादा (भू-अर्जन शाखा) ने 22 अप्रैल 2025 को पत्रांक 605 के माध्यम से विभिन्न केंद्रीय व राज्य परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित भूमि के किस्म व प्रकार के वर्गीकरण हेतु पाँच सदस्यीय समिति का गठन किया था। समिति में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी सह-सदस्य सचिव, अवर निषादक, उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी तथा भूमि सुधार उप समाहर्त्ता शामिल हैं। आदेश में स्पष्ट निर्देश दिया गया था कि एसएच-103 (मंझवे–गोविंदपुर पैकेज-7) के अंतर्गत विभिन्न मौजों की भूमि का स्थलीय निरीक्षण कर वास्तविक किस्म व मूल्यांकन का प्रतिवेदन शीघ्र उपलब्ध कराया जाए। इसी क्रम में ककोलत रोड मुआवजा समिति द्वारा रैयतों की ओर से जिलाधिकारी को भेजे गए पत्र में भी कहा गया है कि पैजुना, डीही, रौनक, चकफतेह, रसाईं, ककोलत समेत अन्य गांवों की भूमि का मुआवजा 2014 की अद्यतन सर्किल दरों एवं बाजार मूल्य के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए। समिति के संयोजक सैय्यद मसीहउद्दीन ने प्रशासन को भेजे पत्र में कहा है—"रैयतों की जमीन सड़कों के निर्माण में चली गई है, किंतु उन्हें उचित राशि नहीं मिल पा रही है। कई स्थानों पर भूमि की श्रेणी गलत दर्ज कर दी गई है, जिससे मुआवजा कम तय हुआ। सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप वास्तविक मूल्यांकन कर रैयतों को न्यायपूर्ण भुगतान किया जाना आवश्यक है।" रैयतों का कहना है कि 12 माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी न तो पुनर्मूल्यांकन पूरा हुआ है और न ही भुगतान प्रक्रिया शुरू की गई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जब तक मुआवजे की प्रक्रिया पारदर्शी रूप से पूरी नहीं होती, तब तक सड़क निर्माण को आगे नहीं बढ़ने दिया जाएगा। स्थानीय प्रशासन हालात को नियंत्रित करने में जुटा है और आश्वासन दिया गया है कि समिति की रिपोर्ट के आधार पर योग्य रैयतों को मुआवजा दिलाने की कार्रवाई शीघ्र की जाएगी।

पूर्व मध्य रेल

खुली निविदा

बैच संख्या–10/2025 , दिनांक : 08/12/2025

आईआरईपीएस **www.ireps.gov.in** के वेब पोर्टल "पार्टिसिपेशन इन थ्रू" सामग्री की आपूर्ति के लिए ई–निविदा सूचना। निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति हेतु प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा बंद करने का समय 14.00 बजे है :– **(1) निविदा सं ० :** 30255248, **सामग्री का संक्षिप्त विवरण :** रूफ मौटेड एयर कंडिशनिंग सिस्टम विदाउट "ट्रौ " टू स्पेक्न नंबर. आरडिएस ओ/2007/ईल/स्पेक्/0055, रिवियू 2 ऑर लेटैस्ट. (01 सेट = 02 नंबर्स) ईच सेट। कनसिसटिंग ऑफ 02 यूनिट्स ऑफ कैब एसी., **मात्रा:** 160 सेट्स, **निविदा जारी करने की तिथि एवं समय :** 06 दिसम्बर 2025 10:43 बजे, **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय :** 08 जनवरी 2026 14:00 बजे, प्रतिभागियों को अपना प्रस्ताव समापन तिथि और समय से पहले आईआरईपीएस–**www.ireps.gov.in** के वेब पोर्टल के माध्यम से केवल ऑन–लाइन जमा करना होगा।। उपरोक्त पोर्टल पर निविदा सूचना में प्रेषिती के संबंध में अन्य विवरण और भंडार का विस्तृत विवरण निविदा दस्तावेज में उपलब्ध है।

सहायक सामग्री प्रबंधक (क. च. स्टॉक)
ने. सु. च. बोस. जं० गोमोह, पूर्व मध्य रेल

पीआर/1426/जीएमओ,सीएसडी/एसटीआरई/टी/25–26/28

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

ई–निविदा सूचना संख्या : 11-MC-BVZI-BVCM-25-26, धनबाद, दिनांक : 09.12.2025

वरीय मण्डल यांत्रिक अभियंता (समन्वय), पूर्व मध्य रेल धनबाद के द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई–खुली निविदा (e-open tender) Single Packet System में IREPS Portal में आमंत्रित की जाती है।

1. कार्य का नाम : BVZI/BVCM वैगनों के नवीनीकरण के लिए आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और फिटमेंट, मात्रा–100 संख्या, 2. संविदा की अवधि : 12 महीना, 3. कार्य–स्थान : BRWD या टेंडर डॉक्यूमेंट के अनुसार कोई भी जगह, 4. अनुमानित बोली मूल्य : ₹1,42,96,226/– (एक करोड़ ब्यालीस लाख छियानवे हजार दो सौ छब्बीस रूपये) मात्र, 5. निविदा दस्तावेज मूल्य : ₹0.00 (शून्य), 6. बयाना राशि (निविदा सुचना के तदनुसार) : ₹2,21,500/– (दो लाख इक्कीस हजार पाँच सौ रूपये) मात्र, 7. ई–निविदा जमा करने का तारीख तथा समय : तारीख 15.12.2025 से 29.12.2025 को 11:30 बजे तक, 8. ई–निविदा खुलने का तारीख तथा समय : 29.12.2025 को 11:45 बजे, 9. वेब साईट विवरण : http://www.ireps.gov.in(ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।)

वरीय मण्डल यांत्रिक अभियंता (समन्वय)/
पूमरे/धनबाद

पीआर/1430/डीएचएन/यां/टी/25–26/36

दाउदनगर नगर परिषद का होगा क्षेत्र विस्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। दाउदनगर नगर परिषद क्षेत्र के प्रशासनिक ढांचे में बड़ा बदलाव प्रस्तावित है। नगर विकास एवं आवास विभाग ने बिहार नगरपालिका अधिनियम के के तहत अधिसूचना जारी कर दाउदनगर नगर परिषद के विस्तार का प्रारूप आदेश प्रकाशित किया है।

सरकार ने यह अधिसूचना इस उद्देश्य से जारी की है, ताकि इससे प्रभावित होने वाले व्यक्ति प्रारूप पर अपनी आपत्तियां या सुझाव एक माह के भीतर जिला पदाधिकारी या नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी के माध्यम से प्रस्तुत कर सकें।

सभी आपत्तियों पर विचार अधिनियम के तहत किया जाएगा। जारी प्रारुप आदेश के अनुसार दाउदनगर प्रखंड के कुछ क्षेत्रों को नगर परिषद, दाउदनगर की परिधि में शामिल किए जाने का प्रस्ताव है।

प्रस्तावित क्षेत्र में नगर परिषद दाउदनगर के वार्ड संख्या एक से 27 के अतिरिक्त भखरुआं, तरारी, (आंशिक), गुमा, अकोढ़ा, पिलछी, ठाकुर बिगहा, बेलाड़ी और तरार जैसे गांव शामिल होंगे। प्रस्तावित नगर निकाय की चौहद्दी उत्तर में गुमा और अकोढ़ा, दक्षिण में ठाकुर बिगहा और बेलाड़ी, पूर्व में तरार एवं पिलछी तथा पश्चिम में सोन नदी तक विस्तारित होगी। प्रस्तावित नगर परिषद दाउदनगर का कुल क्षेत्रफल 19 वर्ग किलोमीटर निर्धारित किया गया है, जबकि इसकी कुल जनसंख्या वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर 61,700 है।

प्रशासनिक प्रावधानों को प्रभावी बनाने तथा शहरी सुविधाओं के सुचारू विकास के उद्देश्य से इन क्षेत्रों को नगर परिषद में सम्मिलित करने का निर्णय लिया जा रहा है। अधिसूचना में कहा गया है कि इसके प्रकाशन के साथ ही यह तुंरत प्रभाव से प्रवृत्त हो गई है।

सरकार का मानना है कि नगर परिषद का विस्तार होने से संबंधित क्षेत्रों में शहरी विकास योजनाओं, आधारभूत संरचना, सफाई व्यवस्था, पेयजल, सड़क और प्रकाश व्यवस्था जैसी सुविधाओं को लागू करने में सहायता मिलेगी। अब स्थानीय लोगों के सुझाव और आपत्तियां अंतिम निर्णय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। दाउदनगर 1885 में पहली बार नगर पंचायत बना और बाद में जनसंख्या वृद्धि (2011 में 52,000 से अधिक) के कारण इसे नगर विकास एवं आवास विभाग के द्वारा 2017 में नगर पंचायत से नगर परिषद में अपग्रेड कर दिया गया।

शव को नहीं मिली एम्बुलेंस

स्ट्रेचर के लिए दो लोगों को रखा गिरवी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। सरकार स्वास्थ्य व्यवस्था को सुचारु करने के काफी प्रयास कर रही है, लेकिन निचले स्तर के कर्मी कवायदों को असफल करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। नवादा के अकबरपुर का एक वायरल वीडियो कुछ ऐसा ही है। इसमें अस्पताल से शव ले जाने के लिए एंबुलेंस तो दी नहीं, स्ट्रेचर दिया तो उसके लिए परिवार के दो लोगों को जमानत के तौर पर रख लिया।

जानकारी के अनुसार अजय साह नामक व्यक्ति की मां बीमार पड़ी तो अकबरपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। अजय साव ने बताया कि उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई थी। अस्पताल ले जाने पर उनकी मौत हो गई। इसके बाद जब एंबुलेंस मांगा तो कहा गया कि डेड बॉडी ले जाने के लिए एंबुलेंस नहीं दी जाएगी। उसके लिए अलग गाड़ी होती है, उसको कॉल करिए।

परिवार के लोग घर ले जाने के लिए किसी गाड़ी की व्यवस्था नहीं कर पाए तो इसके बाद स्ट्रेचर मांगा तो उसमें भी अस्पताल का स?टाफ अनाकानी करने लगा। कहा कि रात के समय स्ट्रेचर नहीं दे सकते।

काफी मिन्नत की। कहा कि आपको विश्वास नहीं है तो मेरे परिवार के दो लोग रहेंगे। इंसानियत के नाते मदद कर दीजिए। तब दो लोगों को वहां रोका गया। एक तरह से बंधक के तौर पर एक युवक व एक महिला अस्पताल में रुके।

इसके बाद परिवार के लोग स्ट्रेचर पर शव रखकर उसे घर ले गए। अकबरपुर बाजार में किसी ने इसका वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। शव घर पहुंचाने के बाद रात करीब 11 बजे स्ट्रेचर लौटाया गया, तब दोनों लोग वहां से मुक्त हुए।

वीडियो में बताया जा रहा है कि अस्पताल के लोगों को जब इसपर पूछा गया तो वे सीधे मुकर गए। एक जीएनएम वीडियो में अपनी असमर्थता व्यक्ति करता है। वहीं सिविल सर्जन ने कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी, जो दोषी होंगे, उनपर कार्रवाई होगी।

मामले पर सीएचसी के प्रभारी डा. राजेश कुमार ने कहा कि अस्पताल में शव वाहन उपलब्ध नहीं है।

धान अधिप्राप्ति की बैठक में उपायुक्त ने दिये कई निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। खरीफ विपणन मौसम 2025-26 के तहत धान अधिप्राप्ति योजना को सफलतापूर्वक संचालित करने के उद्देश्य से आज समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त आर० रॉनिटा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय धान अधिप्राप्ति अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गई।

उपायुक्त के निर्देश पर बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी भीम उरांव द्वारा खूंटी जिले में 17 लैम्प्स केंद्र स्थापित करने एवं 4 राइस मिल को टैग करने का प्रस्ताव समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया, ताकि किसानों से सुचारू रूप से धान अधिप्राप्ति की जा सके। समिति द्वारा सर्वसम्मति से 17 लैम्प्स केंद्र एवं 4 राइस मिल के प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया।

बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने बताया कि पूर्व वर्षों में किसानों को धान अधिप्राप्ति के बाद किस्तों में भुगतान किया जाता था, किन्तु इस वर्ष से पहली बार सरकार द्वारा एकमुश्त भुगतान करने का प्रावधान किया गया है। जिससे किसानों को सीधा लाभ मिलेगा और भुगतान प्रक्रिया अधिक पारदर्शी एवं सरल होगी। उन्होंने बताया कि 15 दिसंबर से सभी लैम्प्स केंद्र में धान अधिप्राप्ति कार्य प्रारंभ होना प्रस्तावित है।

उपायुक्त ने समय पर सभी लैंप्स केंद्रों के अधिष्ठापन, लैम्प्स केंद्रों पर जन सेवक, बीसीओ समेत अन्य की प्रतिनियुक्ति एवं किसानों के अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित करने तथा सरकार के निदेर्शानुसार धान अधिप्राप्ति कार्य को समयबद्ध ढंग से पूरा करने का निर्देश दिया। निबंधन के लिए किसान ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर या ऑफलाइन आवेदन पत्र भरकर आपूर्ति कार्यालय में जमा कर सकते है।

इस बैठक में उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, डीएसओ, डीएओ, जिला सहकारिता पदाधिकारी, मंडल प्रबंधक एफसीआई रांची, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र खूँटी समेत संबंधित विभागों के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

डीसी ने की जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। उपायुक्त समीरा एस की अध्यक्षता में बुधवार को प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम अंतर्गत जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक हुई। उपायुक्त कार्यालय कक्ष में आयोजित बैठक में डीसी ने सब्सिडी क्लेम करते समय कुछ त्रुटियों के कारण अभी तक अनुदान लंबित रहने के कारणों की समीक्षा की। इसी क्रम में बड़ी संख्या में सत्यापन लंबित रहने के कारण उसे शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया।इसके अलावे डीसी ने वर्तमान वित्तिय वर्ष के योजना अंतर्गत प्राप्त लक्ष्य के विरुद्ध शत प्रतिशत क्रियान्वयन का निर्देश दिया गया। बैठक में डीसी ने सभी बैंकों को आपसी समन्वय के साथ तकनीकी अड़चनों व अन्य समस्याओं को दूर कर कार्य करने का निर्देश दिया। साथ ही लंबित आवेदनों को निष्पादित करने व वैध कारणों से आवेदन वापस करने सहित अन्य बिंदुओं पर आवश्यक दिशा निर्देश दिया।मौके पर उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र, रघुवर सिंह, एलडीएम, उद्योग समन्वयक चंद्रकांत पांडेय, विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक सहित अन्य संबंधित मौजूद थे।

सरकारी गेहूं बीज की गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। बिहार में सरकारी गेहूं बीज की गुणवत्ता पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बेगूसराय में किसानों को वितरित किए गए बीजों का लैब टेस्ट रिपोर्ट सामने आने के बाद पता चला है कि कई बैच अंकुरण मानक पर खरे नहीं उतरे। इस खुलासे ने न सिर्फ किसानों की मेहनत और भविष्य की उपज पर चिंता बढ़ाई है, बल्कि कृषि विभाग की मॉनिटरिंग व्यवस्था पर भी बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। दरअसल विभाग ने जिन संदिग्ध गेहूं बीजों का परीक्षण कराया, उसमें 2967 बैच में मात्र 40 प्रतिशत और 187 बैच में सिर्फ 20 प्रतिशत अंकुरण पाया गया। जबकि मानक के अनुसार गेहूं बीज का अंकुरण कम से कम 80 प्रतिशत होना चाहिए। यह अंतर यह बताने के लिए काफी है कि किसानों तक पहुंचने वाला सरकारी बीज किस स्तर का था और इसके वितरण से पहले गुणवत्ता जांच कितनी लापरवाही से की गई।

किसानों का कहना है कि खराब बीज के कारण फसल का आधा हिस्सा भी जमीन से बाहर नहीं निकल पाया, जिससे पूरी सीजन की मेहनत पर पानी फिर गया।

कई किसानों ने बताया कि वे सरकारी बीज पर भरोसा कर बड़ी मात्रा में बोआई कर चुके थे, लेकिन नतीजा बेहद निराशाजनक रहा। इससे न सिर्फ उनकी लागत डूब गई, बल्कि अगली बोआई को लेकर भी अनिश्चितता बढ़ गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, इतना कम अंकुरण दर सीधे-सीधे स्टोरिंग, टेस्टिंग और वितरण प्रक्रिया में लापरवाही को दिखाता है। अगर बीज लंबे समय तक अनुचित तापमान और नमी वाले गोदामों में रखा जाए, तो उसकी गुणवत्ता प्रभावित होती है।इसलिए यह स्पष्ट है कि केवल आपूर्ति करने वाली एजेंसियां ही नहीं, बल्कि सरकारी निगरानी तंत्र भी सवालों के घेरे में है।

खराब बीज की शिकायत बढ़ने के बाद कृषि विभाग ने संबंधित कंपनियों से जवाब तलब किया है और कहा है कि किसानों को नुकसान होने पर इसकी भरपाई के लिए कार्रवाई की जाएगी। हालांकि किसानों का कहना है कि जब तक प्रत्येक बैच का अनिवार्य गुणवत्ता परीक्षण और सार्वजनिक रिपोर्टिंग नहीं होगी, ऐसे संकट दोबारा सामने आते रहेंगे।

इधर, कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों से सलाह दी है कि बोआई से पहले बीज अंकुरण का छोटा टेस्ट खुद करें, ताकि नुकसान से बचा जा सके। साथ ही जैविक खेती और मिट्टी की सेहत सुधारने को लेकर भी जागरूकता की आवश्यकता बताई गई है।

इस पूरे घटनाक्रम ने यह साफ कर दिया है कि बिहार में सरकारी स्तर पर उपलब्ध कराए जा रहे कृषि संसाधनों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए पारदर्शी और जवाबदेह व्यवस्था की जरूरत है। खराब बीज का मामला अब केवल किसानों की समस्या नहीं, बल्कि सिस्टम की साख पर भी गहरी चोट है।

मानवाधिकार दिवस पर निबंध एवं वाद विवाद प्रतियोगिता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। बारुण प्रखंड स्थित केशव सिंह उच्च माध्यमिक विद्यालय के सभागार में प्रखंड संसाधन केंद्र बारुण के तत्वावधान में मानवाधिकार दिवस के अवसर पर निबंध एवं वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी विकास कुमार के आह्वान पर कार्यक्रम का शुभारंभ बीआरसी के लेखापाल कुश कुमार,डाटा एंट्री ऑपरेटर प्रतीक कुमार, निर्णायक मंडल की शिक्षिका अदिति कुमारी, विभा कुमारी, प्रमिला कुमारी एवं अन्य लोगों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। निबंध प्रतियोगिता में स्त्री शिक्षा,महिला उत्पीड़न एवं निदान, ईमानदारी एवं सर्वोत्तम नीति,लोकतंत्र का महत्व,बढ़ता बिहार समृद्धि का आधार विषयक निबंध में सैकड़ो प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।साथ ही साथ हिंदी विषय पर वाद विवाद प्रतियोगिता भी किया गया जिसमें हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने के लिए एक अभियान चलाया गया।प्रखंड के अधीन सभी उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और इसमें से जो चयनित प्रतिभागी होंगे,वे जिला स्तर पर जो वाद विवाद प्रतियोगिता 15 दिसंबर को आयोजित की जानी है उसमें अपनी सहभागिता निभाएंगे। निबंध प्रतियोगिता के सफल संचालन में शशि भूषण लाल एवं सुरेश कुमार ने विशेष सहभागिता निभाई।वक्ताओं ने कि इस तरह के आयोजनों से बच्चों में बौद्धिक क्षमता एवं नई चीजों के बारे में जानकारी लेने के लिए जिज्ञासा बढ़ती है।

बीसीसीएल के चेयरमैन ने किया स्थल निरीक्षण

नाराज ग्रामीणों ने की ठोस कार्रवाई की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। केंदुआडीह क्षेत्र में पिछले आठ दिनों से जहरीली गैस का रिसाव जारी है, जिससे स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। बीसीसीएल के तकनीकी दल समस्या पर काबू पाने के प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अब तक गैस रिसाव पूरी तरह नियंत्रित नहीं हो सका है। कई इलाकों में गैस का स्तर खतरनाक सीमा पार कर चुका है। हालात की गंभीरता को देखते हुए कोल इंडिया के चेयरमैन सनोज कुमार झा ने बीसीसीएल अधिकारियों के साथ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एरिया-6 गेस्ट हाउस परिसर में गैस डिटेक्टर मशीन से 2000 पीपीएम जहरीली गैस दर्ज की गई, जबकि मस्जिद पट्टी क्षेत्र में 617 पीपीएम स्तर पाया गया, जो सामान्य मानकों से कहीं अधिक है। चेयरमैन के पहुंचते ही स्थानीय ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं ने अपनी परेशानियां साझा कीं और क्षेत्र में बिगड़ते हालात पर चिंता जताई। चेयरमैन ने कहा कि जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ है कि गैस रिसाव की स्थिति बेहद गंभीर है और ग्रामीणों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सनोज कुमार झा ने हिन्दी भवन स्थित इगलदीप द्वारा संचालित राहत कैंप का भी दौरा किया। उन्होंने वहां मौजूद चिकित्सकों से प्रभावित लोगों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और चल रहे राहत कार्यों की सराहना करते हुए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। उधर, स्थानीय ग्रामीणों ने बीसीसीएल पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि आठ दिनों से केवल निरीक्षण किए जा रहे हैं, लेकिन गैस रिसाव रोकने के लिए ठोस और प्रभावी कदम नजर नहीं आ रहे। ग्रामीणों ने तकनीकी रूप से सक्षम और त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

मामूली विवाद में युवक को मारी गोली

गया। शेरघाटी थाना क्षेत्र के नवादा गांव में बदमाशों ने एक युवक को गोली मारकर घायल कर दिया। घायल युवक की पहचान नवादा गांव निवासी परशुराम प्रसाद के 26 वर्षीय पुत्र प्रकाश रंजन के रूप में हुई है। उसे जबड़े में गोली लगी है। स्थानीय स्वजनों ने घायल युवक को आनन फानन में अनुमंडल अस्पताल शेरघाटी लाया जहां प्राथमिक इलाज के बाद मगध मेडिकल अस्पताल गया रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार उसका ऑपरेशन कर चिकित्सकों ने जबड़े में फंसे गोली निकाल दिया है।

एएसआइ की ठंड से मौत

गयाजी। रामपुर थाना में पदस्थापित एएसआई 58 वर्षीय अमरेंद्र कुमार यादव की सोमवार की शाम को अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज के क्रम में मौत हो गई।

वह पूर्णिया जिले के रहने वाले थे। मौत की सूचना उनके स्वजनों को दे दी गई थी। सूचना पर स्वजन सोमवार की देर रात गया आने वाले हैं। गया आने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। रामपुर थानाध्यक्ष दिनेश बहादुर सिंह ने बताया कि रामपुर में एएसआई पद पर अमरेंद्र कुमार यादव पदस्थापित रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से ठंड लगने की शिकायत किए थे। वे दो अलग-अलग निजी क्लीनिक में इलाज भी कराए थे। लेकिन सोमवार को उन्होंने अचानक अपनी तबीयत खराब होने की जानकारी रामपुर थाना के एक कर्मी को दी। उसके बाद थाना में रहे सभी पुलिस पदाधिकारी व कर्मी हरकत में आ गए। पुलिस ने अपने सहयोगी को तत्काल अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अनियमितता देख भड़के सभापति

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर । अमृत योजना के तहत हाजीपुर नगर परिषद क्षेत्र में संचालित नल-जल परियोजना की प्रगति का बुधवार को वुडको के उत्तर बिहार महाप्रबंधक राजेंद्र कुमार और नगर परिषद की सभापति डॉ. संगीता कुमारी ने संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई वार्डों में अधूरे कार्य, गलत तरीके से लगाए गए पाइप, मानकों का उल्लंघन और तकनीकी खामियां सामने आईं। इन अव्यवस्थाओं पर सभापति ने गहरा असंतोष व्यक्त किया और संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए।

निरीक्षण टीम ने मड़ई चौक, भवानी चौक, राजपूत नगर, पासवान चौक और सीता चौक सहित कई महत्वपूर्ण इलाकों का जायजा लिया।

सभापति ने मौके पर ही वुडको अधिकारियों का

पदाधिकारियों को चेताया

ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया कि कई स्थानों पर पाइपलाइनें अधूरी छोड़ी गई हैं, जबकि कुछ जगह बगैर योजना के गलत स्थानों पर नल लगा दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि इस तरह की लापरवाही से स्थानीय लोगों को भारी परेशानी होती है और नगर परिषद को उनकी नाराजगी का सामना करना पड़ता है।

निरीक्षण के दौरान डॉ. संगीता कुमारी ने स्पष्ट कहा कि वुडको द्वारा किए जा रहे कार्य संतोषजनक नहीं हैं। उन्होंने दो टूक चेतावनी दी कि जब तक परियोजना पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण नहीं हो जाती, नगर परिषद किसी भी हालत में इसे हैंडओवर नहीं करेगी।

उन्होंने जोर दिया कि यह कार्य सीधे आम लोगों की मूलभूत सुविधाओं से जुड़ा है, इसलिए इसकी गुणवत्ता से कोई समझौता स्वीकार्य नहीं है।

इधर, वुडको के महाप्रबंधक राजेंद्र कुमार ने बताया कि नल-जल योजना का अधिकांश कार्य पूरा हो चुका है और जल्द ही हैंडओवर की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि निरीक्षण में मिली खामियों को प्राथमिकता पर ठीक किया जाएगा।

बताया जा रहा है कि जल्द ही वुडको के एमडी भी हाजीपुर का दौरा करेंगे। उनके आगमन को देखते हुए नगर परिषद ने निरीक्षण प्रक्रिया तेज कर दी है, ताकि परियोजना के सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं की अग्रिम समीक्षा समय पर पूरी की जा सके। निरीक्षण के दौरान नगर परिषद के पदाधिकारी और संबंधित विभागों के कई कर्मचारी उपस्थित रहे।

जदयू के पूर्व पंचायत अध्यक्ष की गोली मारकर हत्या

बेगूसराय। देर रात छौड़ाही थाना क्षेत्र अमारी पंचायत के पीरनगर गांव में अपराधियों ने जदयू के पूर्व पंचायत अध्यक्ष 30 वर्षीय निलेश कुमार की हत्या डीहवार स्थान के समीप स्थित डेरा पर गोली मारकर कर दी।

घटना की जानकारी मिलते ही एसपी मनीष ने घटनास्थल पहुंच जांच पड़ताल की और पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए स्वजनों को न्याय का आश्वासन दिया है।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रामप्रवेश महतो और जयप्रकाश महतो को गिरफ्तार कर लिया है, वहीं कई अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। मृतक निलेश कुमार पीर नगर गांव निवासी रामबली महतो के पुत्र थे।

जदयू के एक पूर्व जिलाध्यक्ष भूमिपाल ने बताया कि उन्हें 10 वर्ष पूर्व जदयू से निकाला जा चुका है। पत्नी शिल्पा कुमारी ने भूमि विवाद को हत्या का कारण बताते हुए गांव के ही चार लोगों को नामजद करते हुए अन्य अज्ञात के विरूद्ध प्राथमिकी अंकित कराई है।

भारत-तिब्बत मैत्री संघ बिहार ने मनाया अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस

तिब्बत की स्थिति पर वैश्विक हस्तक्षेप की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर भारत-तिब्बत मैत्री संघ बिहार ने आज पटना में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। संघ के उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार शर्मा तथा बिहार सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष चंद्र भूषण के नेतृत्व में टीम सदस्यों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर तिब्बत में जारी मानवाधिकार उल्लंघनों पर गहरी चिंता व्यक्त की और वैश्विक समुदाय से तत्काल ध्यान देने की अपील की।

कार्यक्रम की शुरूआत तिब्बत पर चीनी कब्जे के कारण दशकों से जारी मानवाधिकार संकट पर वक्ताओं द्वारा सामूहिक चिंता जताते हुए हुई। वक्ताओं ने तिब्बत में नागरिक स्वतंत्रताओं के दमन, सांस्कृतिक एवं धार्मिक पहचान के व्यवस्थित विनाश, मठों में राजनीतिक हस्तक्षेप और जनसंख्यिकीय बदलावों को गंभीर और चिंताजनक मुद्दे बताया। साथ ही संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों से स्वतंत्र जांच और हस्तक्षेप की माँग की गई।

सभा को संबोधित करते हुए प्रमोद कुमार शर्मा ने कहा कि मानवाधिकार दिवस तिब्बती जनता के लिए विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है, जो अब भी स्वतंत्रता, गरिमा और सम्मान के लिए संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य में प्राकृतिक अधिकार और संवैधानिक मौलिक अधिकार दोनों लगातार कमजोर पड़ते दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि कल्याणकारी राज्य का कर्तव्य है कि वह भोजन, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसे मूलभूत अधिकार सुनिश्चित करे, किंतु बढ़ते निजीकरण, कमजोर होती सार्वजनिक व्यवस्था और घटती नागरिक स्वतंत्रताएँ लोगों को उनके वैधानिक हकों से दूर कर रही हैं।

उन्होंने जोर देकर कहा कि मानवाधिकार गरिमा, स्वतंत्रता और सबके लिए न्याय की अवधारणा पर आधारित हैं। इन्हें व्यवहार में लागू करना हर नागरिक और लोकतांत्रिक समाज की जिम्मेदारी है।

भूराजनीतिक और मानवीय मुद्दों पर बोलते हुए चंद्र भूषण ने बढ़ती निरंकुश प्रवृत्तियों और बिना

सार्वजनिक विमर्श के बनाए जा रहे कानूनों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हर राष्ट्र को स्वतंत्र रूप से अस्तित्व में रहने का अधिकार है, और तिब्बत पर चीन का कब्जा अंतरराष्ट्रीय मानकों का गंभीर उल्लंघन है। साथ ही उन्होंने चीन द्वारा भारत की भूमि पर अतिक्रमण और तिब्बत की संस्कृति, मठों एवं पहचान के विनाश का मुद्दा भी उठाया।

उन्होंने कहा कि तिब्बत की स्वतंत्रता भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि तिब्बत ऐतिहासिक रूप से भारत और चीन के बीच एक रणनीतिक बफर रहा है।

कार्यक्रम का समापन वैश्विक समुदाय, राष्ट्रीय सरकारों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं से इस अपील के साथ हुआ कि वे दुनिया में कहीं भी हो रहे मानवाधिकार उल्लंघनों के विरुद्ध आवाज बुलंद करें। संघ ने मानवाधिकार, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने का संकल्प दोहराया और तिब्बती जनता के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त की।

बैठक में बिहार चैप्टर के उपाध्यक्ष प्रमोद शर्मा, महासचिव चंद्रभूषण, महासचिव राजेश रंजन, मंटू कुमार, विमल के अलावा भारत-तिब्बत मैत्री संघ बिहार से जुड़े एडवोकेट अंकिता भूषण, उपेंद्र प्रसाद सिंह, अनिल कुमार शर्मा, राजा कुमार सिंह, सुनीता कुमारी, अशोक कुमार मिश्रा तथा जोया यास्मीन सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

95 प्रधानाध्यापकों समेत 585 शिक्षकों का वेतन रूका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सासाराम। जिले के सरकारी विद्यालयों में पांच दिसंबर तक पीबीएल एमआईपी 3.7 (प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग - माइक्रो इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट) की पढाई शुरू नहीं करने वाले जिले के 195 विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के अलावा विज्ञान व गणित पढ़ाने वाले शिक्षकों का अगले आदेश तक वेतन भुगतान पर रोक लगा दी गई है।साथ ही संबंधित हेडमास्टरों व शिक्षकों से स्पष्टीकरण करते हुए उनसे पत्र प्राप्ति के तीन दिन के अंदर जवाब देने को कहा गया है। अगर जवाब संतोषजनक नहीं रहा तो अन्य अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई डीपीओ सर्व शिक्षा रोहित रौशन ने की है।

डीपीओ ने बताया कि सरकारी विद्यालयों में कक्षा छह से आठवीं तक के बच्चों के लिए पांच दिसंबर तक पीबीएल एमआईपी 3.7 की पढ़ाई प्रारंभ की जानी थी। इसकी जिम्मेदारी मुख्य रूप से विज्ञान व गणित पढ़ाने वाले शिक्षकों को दी गई थी।

इसके लिए उनकी विधिवत कार्यशाला भी आयोजित हुई थी, लेकिन बार-बार निर्देश के बावजूद निर्धारित अवधि तक तिलौथू व नौहट्टा को छोड़कर जिले के अन्य प्रखंडों के 195 विद्यालयों में इसकी शुरूआत नहीं हो पाई, जो विभागीय निर्देश का उल्लंघन है।

इसे गंभीरता से लेते संबंधित विद्यालयों के प्रधानाध्यापक व प्रधान शिक्षक के अलावा विज्ञान व गणित पढ़ाने वाले शिक्षकों से स्पष्टीकरण पूछते हुए उनके अगले आदेश तक उनके वेतन भुगतान पर रोक लगाई गई है। अगर कक्षा संचालन न होने का जवाब संतोषजनक नहीं रहा तो अन्य अनुशासनिक कार्रवाई भी की जाएगी। बताया गया कि सासाराम 17, सूर्यपुरा एक, शिवसागर 10, संझौली छह, रोहतास दो, राजपुर 12, नोखा 10, नासरीगंज एक, कोचस 10, करगहर सात, काराकाट 10, दिनारा पांच, डेहरी एक, दावथ आठ, चेनारी आठ, बिक्रमगंज दो तथा अकोढ़ीगोला प्रखंड के पांच विद्यालय के प्रधानाध्यापक व शिक्षकों का वेतन रोक शो-कॉज किया गया है।

बिहार की पहली राज्य सीएसआर नीति पर अमल की दिशा में यूनीसेफ-सीआइएमपी की पहल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार की नव अधिसूचित राज्य कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी नीति के प्रभावी क्रियान्वयन को गति देने के लिए यूनीसेफ और चाणक्य इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक लीडरशिप ने महत्वपूर्ण कदम उठाया। पटना में आयोजित 5वें अंतरराष्ट्रीय सीएसआर सम्मेलन के दौरान दोनों संस्थानों ने उच्च-स्तरीय गोलमेज बैठक की जिसमें नीति के ढांचे को मजबूत करने और इसके जमीनी अमल पर व्यापक विचार-विमर्श हुआ। बिहार देश का पहला राज्य है जिसने अपनी अलग राज्य सीएसआर नीति अधिसूचित की है। भारत में सीएसआर के जनक माने जाने वाले और आईआईसीए के पूर्व महानिदेशक भास्कर चटर्जी ने कहा कि नीति कॉरपोरेट जगत को स्पष्ट मार्गदर्शन देती है, लेकिन निवेश आकर्षण बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन प्रावधानों पर और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। यूनीसेफ बिहार की प्रमुख मार्गरेट ग्वाडा ने कहा कि सीएसआर साझेदारियां जल, स्वच्छता, स्वास्थ्य, पोषण और बच्चों से जुड़े कार्यक्रमों की प्रगति तेज कर सकती हैं। सीआईएमपी के निदेशक राणा सिंह ने कहा कि सामाजिक निवेश तभी प्रभावी होगा जब वह दीर्घकालिक और टिकाऊ बदलाव को आधार बनाए। उद्घाटन सत्र में वर्चुअल रूप से शामिल अरामको सऊदी अरब के हिशमी जमील हुसैन ने बिहार को सामाजिक निवेश के लिए 'हाई रिटर्न जियोग्राफी' बताया। हेल्पएज इंडिया के पूर्व सीइओ मैथ्यू चेरियन ने सीएसआर फंड को ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों की ओर केंद्रित करने पर जोर दिया। नाबार्ड के डीजीएम लक्ष्मण कुमार ने आजीविका, कौशल विकास और ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यक्रमों के बेहतर तालमेल की आवश्यकता रेखांकित की। गोलमेज चर्चा में बिहार सीएसआर पोर्टल के विकास और नीति के क्रियान्वयन के व्यावहारिक पहलुओं पर फोकस रहा। यूनीसेफ इंडिया की पार्टनरशिप स्पेशलिस्ट रमोना बक्शी द्वारा संचालित चर्चा में पैलेडियम इंडिया, ज्यूबिलेंट इंग्रेविया, अपोलो मेडस्किल्स, टेरी, आईसीआईसीआई फाउंडेशन, अरामको, नाबार्ड फाउंडेशन और वाबटेक के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने जिला स्तर पर प्राथमिकता निर्धारण, राज्य स्तरीय सीएसआर परियोजना रिपोजिटरी और टिकाऊ सामाजिक प्रभाव पर सहमति जताई। मंथन के दौरान समानता, पारदर्शिता और सततता जैसे मूल्यों को नीति में सुदृढ़ रूप से शामिल करने, लचीले फंडिंग मॉडल विकसित करने, राज्य और जिला स्तर पर संस्थागत व्यवस्था मजबूत करने तथा प्रभावी निगरानी के लिए उपयोगकर्ता-अनुकूल बिहार सीएसआर पोर्टल विकसित करने पर सहमति बनी। साथ ही सरकार कॉरपोरेट और सिविल सोसायटी के बीच समन्वय बढ़ाने, निगरानी तंत्र को मजबूत करने, कार्यान्वयन एजेंसियों की क्षमता वृद्धि और नियमित हितधारक संवाद की जरूरत पर भी जोर दिया गया। वित्त विभाग, बिहार सरकार की बिहार राज्य सीएसआर नीति 2025 का उद्देश्य निजी क्षेत्र के सीएसआर संसाधनों को विकसित बिहार@ 2047 और विकसित भारत@ 2047 के लक्ष्यों से जोड़ना है। यूनीसेफ द्वारा संचालित इस संवाद से प्राप्त सुझाव राज्य सरकार को सौंपे जाएंगे, ताकि नीति के प्रभावी, समन्वित और समयबद्ध क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया जा सके।

ड्रोन तकनीक से किसान पा रहे हैं सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि की नई ताकत : राम कृपाल यादव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने कहा कि आज बिहार का किसान सिर्फ खेत नहीं जोत रहा, बल्कि तकनीक की ताकत से भविष्य की खेती गढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का संकल्प है कि खेती को आधुनिक, वैज्ञानिक और टिकाऊ बनाया जाए, ताकि किसान भाई-बहनों का परिश्रम अधिक लाभ में बदल सके। उन्होंने बताया कि रोपण, सिंचाई, कटाई और ग्रेडिंग जैसे कार्यों में मशीनों के बढ़ते उपयोग ने न केवल उत्पादकता बढ़ाई है, बल्कि किसानों को मेहनत का सही प्रतिफल भी दिलाया है। आज आधुनिक उपकरणों और वैज्ञानिक अनुसंधान का लाभ खेतों तक पहुंचने से बिहार की कृषि नई ऊर्जा और नई दिशा के साथ आगे बढ़ रही है। मंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह संकल्प है कि हमारे किसानों के हाथ मजबूत हों, उनकी मेहनत सुरक्षित रहे और उनकी फसलें बीमारियों से बची रहें – इसी सोच के साथ ड्रोन तकनीक को खेतों तक पहुंचाया जा रहा है। ड्रोन आधारित छिड़काव से निर्धारित मात्रा में पौध संरक्षण रसायनों और उर्वरकों का सटीक, समान और सुरक्षित छिड़काव होता है। इससे पानी, समय और श्रम की बचत होती है तथा फसलें स्वस्थ एवं नुकसान से दूर रहती हैं। उन्होंने कहा कि यह तकनीक किसानों को कृषि को व्यवसायिक एवं परिशुद्धता के साथ संचालित करने की शक्ति दे रही है। कृषि विभाग द्वारा कृषि ड्रोन से कीटनाशी एवं तरल उर्वरक छिड़काव योजना राज्य के 38 जिलों में तेजी से लागू की गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कुशल मार्गदर्शन में राज्य की कृषि एवं किसानों की आर्थिक एवं सामाजिक उन्नति के लिए चार कृषि रोड मैप बनाए गए हैं जिसके परिणामस्वरूप राज्य का काफी विकास हुआ है। वर्तमान में चतुर्थ कृषि रोड मैप के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 56,050 एकड़ क्षेत्र में ड्रोन से छिड़काव का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिससे तकनीक का लाभ सीधे खेतों तक पहुंच रहा है।

मिस बिहार-2025 ऑडिशन सम्पन्न, सैकड़ों प्रतिभागियों ने बिखेरी अपनी चमक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना शहर अब फैशन और ग्लैमर की नई पहचान बनता जा रहा है। बुधवार को होटल बुद्ध हैरिटेज में मिस बिहार 2025 ऑडिशन का भव्य आयोजन किया गया जिसे आईसब्रेकर ओशियन विजन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित किया गया। इस प्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिता के लिए ऑडिशन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से आयोजित हुआ जिसमें पूरे बिहार से लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। आरा, सिवान, भागलपुर, पटना सहित कई जिलों की प्रतिभागियों ने मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। यह ऑडिशन केवल अविवाहित युवतियों और महिलाओं के लिए था जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा प्रस्तुत की। ऑडिशन के दौरान प्रतिभागियों को कैटवॉक राउंड, एक्स फैक्टर राउंड, आईक्यू राउंड और इंट्रोडक्शन राउंड से गुजरना पड़ा। प्रत्येक राउंड में प्रतिभागियों ने अपने आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और कौशल से निर्णायक मंडल को प्रभावित किया। जजों ने भी प्रतिभागियों के उत्साह और उनकी तैयारी की सराहना की। सभी प्रतिभागियों के लिए निर्धारित परिधान में उपस्थित होना अनिवार्य था जिससे आयोजन की शान और बढ़ गई। मिस बिहार 2025 का ग्रैंड फिनाले 28 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा जिसमें विजेता की घोषणा एक भव्य कार्यक्रम के बीच की जाएगी। फाइनलिस्ट को मिसेज वर्ल्ड, मिस इंडिया, बॉलीवुड सेलेब्रिटी और हजारों दर्शकों के सामने रैंप वॉक का अवसर मिलेगा। साथ ही उन्हें विशेष ग्रूमिंग सेशन में भी शामिल होने का मौका दिया जाएगा। ताकि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी अपनी पहचान बना सकें।

इस वर्ष का आयोजन ''महिला स्वच्छता जागरूकता'' थीम पर आधारित है। आईसब्रेकर ओशियन विजन प्राइवेट लिमिटेड के एमडी प्रवीण सिन्हा ने बताया कि इस पेजेंट की विजेता को रूफ फाउंडेशन द्वारा 'ब्रांड अम्बेसडर' बनाया जाएगा जो बिहार के विभिन्न जिलों में महिलाओं के उत्थान, स्वच्छता जागरूकता, सैनिटरी पैड वितरण और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी गतिविधियों में सहभागिता करेगी। निर्णायक मंडल में मिस बिहार 2025 मनीष चंद्रेश, राजीव रॉय, आशीष अग्रवाल और अपूर्वा वर्मा शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन सुरुति शर्मा ने किया।

मानवाधिकार शांतिपूर्ण और न्यायपूर्ण समाज की नींव : प्रो. रत्ना अमृत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बी.डी. कॉलेज, पटना के राजनीति विज्ञान विभाग एवं एन.एस.एस. इकाई द्वारा, आईक्यूएसी के तत्वावधान में 'पुलिस और मानवाधिकार' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर और हाथों में प्लैकार्ड्स लेकर मानवाधिकार संरक्षण के प्रति एकजुटता, जागरूकता और सामूहिक जिम्मेदारी के संदेश से हुई। प्राचार्य प्रो. रत्ना अमृत ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'मानवाधिकार दिवस केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि यह हमारी सामूहिक चेतना का उत्सव है।' उन्होंने रेखांकित किया कि मानवाधिकारों की अवधारणा ने विश्व इतिहास को दिशा दी है और भारत की स्वतंत्रता संग्राम से लेकर संविधान निर्माण तक हर चरण में इसकी गूंज सुनाई देती है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि 'मानवाधिकारों की रक्षा करना केवल सरकार या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है जब हम दूसरों की गरिमा का सम्मान करते हैं, तभी सच्चे अर्थों में लोकतंत्र मजबूत होता है। गरिमा मलिक, आईजी (विजिलेंस) ने अपने विचार रखते हुए कहा कि मानवाधिकार की परंपरा कोई नई अवधारणा नहीं है, बल्कि हमारे देश में इसकी जड़ें अत्यंत प्राचीन हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि ऋग्वेद, उपनिषदों और बौद्ध-जैन परंपरा में मानव गरिमा और करुणा का उल्लेख मिलता है। अशोक के शिलालेख और अकबर की नीति भी मानवाधिकारों की रक्षा और सहिष्णुता के ऐतिहासिक प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में इन मूल्यों को संस्थागत रूप दिया गया है और इसी क्रम में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की स्थापना मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के तहत अक्टूबर 1993 में हुई। आयोग और राज्य मानवाधिकार आयोग हिरासत में मौतें, पुलिस दुर्व्यवहार और पीड़ितों को मुआवजा जैसे मामलों की निगरानी करते हैं। गरिमा मलिक ने बताया कि देश में प्रति एक लाख आबादी पर औसतन 155.58 पुलिस बल उपलब्ध है जबकि बिहार में यह संख्या मात्र 76.20 है। उन्होंने कहा कि पुलिस व्यवस्था के सामने प्रशिक्षण संसाधनों की कमी, भारी कार्यभार, जन अविश्वास और कुछ स्तरों पर भ्रष्टाचार जैसी चुनौतियां हैं। इनसे निपटने के लिए संसाधनों में वृद्धि, प्रशिक्षण और संवेदनशीलता पर विशेष बल, तकनीक का समुचित उपयोग, समुदाय आधारित पुलिसिंग द्वारा जनविश्वास निर्माण, जांच कार्य और कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारियों को अलग-अलग करना तथा मजबूत सुधार और सशक्त नेतृत्व की आवश्यकता है। अपने निष्कर्ष में गरिमा मलिक ने कहा कि पुलिस के पास अपार शक्ति है, लेकिन उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी है। पुलिस का कर्तव्य मानवाधिकारों की रक्षा करना है, उनका उल्लंघन नहीं। इस अवसर पर प्रो. सीता सिंहा ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विजय शंकर विक्रम ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अपराजिता ने प्रस्तुत किया। मीडिया प्रभारी डॉ. अमित कुमार ने बताया कि विशेष व्याख्यान के सफल आयोजन में डॉ. रूना आनंद और डॉ. सुमन सिंह और डॉ राजीव कुमार का सहयोग रहा। साथ ही आईक्यूएसी के समन्वयक डॉ. दिवाकर पांडेय और एन.एस.एस. के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. विशाल विजय का भी विशेष योगदान रहा। व्याख्यान के अंत में मुख्य अतिथि गरिमा मलिक एवं प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत द्वारा मंडला आर्ट कार्यशाला के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित भी किया गया।

आपदा मित्रों का सात दिवसीय प्रशिक्षण आरंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, मेरा युवा भारत एवं बिहार राज्य आपदा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में संपतचक में आपदा मित्रों का सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन मेरा युवा भारत के राज्यनिदेशक सूर्यकांत कुमार ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आपदा के कठिन समय में आपदा मित्र लोगों के मदद को पहुंचेंगे। बाढ़, भूकंप एवं अन्य आपदा से बचाव के लिए आपदा मित्र नियमित रूप से जागरूकता फैलायेंगे साथ ही युवा मंडल के सदस्यों को प्रेरित करेंगे। मौके पर उपस्थित प्रेम यूथ फाउंडेशन के संस्थापक व बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन पटना के महासचिव प्रेम कुमार ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश है विकसित भारत 2047 को साकार करने में युवा महत्वपूर्ण है। सात दिवसीय आपदा मित्रों के प्रशिक्षण में आपदा के समय जोखिम को कम करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आपदा मित्रों के कंधों पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए तैयार किया जा रहा है। मौके पर माय भारत के एसपी कर्ण, कार्यक्रम समन्वयक प्रियंका कुमारी, एसडीआरएफ के प्रशिक्षक राहुल कुमार, आशीष कुमार, योगेंद्र प्रसाद, आपदा मित्र आर्यन रंजन, सुजीत कुमार, हिमांशु राज, रवि प्रकाश, कृति, सपना, तन्नू, दिव्या, आयुष, हिमांशु, प्रिंस संगीता समेत सैकड़ों शामिल रहे।

गायत्री महायज्ञ में शामिल हुए डॉ. दिलीप जायसवाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार भाजपा के अध्यक्ष सह उद्योग मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल आज पूर्णिया पहुंचे। यहां वे ऐतिहासिक रंगभूमि मैदान में आयोजित 108 कुण्डीय राष्ट्रीय शौर्य समृद्धि गायत्री महायज्ञ में शामिल हुए। भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल गायत्री महायज्ञ में समाज के प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में समृद्धि, सुख और शांति का प्रकाश बना रहे और सबके लिए मंगल एवं कल्याण के मार्ग प्रशस्त हों, इसकी कामना की। उन्होंने यज्ञ में शामिल होने के अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि यह पावन और मंगलकारी कार्य में सहभागिता एक दिव्य और प्रेरणादायी रहा। इस पावन अनुष्ठान में शामिल होकर मन को विशेष शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा की अनुभूति हुई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल के पूर्णिया पहुंचने पर भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज सिंह के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने स्वागत से भावुक होते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं से मिले सम्मान ने मन को गहराई तक स्पर्श किया।

पटना पुस्तक मेला में सुबोध कुमार नंदन की पुस्तकों की जबरदस्त मांग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना पुस्तक मेला में प्रभात प्रकाशन से प्रकाशित सुबोध कुमार नंदन की बिहार की कला, संस्कृति, धरोहर और पर्यटन पर आधारित पुस्तकों को जबरदस्त लोकप्रियता मिल रही है। बिहार से जुड़े तथ्यों, स्थलों और सांस्कृतिक परंपराओं को विस्तार से समेटने वाली ये पुस्तकें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं की पहली पसंद बन चुकी हैं। मेले में उनके शीर्षक– 'बिहार के पर्यटन स्थल और सांस्कृतिक धरोहर', 'बिहार के मेले', 'बिहार के ऐतिहासिक गुरुद्वारे', 'बिहार के पर्व-त्योहार और खानपान' तथा 'पटना के देवालय'–सबसे अधिक पूछे जाने वाली पुस्तकों में शामिल हैं। पुस्तक विक्रेताओं के अनुसार अब तक इनकी चार सौ से अधिक प्रतियां बिक चुकी हैं जो मेले में किसी भी क्षेत्रीय विषयक पुस्तकमाला के लिए एक नई उपलब्धि मानी जा रही है। उल्लेखनीय है कि सुबोध नंदन की पहली तीन पुस्तकों को भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा पुरस्कृत किया जा चुका है जिससे ये पुस्तकें और भी चर्चा में हैं।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम में 'सुविधा समागम' का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

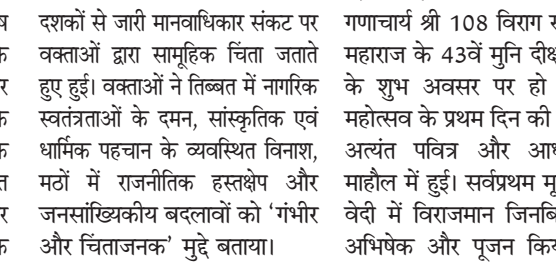

पटना। कर्मचारी राज्य बीमा निगम, पंचदीप भवन, क्षेत्रीय कार्यालय, पटना में सीए निरंजन कुमार, क्षेत्रीय निदेशक की अध्यक्षता में सुविधा समागम का आयोजन किया गया। बैठक में बिहार क्षेत्र के बीमाकृत व्यक्तियों को प्रदान किये जा रहे चिकित्सा हितलाभ, बीमारी हितलाभ, मातृत्व हितलाभ, अपंगता हितलाभ, आश्रितजन हितलाभ, अंत्येष्टि व्यय एवं प्रसूति व्यय से सम्बंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत से चर्चा की गयी। इस अवसर पर 8 बीमाकृत व्यक्तियों एवं उनके परिजनों के विभिन्न समस्याओं, विशेषकर चिकित्सा प्रतिपूर्ति से सम्बंधित मामलों के विषय में जानकारी ली गयी एवं मौके पर ही इसके निराकरण हेतु समुचित निर्णय किए गए। सुविधा समागम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा विभिन्न शाखा कार्यालय एवं औषधालय सह शाखा कार्यालय में उपस्थित बीमाकृत व्यक्तियों का समस्याओं का त्वरित निष्पादन किया गया। सुविधा समागम में उपस्थित बीमाकृत व्यक्तियों को सूचित किया गया कि आपातकालीन स्थिति में निजी चिकित्सा संस्थानों में इलाज कराकर चिकित्सा प्रतिपूर्ति का दावा करने पर उसे सी.जी.एच.एस. सरकारी दर से सीमित कर दावे का भुगतान किया जाता है इसलिए बीमाकृत व्यक्तियों को यह सलाह दिया गया कि गैर आपातकालीन के मामलों में कर्मचारी राज्य बीमा निगम आदर्श अस्पताल, फुलवारीशरीफ या कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल सह चिकित्सा महाविद्यालय, बिहटा में पहले इलाज प्राप्त करें वहां चिकित्सा उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में ही निजी संस्थान में इलाज करायें, साथ ही उपस्थित बीमाकृत व्यक्तियों को यह आश्वासन भी दिया गया कि उनकी सुविधाओं में उत्तरोत्तर सुधार हेतु कर्मचारी राज्य बीमा निगम कार्यवायी कर रहा है। डॉ सुजीत कुमार चौधरी, चिकित्सा अधीक्षक, प्रतिनिधि, कर्मचारी राज्य बीमा निगम आदर्श अस्पताल, फुलवारीशरीफ, डॉ. तनुजा कुमारी, चिकित्सा निर्देशी, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, डॉ. विजय कुमार केशरी, एस.एम.ओ. कर्मचारी राज्य बीमा निगम डॉ. सुजाता कुमारी, चिकित्सा अधीक्षक, प्रतिनिधि कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल सह चिकित्सा महाविद्यालय, बिहटा मुकेश कुमार, संयुक्त निदेशक (हितलाभ) सह सदस्य सचिव, कर्मचारी राज्य बीमा निगम भी मौजूद थे।

मानवाधिकार दिवस पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मानवाधिकार दिवस के अवसर पर ह्यूमन राइट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ए.एम. प्रसाद हैं, ने आज अरन्या भवन, पटना में 'मानवाधिकारः रोजमर्रा की जरूरतें और जैव विविधता संकट' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया। यह कार्यक्रम पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड के कुलपति डॉ. जय प्रकाश लाल थे। अपने प्रेरणादायी मुख्य वक्तव्य में उन्होंने सतत विकास, वसुधैव कुटुम्बकम और मानवाधिकारों के सार्वभौमिक मूल्य पर विस्तृत विचार प्रस्तुत किए। अतिथि-विशेष पी. के. गुप्ता, आइएफएस, प्रमुख मुख्य वन संरक्षक, बिहार ने जलवायु परिवर्तन और वैश्विक ऊष्मीकरण पर हाल के अनेक उदाहरणों के साथ गंभीर चिंताएं साझा कीं। नेपाल मानवाधिकार आयोग के राष्ट्रीय आयुक्त मिहिर ठाकुर (अतिथि-विशेष) ने इंडो-हिमालयन जैव-विविधता और उस पर मंडराते खतरों पर प्रभावशाली प्रस्तुति दी। उनकी धर्मपत्नी एवं नेपाल की सांसद रंजू झा ने महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता को मानवाधिकारों की आधारशिला बताया। ह्यूमन राइट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ए.एम प्रसाद ने आतंकवाद की मानवीय लागत पर महत्वपूर्ण वक्तव्य दिया। पूर्व सांसद, भारत सरकार डॉ. संजय पासवान ने मानव की गरिमा, उसकी स्वतंत्रता की रक्षा और लोगों को विभिन्न प्रकार की अत्याचारों से बचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान एसोसिएशन के सचिव प्रो. अनिल प्रसाद के संपादन में तैयार स्मारिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. उमाशंकर प्रसाद (उपाध्यक्ष), उषा झा (उपाध्यक्ष), डॉ. ज्योत्सना प्रसाद (लेखिका एवं मानवाधिकार कार्यकर्ता), डॉ. जानार्दन (महानिदेशक), डॉ. चंद्रेश्वर खान, डॉ. शाहजाद (प्राचार्य, लॉ कॉलेज, पटना), एम. के. दास (महासचिव), डॉ. निलेश नारायण, नवीन कुमार (बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड) और ज्ञान मोहन ने भी अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का सफल संचालन संयोगिता सहाय ने किया। अंत में डॉ. जनार्दन जी ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं आयोजनकर्ताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया।

भारत-तिब्बत मैत्री संघ बिहार ने मनाया अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस

तिब्बत की स्थिति पर वैश्विक हस्तक्षेप की मांग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर भारत-तिब्बत मैत्री संघ बिहार ने पटना में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। संघ के उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार शर्मा तथा बिहार सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष चंद्र भूषण के नेतृत्व में टीम सदस्यों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर तिब्बत में जारी मानवाधिकार उल्लंघनों पर गहरी चिंता व्यक्त की और वैश्विक समुदाय से तत्काल ध्यान देने की अपील की। कार्यक्रम की शुरुआत तिब्बत पर चीनी कब्जे के कारण दशकों से जारी मानवाधिकार संकट पर वक्ताओं द्वारा सामूहिक चिंता जताते हुए हुई। वक्ताओं ने तिब्बत में नागरिक स्वतंत्रताओं के दमन, सांस्कृतिक एवं धार्मिक पहचान के व्यवस्थित विनाश, मठों में राजनीतिक हस्तक्षेप और जनसांख्यिकीय बदलावों को 'गंभीर और चिंताजनक' मुद्दे बताया।

मिथिलापुरी में पंचकल्याणक महोत्सव शुरू

पटना से सैकड़ों जैन श्रद्धालु पहुंचे मिथिलापुरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मिथिलापुरी (सुरसंड/बिहार)। मिथिलापुरी दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र पर मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य आगाज हुआ जिसने पूरे क्षेत्र को भक्ति और उल्लास के रंग से सराबोर कर दिया। यह आयोजन परम पूज्य गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज के 43वें मुनि दीक्षा दिवस के शुभ अवसर पर हो रहा है। महोत्सव के प्रथम दिन की शुरुआत अत्यंत पवित्र और आध्यात्मिक माहौल में हुई। सर्वप्रथम मूलनायक वेदी में विराजमान जिनबिम्बों का अभिषेक और पूजन किया गया। इसके उपरांत मंगल कलशों को सर पर रखकर महिलाओं द्वारा घटयात्रा निकाली गई। यह भव्य घटयात्रा मंदिर से आरंभ होकर नगर भ्रमण करते हुए पंचकल्याणक मण्डप में आकर संपन्न हुई जिसमें उपस्थित सभी भक्तों ने भाग लिया और धर्म ध्वजा लहराई। घटयात्रा के समापन के पश्चात पंचकल्याणक मण्डप में विधि-विधान से धार्मिक अनुष्ठान प्रारंभ किए गए। प्रतिष्ठाचार्य डॉ. अजित जी शास्त्री और मुरैना से पधारे पंडित मुकेश जी शास्त्री के मंत्रोच्चार द्वारा मण्डप शुद्धिकरण का कार्य किया गया। आयोजन में सम्मिलित हुए सभी श्रावक और श्राविकाओं ने अपने कलशों में भरे पवित्र जल को संपूर्ण आयोजन स्थल पर छिड़ककर शुद्धिकरण की इसके पश्चात गुरुदेव के मुखारबिंद से श्री जी के शांतिधारा मंत्रों का उच्चारण किया गया जिसने वातावरण को और भी अधिक शांत और भक्तिमय बना दिया। इसके बाद झंडोतोलन के कार्यक्रम को विधिवत रूप से प्रारंभ किया गया। इसके तुरंत बाद सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक यागमण्डल विधान में सामूहिक रूप से अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। इस पंचकल्याणक महोत्सव में तीर्थंकरों की पांचों कल्याणक क्रियाएं क्रमबद्ध रूप से संपन्न की जा रही हैं। प्रथम दिन ही तीन महत्वपूर्ण क्रियाओं को पूर्ण किया गया। महोत्सव की शुरुआत सबसे पहले गर्भ कल्याणक की क्रिया से हुई जिसके पश्चात जन्म कल्याणक और अंत में तप कल्याणक की क्रिया को संपन्न किया गया। इन क्रियाओं के माध्यम से तीर्थंकर के जीवन के महत्वपूर्ण पड़ावों को प्रतीकात्मक रूप से दर्शाया गया जिसने भक्तों को आत्म-कल्याण की प्रेरणा दी। इस शुभ अवसर पर मुनि श्री 108 विशल्य सागर जी महाराज ने अपना प्रवचन दिया। एम पी जैन ने बताया कि इस सफल आयोजन में प्रबंधक मनमोहन जैन, रवि कुमार जैन, चंदन जैन, मनोज जैन, पंकज जैन सहित दिल्ली, छत्तीसगढ़, हरियाणा, मध्यप्रदेश, पटना बिहार से आए तीर्थ यात्रीगण उपस्थित रहे।

संपादकीय

इंडिगो संकट ने किया एकाधिकार के खतरे को उजागर

इंडिगो के कारण भारत के विमानन क्षेत्र में संकट आ गया है। इससे एकाधिकार का खतरा बढ़ा है। कंपनी ने नए नियमों के अनुसार स्टाफ की भर्ती नहीं की। सरकार ने जांच के लिए एक समिति बनाई है। इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 65 प्रतिशत है।इंडिगो की वजह से भारत के विमानन क्षेत्र में पैदा हुए हालिया संकट ने फिर से एकाधिकार के खतरे को उजागर कर दिया है। इंडिगो का मामला लापरवाही, बाजार में अपनी मजबूत स्थिति का बेजा फायदा उठाने की कोशिश और जिम्मेदारियों से भागने का बड़ा उदाहरण है। संकट के दौरान भी, जब तक सरकार ने दखल नहीं दिया, कंपनी का रवैया ठीक नहीं रहा। डीजीसीए के नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियम सभी एयरलाइंस पर लागू होने थे और इसके लिए सभी को पर्याप्त समय भी दिया गया था। लेकिन, इंडिगो ने नए नियमों के हिसाब से स्टाफ की भर्ती नहीं की, जिससे मौजूदा संकट इतना बड़ा हो गया। सरकार ने एक कमिटी बनाई है, जो इस बात की जांच करेगी कि कहीं इंडिगो ने जानबूझकर तैयारियों में देरी तो नहीं की, ताकि अथॉरिटीज पर प्रेशर बनाया जा सके। यह आशंका इस वजह से उठती है, क्योंकि केबिन क्रू और पायलटों की कमी को एकाएक पूरा नहीं किया जा सकता। क्या एयरलाइंस इस बात का इंतजार कर रही थी कि क्राइसिस हो ताकि उसे नियमों में छूट मिल सके? भारतीय विमानन क्षेत्र में इस समय इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 65 प्रतिशत है। उसके बेड़े में 417 विमान हैं और सामान्य दिनों में हर दिन 2200 उड़ानें भरी जाती हैं। संकट खड़ा होने पर पहली प्रतिक्रिया भी हैरान-परेशान करने वाली रही। हजारों यात्री जहां-तहां फंस गए, रिफंड के लिए परेशान होते रहे, जबकि कंपनियां मनमाना किराया वसूलने लगीं। सरकार की तरफ से फिलहाल नए नियमों में थोड़ी रियायत दी गई है, ताकि स्थिति सामान्य हो सके। फौरी तौर पर जनता को राहत देने के लिए यह भले सही हो, लेकिन नए एफडीटीएल नियमों से किसी सूरत में समझौता नहीं किया जाना चाहिए। ये नियम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप और पायलटों की सेहत व उड़ान सुरक्षा के लिए जरूरी हैं। सरकार ने इंडिगो से जवाब भी मांगा है, लेकिन यह समय नीतियों के मूल्यांकन का भी है। अगर कंपनी नए नियमों के लिए तैयारी नहीं कर रही थी, तो क्या अथॉरिटीज को इसकी खबर नहीं थी? क्या डीजीसीए के निगरानी सिस्टम में सुधार की जरूरत है? मौजूदा संकट याद दिलाता है कि किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार होना कितना खतरनाक हो सकता है, जबकि कंपनियों के बीच अच्छी प्रतिस्पर्धा हो तो ग्राहकों को वाजिब कीमत पर अच्छी सर्विस मिलती है। देश में हवाई क्षेत्र की तरक्की की रफ्तार बहुत अच्छी है।

मानसिक गुलाम बनाने वाली मैकाले की शिक्षा पर ताला

जैसे भारत में पैठ जमा चुकी उस पश्चिमी मानसिकता पर ताले लगाने के राष्ट्रीय संकल्प की जरूरत है, जो स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों को ध्वस्त करती हुई औपनिवेशिक शिक्षा को लागू करने की थॉमस मैकाले की परियोजना के माध्यम से लागू हुई थी। भारत की शैक्षिक और सांस्कृतिक नींव को खोखला करने के लिए मैकाले द्वारा किए गए अपराध को 2035 में 200 वर्ष पूरे हो जाएंगे। अतएव आने वाले दस सालों में गुलामी की इस औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त होने के राष्ट्रीय संकल्प की जरूरत है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ये विचार एक्सप्रेस समूह के संस्थापक रामनाथ गोयनका की स्मृति में दिए व्याख्यान में व्यक्त किए थे।

(प्रमोद भार्गव)

फिरंगी हुकूमत के दौरान इंग्लिश एज्युकेशन एक्ट - 1835 के तहत भारत में संस्कृत,हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं की शिक्षा नष्ट कर अंग्रेजी शिक्षा की बुनियाद रखी गई थी। इस दासता को 190 वर्ष से हम ढोते चले आ रहे हैं।अतएव अब इससे मुक्ति का समय आ गया है।

मैकाले की एक किताब है 'द लाइफ एंड लैटर्स ऑफ लार्ड मैकाले'। इस किताब में मैकाले ने भारत की अंग्रेजी शिक्षा पद्धति लागू करते हुए तीन भविष्यवाणियां की थीं, जो खरी उतरीं। उनकी पहली भाष्यवाणी थी कि मेरी इस नई शिक्षा प्रणाली के चलते डेढ़ सौ साल बाद भारतीय व्यक्ति अपने धर्म से विमुख हो जाएगा। उसके घर में अपने धर्म ग्रंथ होंगे, लेकिन वे उन्हें पढ़ेंगे नहीं। दूसरी भविष्यवाणी है, उसे अपनी भाषा बोलने में असुविधा होगी। वह शर्म महसूस करेगा। वह अपनी भाषा में बोल नहीं पाएगा। दूसरी भाषाओं के शब्द उधार लेने पड़ेंगे। तीसरी है,भारतवासी अपनी पारंपरिक वेशभूषा पहनना भूल जाएंगे। पुरुष अपनी वेशभूषा लगभग भूल गए हैं। महिलाएं जरूर अपनी परंपरा को बनाये रखे हुए हैं। याद रहे जिस देश के वासी अपनी भाषा, धर्म और वेशभूषा भूल जाते हैं, उनकी संस्कृति भी धीरे-धीरे नष्ट हो जाती है। लेकिन हम हैं कि अपनी संस्कृति के पराभव से निश्चिंत हैं। अतएव प्रधानमंत्री के संकल्प में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है।

इस परिप्रेक्ष्य में मार्क्सवादी वामपंथी सोच के शिक्षाविद्, इतिहासज्ञ एवं साहित्यकार भी गुलाम भारत में थोपी हुई शैक्षिक रूढ़ियों को एक जन्मजात संस्कार की तरह ढोते रहे हैं। नेहरू मंत्रिमंडल के आरंभिक केंद्रीय शिक्षा मंत्रियों ने इस विचार का बढ़-चढ़कर पोषण किया। इसी का परिणाम रहा कि फिरंगी दासता से छुटकारा नहीं मिल पा रहा है। हालांकि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत राष्ट्र की लुप्त कर दी गई सांस्कृतिक संपदा के महत्व को अंगीकार करते हुए ज्ञान, कर्म, संस्कार, भाषा, संस्कृति और कौशल दक्षता को विद्यार्थी में विकसित करने का काम मातृभाषाओं में शिक्षा के माध्यम से कर दिया है। लेकिन शिक्षा में अंग्रेजी माध्यम से विद्यार्थी को शिक्षित करने की आम भारतीय की गुलाम मानसिकता अभी भी बनी हुई है। इसीलिए देखने में तो शिक्षित भारतवासी भारतीय हैं, किंतु उनके मन में मानसिक गुलामी आज भी बनी हुई है। व्यक्तित्व निर्माण की यही बाधा व्यक्ति में राष्ट्रबोध का पूर्णतः प्रादुर्भाव नहीं कर पा रही है। अतएव दासता के इस शैक्षिक निर्मूलन से मूल्य-बोध के संस्कारों से सांस्कृतिक चेतना का लोक व्यापीकरण होगा और सनातन मानवीय मूल्यों की सुरक्षा के साथ भारतीय भाषाएं भी अपना अस्तित्व बनाए रखेंगी। ये मूल्य न केवल व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाएंगे, बल्कि देश को भी आत्मनिर्भरता के शिखर पर पहुंचाएंगे। देश की सांस्कृतिक संप्रभुता की पहचान को भी अक्षुण्ण बनाए रखने का काम करेंगे।

भारत में अंग्रेजों का शासन स्थापित होने के बाद एक समय तक अंग्रेजों की भाषा-नीति में बदलाव होता रहता था। सन् 1833 में मैकाले मिनिट्स के होते हुए ईस्ट इंडिया कंपनी ने अदालती तथा अन्य शासकीय कार्यों में अरबी-फारसी का मिश्रित रूप अपनाया था। हिंदू राजाओं के साथ ईस्ट इंडिया कंपनी अपने पत्र-व्यवहार में स्थानीय बोलियों के शब्दों का भी प्रयोग करती थी।किंतु 1835 में इंग्लिश एज्युकेशन एक्ट लागू होने के बाद से स्थितियां बदलती चली गईं। हालांकि 1880 में कलकत्ता में फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना हुई। उस समय अंग्रेजी शासन की राजधानी कोलकाता थी। जॉन गिलक्राइस्ट उस कॉलेज के भाषा विभाग के अध्यक्ष थे। उन्होंने खड़ी बोली के प्रयोग को प्रोत्साहित किया और कंपनी सरकार की भाषा नीति तय करने में आवश्यक सुझाव दिए। वह हिंदी को हिंदुई तथा हिंदुस्तानी कहते थे और उसके लिए रोमन लिपि को आवश्यक मानते थे, किंतु न तो हिंदी का नाम बदल सके और न ही लिपि।

गिलक्राइस्ट के बाद ही, मैकाले की भाषा-नीति मानी गई और उच्च शिक्षा से संस्कृत एवं हिंदी का माध्यम समाप्त कर दिया गया। वैदिक संस्कृत, गणित एवं समाज विज्ञान की शिक्षाओं को धार्मिक शिक्षा की श्रेणी में रखकर नकार दिया गया। उन्नीसवीं शताब्दी के चौथे दशक में सरकारी कामकाज में उर्दू को वरीयता दी गई और हिंदी को उपेक्षित कर दिया गया। उस युग में बनारस हिंदी का केंद्र था और बनारस की दो बड़ी हस्तियां हिंदी में लिख रहीं थीं। एक थे राजा शिवप्रसाद और दूसरे भारतेंदु हरिशचंद्र। राजा शिवप्रसाद अंग्रेजी सरकार की सेवा में थे और अंग्रेजों की भाषा नीति का समर्थन करते हुए उन्होंने उर्दू का पक्ष लेते हुए हिंदी की निंदा की। उनकी वफादारी देखकर सरकार ने उन्हें 'सितारे हिंद' की उपाधि दी। हरिश्चंद्र ने सरकार की भाषा-नीति का विरोध किया और जगह-जगह जाकर हिंदी के समर्थन में सभाएं कीं। जनता ने हरिश्चंद्र को 'भारतेंदु' की उपाधि से विभूषित किया। भारतेंदु की लोकप्रियता के सामने सितारे हिंद अस्त-पस्त हो गए। जॉन गिलक्राइस्ट जैसे अनेक अंग्रेज हिंदी के समर्थक थे। ऐसे अंग्रेजों में हेनरी पिनकोट ने भारतेंदु के समर्थन में हिंदी के पक्ष में बहुत काम किया।

जिस राष्ट्रीय चेतना को हम स्वतंत्रता आंदोलन के संदर्भ में लेते हैं, उस तरह के लेखन का भारतीय अंग्रेजी लेखकों में सर्वथा अभाव था। हालांकि 'वंदे मातरम' गीत के रूप में भारत को उसकी व्यापक राष्ट्रीयता की पहचान देने वाले बांग्ला उपन्यासकार बंकिमचंद्र चटर्जी न केवल बंगाल के चुनिंदा लेखकों में से एक थे, बल्कि उन्हें भारतीय अंग्रेजी साहित्य के शुरूआती लेखन का श्रेय भी जाता है। उन्होंने 'राजमोहन वाइफ' उपन्यास अंग्रेजी में लिखा था। किंतु राष्ट्रीय स्वाभिमान के चलते कालांतर में उन्होंने केवल बांगला और संस्कृत में लिखने का संकल्प लिया। अंग्रेजी में रचना-सृजन पर पूरी तरह विराम लगा दिया। भाषाई अस्मिता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रकल्प का यह ऐसा अनूठा संकल्प था, जिसने वंदे मातरम के माध्यम से फिरंगी सत्ता को चुनौती देते हुए जनमानस में सर्वाधिक राष्ट्रबोध जगाने का काम किया।

आर्थिक उदारवादी नीतियां लागू होने के बाद देश में आवारा पूंजी का दबाव इस हद तक बढ़ा कि हम पूंजी आधारित लिप्सा और औपनिवेशिक शक्तियों की व्यवस्था को विकास व प्रगति का आदर्श मानक मानने लगे। नतीजतन आर्थिक विशंगति बढ़ी और असंतोष उपजा। माओवाद बनाम नक्सलवाद की जड़ें गहरी करने में इस असंतोष ने उर्जा का काम किया। वामपंथी चरमपंथ ने इस असंतोष को अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिए भुनाने का काम किया। समरसता व समावेशन संबंधी जो मूल अवधारणाएं हैं, उन्हें इस चरमपंथ ने समूल नष्ट करते हुए वर्ग संघर्ष पैदा करने का काम किया। विषमता और वैमनस्यतापूर्ण समाज-रचना को बढ़ावा दिया। भावनात्मक इस विद्वेश ने स्वतंत्र वैचारिक मानसिकता को कुंठित करने का काम किया। जबकि विचार-निर्माण के लिए शैक्षिक परिसरों में लोकतांत्रिक खुलेपन की जरूरत है, जिससे शिष्य, शिक्षक से प्रश्न करने में कोई संकोच न करे। दुर्भाग्य से हमने आज्ञाकारी शिष्य को आदर्श माना हुआ है। यह आज्ञाकारिता नव-सृजनशीलता के लिए बाधक है। यही कारण है कि हम नवोन्वेष, वैज्ञानिक अनुसंधान और देशज उत्पादकता में लगातार पिछड़ते जा रहे थे, इसमें अब मोदी के नेतृत्व में गति आ रही है।

ब हमारी पूरा शिक्षाजन्य ढांचा, आज्ञापालन को प्रोत्साहित व पुरस्कृत करता है। स्वातंत्र्य-चेता विद्यार्थी की नूतन पहल, जिज्ञासा और प्रश्नाकूलता को फटकारा जाता है। विचार नियंत्रण की यह क्रूरता नव-सर्जक की भ्रूण-हत्या कर देती है। यही कारण है कि हम आजादी के बाद न तो नचिकेता, अष्टावक्र और विवेकानंद पैदा कर पाए और न ही सीवी रमन, जगदीश चंद्र बसु और रामानुजन ? दरअसल औपनिवैशिक शिक्षा पद्धति और अंग्रेजी की अनिवार्यता के चलते हमारे शिक्षा संस्थान महज डिग्रीधारी नकलचियों की फौज खड़ी करने में लगे हैं। वे रोबोट और क्लोन बनाने की दक्षता को ही श्रेष्ठता का पर्याय मानकर चल रहे हैं, क्योंकि रोबोट विरोध नहीं करते और क्लोन से विकसित प्राणी प्रकृति प्रदत्त विलक्षणता खो देते हैं, अतएव उनकी मौलिक सृजनशीलता बचपने में ही कुंठित हो जाती है। आज्ञापालकों के ये उत्पाद अंततः सृजन से जुड़ी वैचारिकता के लिए आघातकारी सिद्ध होते हैं, केवल कैरियर बनाना और पैसा कमाना इनका मुख्य ध्येय रह जाता है, जो व्यक्तिगत उपलब्धियां हैं। नरेंद्र मोदी ने अब आने वाले 10 साल में मैकाले की शैक्षिक एवं अंग्रेजी मानसिकता से मुक्ति का जो संकल्प लिया है, उससे जरूर बदलाव की उम्मीद की जा सकती है।

भारत की कृषि-वैज्ञानिक धोखाधड़ी और कॉर्पोरेट शिकंजे का खतरा

(निलेश देसाई)

भारत की कृषि आज अभूतपूर्व संकट से गुजर रही है। एक ओर, वैज्ञानिक संस्थानों की साख पर सवाल उठ रहे हैं, तो वहीं, कॉर्पोरेट नियंत्रण की परतें किसान की जमीन और बीज तक फैल चुकी हैं। हाल ही में 'कोएलिशन फॉर ए जीएम-फ्री इंडिया' द्वारा उजागर की गई भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की जीनोम-संपादित धान परीक्षणों में हुई अनियमितताओं ने इस संकट की जड़ को सामने रख दिया है–जहाँ मुनाफा विज्ञान और जनहित दोनों पर भारी पड़ने लगा है।

आईसीएआर, जो देश के कृषि अनुसंधान की रीढ़ मानी जाती है, अब अपने ही डाटा और निष्कर्षों में हेरफेर के आरोपों में घिर गई है। दो चर्चित जीनोम-संपादित किस्मों–पुसा डीएसटी-1 और डीआरआर धन 100 'कमला'–के उत्पादन संबंधी दावे वास्तविक परिणामों से मेल नहीं खाते। रिपोर्टों में स्वीकार किया गया कि 'उत्पादकता में कोई बढ़त नहीं' थी, बल्कि एक किस्म का औसत उत्पादन तो घटा हुआ पाया गया।

इससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि अधूरे परीक्षणों और सीमित डाटा के बावजूद इन किस्मों को 'सफल' बताया गया। इस प्रकार की वैज्ञानिक अपरिपक्वता न केवल नीति-निर्माण को गुमराह करती है, बल्कि कृषि अनुसंधान संस्थानों की साख को भी कमजोर करती है, जिन पर देश की खाद्य सुरक्षा टिकी है।

यह वैज्ञानिक असावधानी कोई अलग-थलग घटना नहीं, बल्कि उस व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा है जिसमें किसान की भूमिका 'उत्पादक' से 'ग्राहक' में बदल दी जा रही है। बड़ी कंपनियाँ, जैसे बायर, बीज और डिजिटल प्लेटफॉर्म दोनों पर नियंत्रण बढ़ा रही हैं। हर सीजन में नया बीज खरीदने की मजबूरी ने किसान की बीज संप्रभुता को छीन लिया है। डिजिटल कृषि प्लेटफॉर्म अब किसानों के डेटा तक पहुँच रखकर उनके निर्णयों पर अप्रत्यक्ष नियंत्रण कर रहे हैं।

इसे 'आधुनिकता' के नाम पर जायज़ ठहराया जा रहा है, जबकि यह वास्तव में पौष्टिक भूमि, पारंपरिक ज्ञान और सामुदायिक स्वावलंबन पर हमला है। नतीजा- जैवविविधता में कमी, भूमि की थकान, और किसान की आर्थिक गुलामी का गहराता दायरा।

सरकारी प्राथमिकताएँ किसानों की आय और स्थायित्व के बजाय तकनीकी प्रयोगवाद की ओर झुकी दिखती हैं। कृषि विशेषज्ञ देवेंद्र शर्मा के अनुसार, असली संकट किसान की आय असमानता है–न कि बीज के प्रकार या प्रयोगों की संख्या। एमएसपी की कानूनी गारंटी के अभाव में किसान बाजार की कृपा पर निर्भर है, जबकि नीति मशीनरी उसका भरोसा कॉर्पोरेट 'इनोवेशन' पर टिका रही है। कृषक जीवन और भूमि के प्रति जो नैतिक रिश्ता सदियों से रहा है, वह टूटता जा रहा है–जहाँ खेती अब समाज सेवा या आत्मनिर्भरता नहीं, बल्कि महज उत्पादन की मशीन बनती जा रही है।

देश को अब यह तय करना होगा कि उसकी कृषि का भविष्य किसके हाथ में रहेगा–किसान के या कॉर्पोरेट मुनाफाखोरों के। खाद्य संप्रभुता का अर्थ है कि किसानों को बीज और भूमि पर निर्णय का अधिकार वापस मिले; स्थानीय बाजारों को प्राथमिकता दी जाए; और ऐसी कृषि नीति बने जो पुनर्योजी खेती, जैविक विविधता और संसाधन संरक्षण को केंद्र में रखे। इसके साथ ही, वैज्ञानिक संस्थानों में जवाबदेही और पारदर्शिता की संस्कृति विकसित करनी होगी। जीनोम संपादन या जैव प्रौद्योगिकी पर सभी प्रयोग सार्वजनिक समीक्षा और सख्त नियंत्रण के अधीन हों।

अंततः भारत की कृषि इस समय एक निर्णायक मोड़ पर है। एक रास्ता हमें कॉर्पोरेट नियंत्रण, वैज्ञानिक धोखाधड़ी और किसानों की पराधीनता की ओर ले जाता है; दूसरा खाद्य स्वराज्य, किसान स्वाभिमान और टिकाऊ पारिस्थितिकी की ओर। बीज की यह लड़ाई केवल खेत की नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय पहचान की लड़ाई भी है–यह तय करेगी कि हम मुनाफे के युग में खोएंगे या भूमि से जुड़े समाज का भविष्य बचाएंगे। लेखक कृषि मामलों के जानकार हैं।

अंग्रेजों की नींद उड़ाने वाला वंदे मातरम क्यों ना बन सका राष्ट्रगान?

19वीं सदी में बंगाल के सबसे जानी मानी हस्तियों में से एक बंकिम चंद्र चटर्जी ने एक बहुचर्चित उपन्यास आनंदमठ लिखा। वैसे तो यह उपन्यास 1882 में किताब का शक्ल ले सका। लेकिन बंकिम चंद्र चटर्जी ने इसे 1881 से ही अपनी मासिक पत्रिका वंग दर्शन में एक धारावाहिक के तौर पर छापना शुरू कर दिया था।

(अभिनय आकाश)

राजनीति में कुछ चीजें कभी पुरानी नहीं पड़ती है। आप उन्हें कभी भी कुरेद दो और सियासत शुरू हो जाती है। ऐसा ही हमारा राष्ट्र गीत वंदे मातरम है।आजादी से पहले भारतीयों को एक करने वाला ये गीत कई सालों से उन्हीं भारतीयों को बांटने के लिए काम में लिया जा रहा है। 'वंदे मातरम' को लेकर देश की राजनीति में एक बार फिर उबाल आ गया है। संसद के विशेष सत्र में राष्ट्रीय गीत के 150 साल पूरे होने पर लोकसभा में चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने अपना संबोधन भी दिया। वहीं 9 दिसंबर को राज्यसभा में भी ऐसी ही एक लंबी चर्चा की योजना है, जिसमें गृह मंत्री अमित शाह बोलेंगे।

क्या था अंग्रेजी फरमान: साल 1870 के दशक में ब्रिटिश हकूमत ने एक तुगलकी फरमान जारी किया। उन्होंने सरकारी समारोहों में 'गॉड! सेव द क्वीन' गीत गाया जाना अनिवार्य कर दिया था। उस वक्त ब्रिटिश प्रशासनिक सेवा में कई भारतीय अधिकारी भी थे। फरमान बंगाल की जमीन से ही आया था, इसलिए वहां इसे लेकर काफी सख्ती थी। यह बात सबसे अधिक नागवार गुजरी एक डिप्टी कलक्टर को, जो भारतीय था। अंग्रेजों के इसी आदेश और अनिवार्यता क्षुब्ध वह कलेक्टर उस रोज दफ्तर से निकल आया। सियालदह से ट्रेन ली और नैहाटी पहुंचने तक का सफर इन्ही विचारों से भरा रहा। रेलयात्रा के दौरान उमड़-घुमड़कर आते तमाम विचार शब्द बन गए और कागज-कलम का साथ पाते ही गीत के रूप में उभर आए।

कैसे लिखा गया गीत: 19वीं सदी में बंगाल के सबसे जानी मानी हस्तियों में से एक बंकिम चंद्र चटर्जी ने एक बहुचर्चित उपन्यास आनंदमठ लिखा। वैसे तो यह उपन्यास 1882 में किताब का शक्ल ले सका। लेकिन बंकिम चंद्र चटर्जी ने इसे 1881 से ही अपनी मासिक पत्रिका वंग दर्शन में एक धारावाहिक के तौर पर छापना शुरू कर दिया था। इस उपन्यास का मूल कथानक सन्यासियों के एक समूह पर फोकस था। जो अपनी मातृभूमि के लिए अपनी जिंदगी समर्पित कर देते हैं और ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूंकते हैं। आनंद मठ में यह सन्यासी अपनी मातृभूमि को एकदेवी की तरह पूजते हैं और उसकी पूजा के लिए एक गीत गाते हैं। वंदे मातरम जिसमें मातृभूमि को मां दुर्गा की तरह चित्रित किया जाता है। बंकिम चंद्र चटर्जी का लिखा यह उपन्यास खूब पॉपुलर होता है। 1896 में कोलकाता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर के स्वर में पहली बार वंदे मातरम की सार्वजनिक प्रस्तुति होती है और फिर जल्द ही यह गीत आजादी के आंदोलन में जोश भरने का काम करने लगता है। साल 1905 में बंगाल विभाजन का विरोध कर रहा हर एक आंदोलनकारी यही गीत गा रहा होता है।

अंग्रेजों के मुखालिफत का बना सिंबल: बांग्ला और संस्कृत भाषा में लिखा यह गीत धीरे-धीरे पूरे देश तक फैल जाता है और अंग्रेजों के मुखालिफत का सिंबल बनता है। ऐसे में साल 1907 में अंग्रेज वंदे मातरम पर बैन लगा देते हैं। लेकिन वंदे मातरम का असल विरोध करता है मुस्लिम लीग। अंग्रेज कांग्रेस को तोड़ने के लिए बांटो और राज करो की नीति अपनाते हैं। हिंदू मुस्लिम में फूट डालकर आपस में लड़वाने की कोशिश करते हैं। जिसका उन्हें फायदा भी मिलता है और साल 1909 में अमृतसर में हुए कांग्रेस अधिवेशन में मुस्लिम लीग वंदे मातरम का ही विरोध करने लगती है। जर्मनी में तिरंगा फहराया जिस पर वंदे मातरम लिखा था। 17 अगस्त 1909 को जब मदन लाल ढींगरा को विलियम हर्ट कर्जन के मर्डर के इल्जाम में फांसी दी गई तो उनके आखिरी शब्द थे वंदे मातरम। आगे चलकर वंदे मातरम को लेकर मतभेद और विरोध भी सामने आने लगे। धीरे-धीरे राजनीति इस पर शुरू हुई। 1920 में बंगाली मैगज़ीन इस्लाम दर्शन में वंदे मातरम को मूर्ति पूजा का रूप बताया गया। 1928 में शरीयत इस्लाम मैगजीन में कहा गया कि वंदे मातरम मुसलमानों के लिए हराम है।

मुसलमान वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत के रूप में नहीं स्वीकारा: 1930 का दशक तब खत्म होने को था। कांग्रेस और मुस्लिम लीग के रिश्तों में लगातार दूरियां बढ़ रही थी। इसी दौर में वंदे मातरम गीत विवादों के केंद्र में आ गया। मुस्लिम लीग के एक बड़े तबके में वंदे मातरम के खिलाफ नाराजगी इतनी गहरी हो चुकी थी कि सीधे मोहम्मद अली जिन्ना इसमें कूद पड़े। जिन्ना की निजी डायरी में 1938 के कुछ नोट्स मिलते हैं। ये नोट्स उन्होंने जवाहरलाल नेहरू से होने वाली बातचीत के लिए तैयार किए थे। इन नोट्स के सबसे ऊपर तीन लाइनें लिखी थी। मुस्लिम मास कांटेक्ट मस्ट सीज, वंदे मातरम मस्ट गो, नेशनल फ्लैग मस्ट गो। संदेश साफ था कि मुसलमान वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत के रूप में नहीं मानेंगे। चाहे उसका बदला हुआ वर्जन ही क्यों ना हो। वंदे मातरम को लेकर गांधी जी का स्टैंड समय के साथ बदलता रहा है। पहले उनकी राय अलग थी। 1905 से 1915 के बीच गांधी वंदे मातरम के बड़े प्रशंसक थे। उन्होंने इसे देशभक्ति से बड़ा गाना बताया। 1905 में उन्होंने अपने अखबार इंडियन ओपिनियन में लिखा कि हमारा राष्ट्रीय गान बन गया है। 1915 में उन्होंने कहा कि बहुत ही खूबसूरती से कवि ने भारत माता को दर्शाया है। 1940 का दशक आते-आते गांधी का नजरिया वंदे मातरम को लेकर के डिफेंसिव हो गया। महात्मा गांधी ने अपने अखबार हरिजन में लिखा कि वह वंदे मातरम को राष्ट्रभावना से जोड़कर देखते हैं। उन्होंने माना कि वंदे मातरम उन्हें गहराई तक छूता है। पर उन्हें कभी ऐसा नहीं लगा कि यह सिर्फ हिंदुओं के लिए है। भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को भी राष्ट्रगान बनाने की बात कही जा रही थी। लेकिन उसे राष्ट्रीय गीत बनाया गया। जिसके पीछे ये तर्क दिया गया कि इसकी चार लाइन ही देश को समर्पित हैं। बाद की लाइने बंगाली भाषा में हैं और मां दुर्गा की स्तुति की गई है। किसी भी ऐसे गीत को राष्ट्रगान बनाना उचित नहीं समझा गया जिसमें देश का न होकर किसी देवी-देवता का जिक्र हो। इसलिए वंदे मातरम को राष्ट्रगान ना बनाकर राष्ट्रगीत बनाया गया।

बरारी में हथियार तस्करी का भंडाफोड़

पुलिस ने युवक को पिस्टल, कारतूस के जखीरे संग दबोचा

नवबिहार टाइम्स संवाददात

बरारी/कटिहार। बरारी पुलिस ने अवैध हथियार कारोबार पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए हथियारों की तस्करी में लिप्त एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में पुलिस ने देशी पिस्टल,कट्टा और जिंदा कारतूसों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया है। इस कार्रवाई को क्षेत्र में सक्रिय आपराधिक तत्वों के खिलाफ पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है।

जानकारी के अनुसार 9 दिसंबर की शाम बरारी थानाध्यक्ष सुमेश कुमार को सूचना मिली कि मिलिक टोला मरघिया में एक युवक हथियारों की अवैध खेप छुपाकर रखे हुए है और इसकी तस्करी में शामिल है। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम तुरंत हरकत में आई और देर रात गांव के संदिग्ध स्थान को चारों ओर से घेरकर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान एक युवक पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहा था, जिसे दबोच कर तलाशी ली गई। तलाशी में उसके पास से दो देसी पिस्टल, दो देसी कट्टा, दो मैगजीन और 24 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। गिरफ्तार युवक की पहचान अमन कुमार (23) पिता अशोक कुमार साह मिलिक टोला मरघिया निवासी के रूप में हुई। पुलिस ने मौके पर ही उसे हथकड़ी लगा ली।पुलिस के अनुसार बरामद हथियार आपराधिक गतिविधियों में इस्तेमाल किए जाने की आशंका है। अमन कुमार से पूछताछ कर उसके पीछे काम करने वाले नेटवर्क, सप्लाई चेन और संभावित खरीददारों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि हथियार कहां से लाए गए थे और इन्हें किस उद्देश्य से रखा गया था।बरारी थाना में कांड दर्ज कर पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस ऑपरेशन के बाद पुलिस ने स्पष्ट कर दिया है कि क्षेत्र में अवैध हथियारों के कारोबार को किसी भी कीमत पर पनपने नहीं दिया जाएगा। आमजनों से भी अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके।

सरकारी व निजी संपत्तियों पर 9 करोड़ से अधिक का होल्डिंग टैक्स बकाया

सरकारी विभाग में भी ₹4.78 करोड़ से अधिक है बकाया

नवबिहार टाइम्स संवाददात

कटिहार। नगर निगम की 1 अप्रैल 2025 से 7 दिसंबर 2025 तक की होल्डिंग टैक्स रिपोर्ट ने शहर के राजस्व संग्रह की चिंताजनक तस्वीर पेश की है। सरकारी तथा निजी दोनों तरह की संपत्तियों को मिलाकर कुल ₹9करोड़ 52 लाख 8 सौ 5 रुपये का होल्डिंग टैक्स बकाया है।

कटिहार अंचल में कुल 25,070 होल्डिंग हैं। इनमें से 17,409 होल्डिंग ने कुल ₹6.91 करोड़ का भुगतान कर दिया है, लेकिन 7,696 होल्डिंग अब भी डिफॉल्टर हैं। सबसे अधिक चिंता का विषय सरकारी संपत्तियाँ हैं। कुल 90 सरकारी होल्डिंग में से 75 पर ₹4 करोड़ 78 लाख 96 हजार 2 सौ 67 रुपये का बड़ा बकाया है। वहीं, निजी संपत्तियों के 24,980 होल्डिंग में से 7,621 पर ₹4 करोड़ 73 लाख 4 हजार 5 सौ 38 रुपये बाकी हैं। हालांकि नगर निगम प्रशासन ने बकाया टैक्स वसूलने के लिए शिविर लगा रही है। और निगम प्रशासन ने उम्मीद जताई है कि शिविर लगाने से टैक्स वसूली के ऑकड़े मे बेहतर इजाफा होगा। लेकिन सवाल ये कि आखिर सरकारी विभाग के द्वारा ही सरकार की इतनी बड़ी राशि आखिर क्यो बकाया रखी जा रही है।

मृतकों के आश्रितों को प्रशासन ने 4-4 लाख की सहायता राशि का चेक सौंपा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी/कटिहार। प्रखंड के विभिन्न इलाकों में बीते महीनों में पानी में डूबने की अलग-अलग घटनाओं में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी थी। इन घटनाओं में परिवार के कमाऊ सदस्य की मौत हो जाने से पीडित परिवारों के सामने आर्थिक संकट ऊत्पन्न हो गया था। ऐसे परिवारों के बीच आपदा राहत कोष से आर्थिक सहायता प्रदान की है।

मनिहारी के अंचलाधिकारी मो. इस्माईल ने चारों मृतकों के परिवारों को प्रत्येक 4 लाख रुपये की स्वीकृत मुआवजा राशि के चेक प्रदान किए। इस अवसर पर संबंधित परिवारों को अंचल कार्यालय परिसर में बुलाया गया। जहाँ अधिकारियों ने औपचारिक रूप से चेक सौंपे और परिवारों को हर संभव मदद का भरोसा भी दिलाया। अंचल कार्यालय के निदेशानुसार भुगतान प्रक्रिया को प्राथमिकता देते हुए अंचल नाज़िर ने सभी पात्र लाभुक परिवारों को समय पर चेक उपलब्ध कराये ।

पूर्व वार्ड सदस्य का निधन

नवबिहार टाइम्स संवाददात

मनसाही/कटिहार। सिरिनिया पश्चिम पंचायत के पूर्व वार्ड सदस्य दुलाल प्रसाद साह (59) के निधन से पंचायत में शोक की लहर दौड़ गयी। बताया जाता हैं कि वह कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे और उनका इलाज कटिहार मेडिकल कॉलेज कटिहार में चल रहा था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

स्व. साह अपने पीछे पत्नी एवं चार पुत्र को पीछे छोड़ गए हैं। स्व. साह जहां 10 सालों तक वार्ड सदस्य रहे। वहीं आरक्षित सीट होने के कारण इस सीट पर उनकी पत्नी भी 10 सालों से अब तक वार्ड सदस्य बनी हुई हैं। स्व. साह के निधन की खबर मिलते ही एमएलसी अशोक अग्रवाल उनके घर पहुंच कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित किया। वहीं इस दौरान दुख व्यक्त करने वालों में पंचायत के मुखिया मुकेश पासवान,सरपंच नित्यानंद पासवान, पंचायत समिति सदस्य गुलाम मुस्तफा, पैक्स अध्यक्ष सुनील साह, राजेश वर्णवाल, मो. इसराइल, शम्भू पोद्दार आदि मौजूद रहे।

पीडीएस दुकान पर ध्यान दे सरकार : सांसद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। लोकसभा में सांसद तारिक अनवर ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दक्षता तथा बिहार विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में भंडारण और वितरण से जुड़ी गंभीर समस्याओं पर महत्वपूर्ण प्रश्न सदन में उठाया। जिस पर केंद्र सरकार ने अपने जवाब में पीईजी योजना, साइलो निर्माण, एसेट मोनेटाइजेशन तथा पीएसीएस स्तर पर गोदाम निर्माण जैसी विभिन्न योजनाओं का उल्लेख किया। लेकिन जमीनी सच्चाई इससे बिल्कुल अलग है।

सांसद श्री अनवर ने बताया कि बिहार में एफसीआई. और राज्य एजेंसियों के पास लगभग 23.5 एलएमटी भंडारण क्षमता होने के बावजूद कटिहार सहित कई जिलों में लाभार्थियों को आज भी समय पर और पूर्ण मात्रा में अनाज नहीं मिल पाता। पीएसीएस स्तर पर गोदाम निर्माण की योजना वर्षों से चल रही है। लेकिन प्रगति अत्यंत धीमी है।एनएफएसए के तहत केवल जिम्मेदारी राज्यों पर डालकर केंद्र सरकार अपनी जवाबदेही से नहीं बच सकती। योजनाएँ सिर्फ कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर प्रभावी परिणाम देने वाली होनी चाहिए।कटिहार जिला कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता पंकज कुमार तमाखुवाला ने बताया

कि सांसद श्री अनवर लगातार यह मुद्दा उठाते रहे हैं। कि पीडीएस प्रणाली को अधिक पारदर्शी,जवाबदेह और कुशल बनाया जाए,ताकि कटिहार सहित पूरे बिहार में हर जरूरतमंद तक अनाज बिना किसी बाधा के पहुँच सके। जनता की खाद्य सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस पर किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं।

विदेशी शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददात

कटिहार नगर। उत्पाद विभाग ने आरपीएफ की सहायता से एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कटिहार रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 02 से भारी मात्रा में विदेशी शराब जब्त की है।साथ ही दो शराब तस्करों को भी गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार दोनो तस्कर की पहचान विष्णु कुमार (23)पिता- अर्जुन मंडल साकिन सालेपुर, बैगन लाइन वार्ड नं-24 तथा अमित कुमार (30) पिता नागेन्द्र मंडल साकिन हरिगंज चौकवार्ड नं-27 दोनो थाना नगर,जिला कटिहार के रूप मे हुई है। उत्पाद अधीक्षक सुभाष सिंह ने बताया कि जब्त की गई सभी शराब हावर्ड 5000 ब्रांड की है। दोनो तस्कर के पास से कुल 30 लीटर शराब बरामद हुई है। दोनों तस्करों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की वार्डन के लिए मानसिक स्वास्थ्य पर ओरिएंटेशन वर्कशॉप आयोजित

जहानाबाद/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बिहार शिक्षा परियोजना कार्यालय, जहानाबाद ने वर्ल्ड बीइंग इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से जिला शिक्षा परियोजना सभागार में "गर्ल्स फर्स्ट" कार्यक्रम के तहत जिले के सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की वार्डन के लिए एक दिवसीय ओरिएंटेशन वर्कशॉप का आयोजन किया। वर्कशॉप के दौरान, वर्ल्ड बीइंग इंडिया फाउंडेशन की कार्यक्रम अधिकारी सुश्री श्वेता दीप्ति और पप्पू ने "गर्ल्स फर्स्ट" कार्यक्रम की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने प्रतिभागियों को मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक भलाई, भावनाओं को पहचानने और मैनेज करने, और विभिन्न चरित्र गुणों को अपनाने के महत्व पर प्रशिक्षित किया।

अभाविप ने की सत्र 2025-29 की पंजीकरण की तारीख बढ़ाने की

नवबिहार टाइम्स संवाददात

कटिहार नगर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के एक प्रतिनिधिमंडल ने सत्र 2025 - 2029 सीबीसीएस के पंजीकरण की तिथि बढाने तथा पंजीकरण में आ रही समस्याओं को लेकर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण पदाधिकारी को पत्र लिखा है। साथ ही इस मांग पत्र को दर्शन साह महाविद्यालय के प्राचार्य को सौंपा है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मांग की है कि पंजीकरण की अंतिम तिथि को बढ़ाया जाए। ताकि छात्रों को हो रही परेशानी को दूर किया जा सके। अभाविप सदस्यो ने पत्र में बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा 1 दिसंबर 2025 से 18 दिसंबर 2025 तक पंजीकरण की तिथि

अभाविप ने कुलपति को लिखा पत्र

■ सीबीसीएस पंजीकरण में हो रही त्रुटियों को सुधारने की अपील

निर्धारित की गई है। लेकिन छात्रों को पंजीकरण करने में कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। मूलत विषय संबंधी समस्याओ से बच्चे बेवजह परेशान हो रहे है। उनलोगो ने स्पष्ट किया कि छात्रों को इस तरह की गलतियों को सुधारने की कोई अनुमति नहीं दी गई है, जिससे वे अपना पंजीकरण सही तरीके से पूरा नहीं कर पा रहे हैं।छात्रों के भविष्य को देखते हुए अभाविप ने आग्रह किया है कि पंजीकरण की अंतिम तिथि को अविलंब बढ़ाया जाए तथा विषय, संकाय में हुई त्रुटियों को ठीक करने के लिए ऑनलाइन पोर्टल पर सुधार का विकल्प दिया जाए। मौके पर प्रदेश सह मंत्री विनय सिंह, विक्रांत सिंह, विशाल कुमार ,प्रणव यादव सहित अन्य मौजूद रहे।

प्रसव पूर्व 61 गर्भवती महिलाओं की हुई जांच

नवबिहार टाइम्स संवाददात

मनसाही/कटिहार। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत प्रसव पूर्व 61 गर्भवती महिलाओं की जांच हुई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनसाही के प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक अनवर आलम ने बताया कि 61 गर्भवती महिलाओं की जांच हुई। इस मौके पर डॉक्टर प्रेम राज ने सभी महिलाओं को जांच के उपरांत उचित दिशा निर्देश दिए। वहीं गर्भवती महिलाओं को जांच के उपरांत टीकाकरण के साथ दवा दी गई। इस अवसर पर क्लर्क पुष्कर राज, लेखापाल अनिमेष कुमार, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक अनवर आलम आदि उपस्थित रहे।

हरनौत में गायत्री महायज्ञ को लेकर भव्य मंगल कलश शोभायात्रा

नवबिहार टाइम्स संवाददात

बिहारशरीफ। हरनौत बाजार में 108 कुंडीय राष्ट्र शौर्य समृद्धि गायत्री महायज्ञ के आयोजन को लेकर बुधवार को भव्य मंगल कलश शोभायात्रा निकाली गई। इस चार दिवसीय कार्यकम का आयोजक अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज (हरिद्वार) है। यह महायज्ञ सनातन संस्कृति की रक्षा और मानवता के कल्याण के लिए शुरू है। इसमें शांतिकुंज हरिद्वार से नायक टोली पं श्रीराज कुमार भृगु , सहायक नायक टोली बिजेंद्र त्रिपाठी व गायक श्रीरामबीर नेगी पधारे हैं।

महायज्ञ के नेतृत्व कर रहे प्रज्ञा युवा मंडल प्राकोष्ठ के प्रतिनिधि सौरभ कुमार उर्फ सोनू ने बताया कि 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ में 1111 लोगों द्वारा क्लश शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें एक शक्ति कलश (हरिद्वार से), 24 प्रधान कलश (किचनी, लोहरा, बोधनगर, सरथा, बहादुर पुर, चैनपुर, द्वारिका बिगहा, चेरो, नेहुसा, दैली, सिरसी, तेलमर, बनगच्छा, गोनावां, छतियाना, पोआरी, बस्ती, बीच बाजार, बराह आदि गांव से एवं अन्य शामिल हैं। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं द्वारा यज्ञ परिसर से सर पर कलश लेकर निकली एवं नगर भ्रमण कर पुनः यज्ञ स्थल पर पहुंची। जहां कलश को स्थापित किया गया।नगर भ्रमण हरनौत बाजार के रांची रोड ,पुरानी पेट्रोल पंप, थाना मोड़, डाकबंगला रोड़ होते हुए प्रखंड सह अंचल कार्यालय के मुख्य गेट, वीर कुंवर सिंह चौक, रेलवे स्टेशन, नियामतपुर पुर गुमटी, गोनावां रोड़ मोड़, रांची रोड, चंडी मोड़ , रूपसपुर बाईपास स्थित यादव चौक होते गया। कार्यक्रम को लेकर बाजार क्षेत्र का माहौल भक्तिमय था।

अनुमंडल कृषि प्रक्षेत्र, पचंबा, गिरिडीह में जिला स्तरीय रबी कार्यशाला 2025 का आयोजन

कार्यशाला में जो बताया जा रहा है किसान जागृत होकर लाभ लें : उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददात

गिरिडीह। अनुमंडल कृषि प्रक्षेत्र, पचंबा, गिरिडीह में जिला स्तरीय रबी कार्यशाला 2025 का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रुप में उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, गिरिडीह के साथ साथ कृषि संबद्ध विभाग के पदाधिकारी एवं प्रगतिशील कृषकों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान उपायुक्त द्वारा उपस्थित सभी जिला स्तरीय पदाधिकारियों एवं प्रखण्ड स्तरीय प्रसार कर्मियों एवं प्रगतिशील किसानों को मार्गदर्शन दिया गया। बताया गया कि कार्यशाला में जो अलग अलग विभाग के पदाधिकारियों द्वारा योजनाओं का विस्तृत जानकारी दी जा रही है उसका किसान जागृत होकर लाभ लें।

पुराने समय में सिंचाई व्यवस्था के बारे में उसके बाद बोरिंग, बुँद बूँद सिंचाई कर किसान तकनीकी अपनाकर कैसे आगे बढ़े, की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त उपायुक्त द्वारा मत्स्य विभाग द्वारा संचालित वेद व्यास योजना के बारे में, सहकारिता विभाग द्वारा बिरसा फसल बीमा योजना के वारे में भी बताया गया। किसान केसीसी का लाभ लें एवं निर्धारित समय पर जमा करें जिससे उनको और अधिक राशि मिल सकेगी, अन्यथा व्याज अधिक भरना पड़ता है। इस वर्ष मौसम अच्छे नहीं रहने के कारण कुछ जगहों पर फसल की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। जिसका फसल कटनी प्रतिवेदन अच्छे से कराने का निदेश दिए उपस्थित पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए रबी कार्यशाला की रुप रेखा पर प्रकाश डालते हुए जिला कृषि पदाधिकारी, आशुतोष कुमार द्वारा कृषि विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की जानकारी विस्तार से दी गई। बताया गया कि वर्ष 2025 में रबी मौसम में गेहूँ 14000 हे०, सरसो/राई 27000 हे०, मक्का 500 हैं, चना 15000 हे०, मसूर 2200 हे० आच्छादन का लक्ष्य है। विभाग द्वारा बिरसा बीज उत्पादन, विनिमय वितरण की योजना अन्तर्गत 50 प्रतिशत अनुदान पर जिला के विभिन्न लैम्प्स/पैक्स द्वारा गेहूँ 5935.20 क्वी.. चना 102 क्वी, एवं सरसों 94 क्वी. वितरण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त शतप्रतिशत अनुदान पर बिरसा फसल विस्तार योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन के तहत चना, मसूर, नेशनल मिशन ऑन इडियल ऑयल-ऑयल सीड के तहत सरसों बीज का वितरण ऑन लाईन ओटीपी के माध्यम से ब्लॉक चेन टेक्नोलोजी एवं कृषि मेपर ऐप के माध्यम से किया जा रहा है। इस वर्ष गिरिडीह जिला में भी रबी 2025 से सभी प्रखण्डों में डिजिटल कॉप सर्वे का कार्य भी किया जाना है। जिसके लिए जिला स्तर एवं प्रखण्ड स्तर का दल के साथ साथ सुपरवाईजर एवं सर्वेयर का गठन किया गया है। इसके लिए दो सहायक तकनीकी प्रबंधक एवं दो प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी को प्रशिक्षित किया गया है। किसान समृद्धि योजना के तहत जिला में 410 इकाई लक्ष्य के अनुसार लगाने का कार्य किया जा रहा है। इसके लिए योग्य इच्छुक किसानों से ऑनलाईन आवेदन कराने की बात कही गई। जिला सहकारिता पदाधिकारी, गिरिडीह द्वारा बताया गया कि 15 दिसंबर 2025 से गिरिडीह जिला में 58 केन्द्रों पर धान अधिप्राप्ति किया जायेगा जिसके लिये 2450/- प्रति क्वींटल निर्धारित है। किसान धान बेचने हेतु अपना निबंधन कराएँ। इसके साथ साथ इनके द्वारा बाताया गया कि रबी मौसम में फसलों का बीमा कराया जा रहा है। मात्र एक रुपये टोकन मनी के साथ किसान प्रकृतिक आपदा से फसल नुकसान का लाभहेतु अपना फसल का बीमा अवश्य कराएँ जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, जिला गव्य विकास पदाधिकारी, सहायक मिट्टी रसायनज्ञ, कनीय पौधा संरक्षण पदाधिकारी द्वारा विभागीय संचालित योजनाओं को विस्तार पूर्वक बताया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र के विशेषज्ञ द्वारा रबी मौसम में फसलों में लगने वाले कीट/व्याधि से नुकसान एवं नियंत्रण की जानकारी विस्तार पूर्वक दी गई मंच संचाल रमेश कुमार, प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक, गिरिडीह द्वारा किया गया। कार्यकम में सभी प्रखण्ड के प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक, सहायक तकनीकी प्रबंधक, जनसेवक, किसान मित्र एवं प्रगतिशील किसान विभागीय कर्मचारी सहित 150 प्रतिभागी भाग लिए।

मैंगोमैन की हाईटेक पौधशाल का किसानों ने किया परिभ्रमण

नवबिहार टाइम्स संवाददात

कटिहार ग्रामीण। जिले के अनुभवी हाईटेक पौधशाला व उन्नत बागवानी के लिए मैंगो मेन के उपनाम से मशहूर बागवान कालीदास बनर्जी के प्रक्षेत्र भ्रमणकर किसानों ने बागवानी के गूढ सीखे। जिला कृषि पदाधिकारी सह आत्मा के परियोजना निदेशक मिथिलेश कुमार के निर्देशन में कृषि, अन्न, पशुपालन,मत्स्य पालन, दलहन, तिलहन, मखाना उत्पादन सहित कृषि के अन्य आनुसंगिक क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ाने को लेकर किसानों के बीच प्रेरणादायी कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

इसी कड़ी में बुधवार को आत्मा के परियोजना निदेशक शशिकांत झा के नेतृत्व मे कोढा प्रखंड के रौतारा के अनुभवी, प्रगतिशील किसान, बागवानी व पौधशाला में विशेष ज्ञान, रूचि रखनेवाले बागवान कालीदास बनर्जी के बडे भू भाग मे फैले आम, लीची, अमरूद के प्रक्षेत्र भ्रमण कर नयी तकनीक सीखी। श्री बनर्जी ने समयबद्ध रीति से मौसम के अनुसार बगीचे, ऊद्यान की देख रेख करने सहित समय समय पर पौधे की कटाई छटाई के तरीके व इसकी उपयोगिता बतायी। पौधशाला के लिए कलम बांधने, की विभिन्न विधियों व इसमे इस्तेमाल होनेवाले रसायन, उपकस्कर की जानकारी दी। श्री बनर्जी ने लम्बे अर्से से पेड पौधों के प्रति समर्पित हैं। अपनी कोई संतान नहीं रहने से बनर्जी दम्पति पेड पौधे से शिशुवत स्नेह रखते हैं। श्रीमति बनर्जी भी फलों की विविध जाम जेली सहित अन्य घरेलू उत्पाद बनाने में निपुण हैं। आत्मा के परियोजना उप निदेशक शशिकांत झा ने कहा कि जो काम बड़े बड़े विश्वविद्यलयों, कृषि विज्ञान केन्द्र में अनुसंधान के बाद ही बिरले ही नयी प्रभेद या प्रजाति की खोज कर पाते हैं। श्रीबनर्जी अपनी लगन निष्ठा व सिमित संसाधनों के बीच आम की कई किस्मों की खोज कर चुके हैं। इन्हें इनके कार्यो के लिए देश के भीतर विभिन्न राज्यों की प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों से प्रमाण व प्रशस्ति पत्र भी मिल चुके हैं। इनके चितरंजन आम की ख्याति दूर दूर तक है। मधुमेह रोगियों को भी सुगर फ्री आम का स्वाद मिल सके श्री बनर्जी इस दिशा मे भी खोजरत है। आवश्यकता है कालीदास बनर्जी एवं इनके जैसे अनुभवी, प्रगतीशील किसानो के अनुभव से लाभ उठाने की। कृषि विभाग ऐसे किसानों को विभागीय स्तर से इन जैसे प्रगतिशी, अनुभवी, लगनशील किसानों का समायोजन कर इनके अनुभव का भरपूर लाभ उठावें। इस परिभ्रमण कार्यक्रम में जिले के हसनगंज, मनसाही, कटिहार प्रखंड के कुल एक सौ पचास से अधिक किसानों एवं कर्मियों ने भाग लिया।

इस साल स्मॉल कैप 5 प्रतिशत टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 2025 में अब तक स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड्स के प्रदर्शन में गिरावट देखी गई है और ये औसतन 5 प्रतिशत नीचे गिरे हैं। इसके बावजूद, बाजार के जानकारों का कहना है कि यह घबराने का नहीं, बल्कि समझदारी से निवेश करने का समय है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, जिन निवेशकों का नजरिया 3 से 5 साल का है उन्हें बाजार की इस गिरावट को एक मौके की तरह देखना चाहिए और एसआइपी के जरिए निवेश जारी रखना चाहिए। ट्रस्ट म्यूचुअल फंड के सीईओ संदीप बागला ने ईटी को बताया कि अगर नजरिया 3-5 साल का है, तो निवेशक को स्मॉल कैप में निवेश बढ़ाना चाहिए। आनंद राठी वेल्थ के डायरेक्टर ऋषिकेश कहते हैं कि गिरावट सामान्य बात है और यह मार्केट साइकल का हिस्सा है। सबसे जरूरी बात टाइमिंग (कब पैसा लगाएं) नहीं, बल्कि यह है कि आपका एलोकेशन (पैसा किस अनुपात में लगा है) सही हो। उनका कहना है कि अगर आपके पोर्टफोलियो का 80 प्रतिशत हिस्सा स्मॉल कैप में है तो इसे कम करें। अगर बहुत कम या बिल्कुल निवेश नहीं है, तो धीरे-धीरे निवेश बढ़ाकर बैलेंस बनाएं। लंबे समय पर फोकस रखें।

63 फीसदी बढ़कर 14700 पहुंच गई वाहन बिक्री

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री बढ़ाने के लिए कंपनियों ने बड़ी छूट की शुरुआत की है। महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स, ह्यूंडई और किआ सुस्त मांग को बढ़ावा देने के लिए रिकॉर्ड छूट की घोषणा की हैं। 22 सितंबर से पेट्रोल और डीजल कारों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती के बाद ऐसे पर्यावरण अनुकूल वाहनों की बिक्री में गिरावट आई है। यह कदम पेट्रोल और डीजल कारों पर जीएसटी में कटौती के बाद कंपनियों ने उठाया है, जिससे कीमतों में अंतर बढ़ गया है और इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री कम हो गई है। प्रमुख वाहन निर्माताओं ने सुस्त मांग से निपटने और मौजूदा स्टॉक को नए साल के पहले खाली करने के लिए ईवी पर साल के अंत में रिकॉर्ड छूट की पेशकश शुरू कर दी हैं। ये कटौती सीमित समय के लिए साल के अंत में की जा रही हैं। इनका उद्देश्य इलेक्ट्रिक सेगमेंट में बाजार की गतिविधियों में सुधार लाना है। इससे बदलाव आ रहा है। इस साल नवंबर में ईवी की पहुंच घटकर 3.7 प्रतिशत रह गई। जीएसटी में बदलाव से पहले 5 फीसदी थी। कुल वाहनों का पंजीकरण नवंबर में 20 प्रतिशत बढ़कर 3.94 लाख के पार रहा। हालांकि, लग्जरी ईवी बाजार कम छूट के साथ स्थिर बना हुआ है।

अडानी ग्रीन एनर्जी के 2.8 करोड़ शेयर बेच दिए गए

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में आज बुधवार, 10 दिसंबर को करीब 2 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। यह उछाल उस बड़े सौदे के बाद आया, जिसमें लगभग 2.8 करोड़ शेयरों में डील हुई। यह ब्लॉक डील प्री-ओपन सेशन में हुई और इतनी बड़ी मात्रा कंपनी की कुल इक्विटी का लगभग 1.7 प्रतिशत हिस्सा दर्शाती है। बाजार में इस बड़े लेनदेन ने अचानक हलचल बढ़ा दी है हालांकि खरीदार और विक्रेता का नाम अभी सामने नहीं आया है। ब्लॉक डील में शेयरों का औसत भाव करीब 970 प्रति शेयर रहा, जिससे कुल लेनदेन का मूल्य लगभग 2,718 करोड़ बैठता है। ताज़ा डील के बाद निवेशकों की नजर कंपनी की शेयरहोल्डिंग स्ट्रक्चर पर भी टिक गई है। सितंबर तिमाही के अंत में अडानी ग्रीन में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 62.43 प्रतिशत थी। वहीं सार्वजनिक निवेशकों में म्यूचुअल फंड्स के पास 1.64 प्रतिशत और एलआईसी के पास 1.3 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। जीक्यूजी पार्टनर्स के पास 1.85 प्रतिशत हिस्सेदारी और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के पास कुल 11.29 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

चांदी ने 11 महीने में वो कर दिया जो सोना 1 साल में भी नहीं कर पाया

चांदी की कीमत बुधवार सुबह 1.90 लाख रुपये प्रति किलो के पार निकल गई

नई दिल्ली, एजेंसी। चांदी इस साल खूब चमक रही है। एमसीएक्स पर मार्च डिलीवरी वाली चांदी की कीमत बुधवार सुबह 1.90 लाख रुपये प्रति किलो के पार निकल गई। एक दिन पहले मंगलवार को भी चांदी में जबरदस्त तेजी आई। यह रेकॉर्ड 1.88 लाख रुपये प्रति किलो के नए रेकॉर्ड पर पहुंच गई थी। अब बुधवार को इसने फिर से अपना नया रेकॉर्ड बना लिया। बुधवार सुबह सोना भी मामूली तेजी के साथ खुला। लेकिन इस साल रिटर्न के मामले में चांदी ने सोने को पीछे छोड़ दिया है।

इस साल के 11 महीनों में चांदी की कीमत दोगुनी से ज्यादा हो गई है। चांदी में यह तेजी सोने से भी ज्यादा रही। इस साल इन 11 महीनों में चांदी ने जो रिटर्न दिया है, सोना पूरे एक साल में नहीं दे पाया। इस साल जनवरी से लेकर नवंबर तक चांदी का रिटर्न करीब 100 फीसदी रहा है। वहीं सोने ने 60 फीसदी रिटर्न दिया है। वहीं पिछले एक साल में सोने में 60 फीसदी और चांदी में करीब 90 फीसदी की तेजी रही। चांदी की कीमत में तेजी का सबसे बड़ा कारण इसकी मांग में आई अचानक तेजी है। वहीं अक्टूबर में चीन से चांदी का निर्यात 660 टन से अधिक के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जबकि चीन का भंडार पिछले दस सालों में सबसे निचले स्तर पर आ गया। ऐसा लंदन को बड़ी शिपमेंट के कारण हुआ, जो सप्लाई में कमी का नतीजा था। वहीं दूसरी ओर इस बात की उम्मीदें बढ़ रही हैं कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में और कटौती करेगा। फेड रिजर्व आज रात ब्याज दरों की घोषणा करेगा। अगर ब्याज दरों में कटौती होती है तो सोना और चांदी की की कीमत में और तेजी देखी जा सकती है। साल 2026 के अंत फेड रिजर्व ब्याज दरों में तीन बार कटौती कर सकता है। ऐसे में आने वाले समय में सोना और चांदी की कीमत में और तेजी देखी जा सकती है।

सोने को पछाड़ा, बनाया रेकॉर्ड

इस साल यानी 2025 की शुरुआत में चांदी के मुकाबले सोना काफी तेजी से आगे बढ़ रहा था। कुछ समय बाद सीन पूरी तरह बदल गया। सोने में रफ्तार थमी और चांदी ने तेजी पकड़ ली। साल के अंत में स्थिति यह हो गई कि चांदी ने रिटर्न के मामले में सोने को काफी काफी पीछे छोड़ दिया। वहीं दूसरी ओर चांदी में इस साल कई रेकॉर्ड बना दिए हैं। ये रेकॉर्ड न केवल तेजी के हैं बल्कि कीमत के भी हैं। चांदी की कीमत अब रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है।

कितना था जनवरी में भाव

इस साल 2 जनवरी को एमसीएक्स पर चांदी की कीमत करीब 90 हजार रुपये प्रति किलो थी। वहीं अब यह करीब 1.90 लाख रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है। ऐसे में देखें तो इसमें अब तक करीब 111 फीसदी की तेजी आई है। वहीं इंटरनेशनल लेवल पर 2 जनवरी को चांदी 28 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। फिलहाल चांदी अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर यानी करीब 57 डॉलर पर कारोबार कर रही है। यह पिछले महीने में 20 प्रतिशत से ज्यादा और इस साल अब तक 100 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ोतरी है।

दुनिया का सबसे बड़ा आईपीओ लाने की तैयारी में एलन मस्क

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क नया इतिहास बनाने जा रहे हैं। उनकी कंपनी स्पेसएक्स अगले साल यानी 2026 में दुनिया का सबसे बड़ा आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। सूत्रों के मुताबिक कंपनी इस आईपीओ से 30 अरब डॉलर से भी ज्यादा की रकम जुटा सकती है। इस पर कंपनी की वैल्यूएशन करीब 1.5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

मौजूदा सेकंडरी ऑफरिंग में स्पेसएक्स के शेयर की वैल्यू करीब 420 डॉलर तय की गई है। इससे कंपनी का मूल्यांकन 800 अरब डॉलर से ऊपर चला गया है। अगर स्पेसएक्स इस वैल्यूएशन पर कंपनी का 5 प्रतिशत हिस्सा बेचती है, तो उसे 40 अरब डॉलर के शेयर बेचने होंगे। यह इसे अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ बना देगा। स्पेसएक्स अभी दुनिया की सबसे वैल्यूएबल स्टार्टअप कंपनी है।

कब तक आएगा आईपीओ?

कोशिश कर रहे हैं। हालांकि बाजार की स्थिति और कुछ अन्य वजहों से यह तारीख आगे बढ़कर 2027 तक भी जा सकती है। स्पेसएक्स ने इस बारे में तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की है। अब तक सबसे बड़ा आईपीओ सऊदी अरब की सरकारी तेल कंपनी सऊदी अरामको का रहा है जिसने 2019 में आईपीओ के जरिए 29 अरब डॉलर जुटाए थे। हालांकि कंपनी ने केवल 1.5 फीसदी हिस्सेदारी बेची थी। सूत्रों ने बताया कि मस्क और कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने हाल के दिनों में आईपीओ और फंड जुटाने की योजनाओं को आगे बढ़ाया है। स्पेसएक्स के आईपीओ की राह तेज होने की एक बड़ी वजह उसका तेजी से बढ़ती स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस है।

भारत पर अमेरिकी टैरिफ को लेकर रघुराम राजन का बड़ा बयान, बोले- पाकिस्तान ने अच्छा खेला...

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की ओर से भारतीय सामान पर लगाए गए भारी टैरिफ को लेकर पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन के बयान ने नई बहस खड़ी कर दी है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में राजन कहते हुए नजर आए हैं कि ट्रंप प्रशासन ने 50 प्रतिशत टैरिफ रूस से तेल खरीद को लेकर नहीं, बल्कि भारत द्वारा ट्रंप की पाकिस्तान को लेकर की गई टिप्पणी का समर्थन न करने की वजह से लगाया। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ढांचे को निशाना बनाने

के लिए ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। इस सैन्य कार्रवाई के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा, जिसके बाद 10 मई को संघर्ष विराम की घोषणा हुई। ट्रंप ने दावा किया कि यह उनके हस्तक्षेप से यह संभव हुआ।

भारत ने इसे खारिज करते हुए कहा कि यह समझौता पाकिस्तान की ओर से डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस के जरिए बातचीत के बाद हुआ। पहले पाकिस्तान ने भी इस दावे को अस्वीकार किया, बाद में उसने इसे स्वीकार करते हुए ट्रंप को 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित कर दिया। राजन के बयान के बाद सोशल मीडिया पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। कई यूजर्स ने कहा कि भारत ने झूठी कहानी स्वीकार नहीं की और यही संप्रभु रुख था, जबकि पाकिस्तान ने कूटनीति के लिए ट्रंप को श्रेय दिया।

राजन ने क्या कहा

ज्यूरिख में एक कार्यक्रम के दौरान राजन ने कहा कि मुद्दा रूसी तेल नहीं थाज यह व्हाइट हाउस में मौजूद कुछ व्यक्तित्वों का मसला था और भारत ने ट्रंप की टिप्पणी को कैसे लिया, इसका असर पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने ट्रंप के दावे को स्वीकार कर उसके पक्ष में बयान दिए, जबकि भारत ने कहा कि संघर्ष विराम बिना अमेरिकी भूमिका के हुआ था। राजन के अनुसार पाकिस्तान ने खेल समझा और ट्रंप को श्रेय दिया, इसलिए उसे 19 प्रतिशत टैरिफ झेलना पड़ा, जबकि भारत को 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया।

पाकिस्तान ने ट्रंप के हर दावे का किया समर्थन

राजन ने स्विट्जरलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिख में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद हुए संघर्ष विराम पर ट्रंप ने जिस तरह दावा किया था कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को बातचीत के लिए मनाया, भारत ने उस दावे का समर्थन नहीं किया। इसके उलट पाकिस्तान ने इस दावे पर कोई आपत्ति नहीं जताई। जबकि पाकिस्तान 'साथ खेला' और उसे केवल 19 प्रतिशत शुल्क झेलना पड़ा। यह वीडियो 4 दिसंबर का बताया जा रहा है, वीडियो के सामने आने के बाद इंटरनेट पर कई यूजर्स ने राजन पर सच तोड़ने-मरोड़ने और भारत को कमजोर दिखाने का आरोप लगाया है।

यूट्यूब वीडियो ने किया प्रेरित से सीखा काम, अब सालाना 40 लाख का टर्नओवर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में दशकों से लाखों महिलाओं का जीवन घर और परिवार की जिम्मेदारियों के इर्द-गिर्द घूमता रहा है। इसी पैटर्न पर चलते हुए दिल्ली की सुमन सुखीजा भी एक समर्पित गृहिणी थीं। उनकी दुनिया शिक्षा, विवाह और बच्चों के पालन-पोषण तक सीमित थी। लेकिन, जब उनके बच्चे आत्मनिर्भर हुए और उन्हें अचानक खाली समय मिला तो उन्होंने इसे नकारात्मकता में नहीं बदलने का संकल्प लिया। इस एक विचार ने उनके जीवन की दिशा बदल दी। बिना किसी वैज्ञानिक या व्यावसायिक पृष्ठभूमि के उन्होंने ऑरेंज हर्ब नाम का वेलनेस ब्रांड बनाया। आज यह सालाना 40 लाख रुपये का कारोबार करता है। उनकी यह यात्रा एक साधारण 10×10 फीट के कमरे से शुरू हुई। वह अब भारत में हजारों महिलाओं के लिए उद्यमिता और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन चुकी हैं। आइए, यहां सुमन सुखीजा की सफलता के सफर के बारे जानते हैं।

छोटे सा कमरा बना प्रयोगशाला: कीड़ा जड़ी की खेती सीखने के दृढ़ संकल्प के साथ सुमन ने फरवरी 2018 में विशेष प्रशिक्षण लिया। वापस आकर उन्होंने अपने घर के एक साधारण 10×10 फीट के कमरे को एक प्रयोगशाला में बदल दिया। हालांकि, अनुभव की कमी के कारण उनका पहला पूरा बैच बर्बाद हो गया। 11 लाख रुपये का शुरुआती निवेश भारी पड़ गया। लेकिन,

विफलता से हार मानने के बजाय उन्होंने इससे सबक लिया। उन्होंने साफ-सफाई के कड़े प्रोटोकॉल अपनाए, हर उपकरण को स्टरलाइज किया और वैज्ञानिक प्रक्रियाओं पर फोकस किया। आखिरकार उनकी मेहनत रंग लाई। पहली सफल कटाई (लगभग 200-250 ग्राम) हुई। इसने यह साबित कर दिया कि वह सीख सकती हैं, ढल सकती हैं और सफल हो सकती हैं।

2020 में दिल्ली के द्वारका में एक बड़ी 250 वर्ग फीट की प्रयोगशाला में शिफ्ट होने के बाद सुमन ने उत्पादन बढ़ाया। बेटे राहुल के शामिल होने से उन्हें ऑपरेशंस और मैनेजमेंट में मदद मिली। ग्राहकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने पर उन्होंने 2021 में अपने उत्पादों को औपचारिक रूप देने के लिए ऑरेंज हर्ब ब्रांड लॉन्च किया। अब यह ब्रांड प्रति साइकिल 16 से 20 किलो कॉर्डिसेप्स मशरूम का उत्पादन करता है। इससे सालाना 40 लाख रुपये की कमाई होती है।

यूट्यूब वीडियो ने किया प्रेरित

सुमन सुखीजा का जीवन वर्षों तक एक ठेठ भारतीय गृहिणी के जैसा रहा। परिवार और घरेलू जिम्मेदारियों के इर्द-गिर्द केंद्रित। हालांकि, जब उनके बच्चे बड़े होकर आत्मनिर्भर हो गए तो अचानक उन्हें लंबे समय का खालीपन महसूस हुआ। 45 साल की उम्र में उन्होंने इस खाली समय को क्रिएटिविटी में बदलने का फैसला किया। वह मानती हैं कि महिलाओं को न केवल पैसे के लिए, बल्कि आत्मविश्वास और गरिमा के लिए कमाना चाहिए। इस विचार ने उन्हें मशरूम की खेती की ओर मोड़ा। वीडियो देखकर उन्होंने इसके बारे में काफी कुछ जाना और सीखा। शुरू में बटन या ऑयस्टर मशरूम में दिलचस्पी रखने वाली सुमन पांच दिन के प्रशिक्षण के दौरान कॉर्डिसेप्स मिलिटैरिस यानी कीड़ा जड़ी से प्रभावित हुईं। यह एक दुर्लभ और औषधीय मशरूम है।

टाटा ग्रुप की कंपनियों के लिए बुरा सपना साबित हुआ 2025 का साल

नई दिल्ली, एजेंसी। 2025 का साल टाटा ग्रुप की कई कंपनियों के लिए अच्छा नहीं रहा है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड, ट्रेंट लिमिटेड, दी इंडियन होटल कंपनी लिमिटेड , वोल्टास और तेजस नेटवर्क लिमिटेड के शेयरों में इस साल 60 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। जिसकी वजह से ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों को मार्केट कैप 5.5 लाख करोड़ रुपये घट गया है।

इन कंपनियों के शेयरों में उछाल: टाइटन कंपनी लिमिटेड, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड और टाटा स्टील के शेयरों की कीमतों में 15 से 25 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। ग्रुप के मार्केट कैप में इन कंपनियों का योगदान 1 लाख करोड़ रुपये का योगदान है।

घटकर कितना हुआ मार्केट कैप

टाटा ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप अब घटकर 25.57 लाख करोड़ रुपये हो गया है। 31 दिसंबर 2024 को समूह की लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 31.09 लाख करोड़ रुपये रहा था। जोकि 17.76 प्रतिशत की गिरावट को दिखाता है। टाटा ग्रुप की धाकड़ कंपनी टीसीएस के शेयरों की कीमतों में 21 प्रतिशत की गिरावट आई है।

लॉन्च के दिन ही सोल्डआउट, 5,000 करोड़ का बिजनेस

शाहरुख खान के सम्मान में बनाया गया एक प्रीमियम कमर्शियल टॉवर को निवेशकों ने हाथोंहाथ लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। दुबई में बॉलीवुड के मेगास्टार शाहरुख खान के सम्मान में बनाया गया एक प्रीमियम कमर्शियल टॉवर को निवेशकों ने हाथोंहाथ लिया है। लॉन्च के पहले दिन ही यह पूरी तरह सोल्डआउट हो गया। शाहरुख द्वारा डेन्यूब के लॉन्च के मौके पर खुद शाहरुख खान और डेन्यूब ग्रुप के फाउंडर और चेयरमैन रिजवान साजन मौजूद थे। इस मौके पर साजन ने कहा कि 2.1 बिलियन दिरहम (करीब 5,000 करोड़ रुपये) का यह प्रोजेक्ट लॉन्च के दिन ही पूरी तरह से बिक गया।

दुबई एग्जीबिशन सेंटर, एक्सपो सिटी में हुए लॉन्च में छह हजार से ज्यादा मेहमान शामिल हुए। इनमें यूएई की जानी-मानी हस्तियां, टॉप क्रिएटर्स, बड़े बिजनेसमैन, रियल एस्टेट के बड़े नाम और ग्लोबल मीडिया के लोग शामिल थे। इस मौके पर साजन ने कहा कि शाहरुख द्वारा डेन्यूब की रेकॉर्ड तोड़ सफलता हमारे लिए गर्व का पल है। इस जबरदस्त प्रतिक्रिया से साफ पता चलता है कि इस प्रोजेक्ट में बेजोड़ वैल्यू है। इसकी लोकेशन शानदार है, जहां से दुबई की मुख्य जगहों तक आसानी से पहुंचा जा

सकता है। उन्होंने कहा कि इसमें वर्ल्ड-क्लास सुविधाएं और ग्लोबल लग्जरी स्टैंडर्ड्स से प्रेरित शानदार डिजाइन है। इस टॉवर का हर हिस्सा एक अलग लाइफस्टाइल देने के लिए सोचा गया था। यह शेख जायद रोड पर शान से खड़ा होगा और ग्लोबल उद्यमियों, इनोवेटर्स और दूरदर्शी लोगों के लिए एक प्रतिष्ठित पता बनेगा। एक ही छत के नीचे 35 से ज्यादा सुविधाएं होने के कारण, यह टॉवर प्रोफेशनल लाइफ को बेहतर बनाने और काम-जीवन संतुलन को सहज रूप से बढ़ाने के लिए सोच-समझकर डिजाइन किया गया है। लॉन्च के मौके पर शाहरुख खान ने कहा, दुबई में इस बड़े पैमाने के प्रोजेक्ट का मेरे नाम पर होना मेरे लिए सम्मान की बात है और यह याद दिलाता है कि कैसे उदारता और दूरदर्शिता एक साथ आ सकती है। दुबई ने हमेशा मुझे गर्मजोशी से अपनाया है - यह एक ऐसा शहर है जो साहस, कल्पना और इस विश्वास पर बना है कि कुछ भी असंभव नहीं है। शाहरुख द्वारा डेन्यूब उसी भावना को दर्शाता है। मैं मिस्टर रिजवान साजन और डेन्यूब के साथ जुड़कर आभारी हूं। यह एक ऐसा ब्रांड है जो लगातार सीमाओं को पार करता है और लोगों को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करता है। डेन्यूब प्रॉपर्टीज, डेन्यूब ग्रुप की एक सहायक कंपनी है। यह यूएई के प्रमुख प्राइवेट रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक है और इस क्षेत्र के ग्राउंडब्रेकिंग 1 प्रतिशत पेमेंट प्लान की प्रणेता है। 1993 में रिजवान साजन द्वारा स्थापित इस कंपनी ने अब तक 41 प्रोजेक्ट लॉन्च किए हैं, जिनमें से 20 सफलतापूर्वक डिलीवर किए।

सिर्फ 13 पैसे के फायदे पर हुई लिस्टिंग, फिर रॉकेट बन गया शेयर

11 प्रतिशत से ज्यादा उछला दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। विद्या वायर्स की शेयर बाजार में सुस्त शुरुआत हुई है। विद्या वायर्स के शेयर बुधवार को बीएसई में सिर्फ 13 पैसे के फायदे के साथ लिस्ट हुए हैं। कंपनी के शेयर बीएसई में 52.13 रुपये पर लिस्ट हुए। वहीं, एनएसई में विद्या वायर्स के शेयर बिना नफे-नुकसान के फ्लैट 52 रुपये पर लिस्ट हुए। आईपीओ में विद्या वायर्स के शेयर का दाम 52 रुपये था। हालांकि, फ्लैट लिस्टिंग के बाद विद्या वायर्स के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 3 दिसंबर 2025 को खुला था और यह 5 दिसंबर तक ओपन रहा। विद्या वायर्स के आईपीओ का टोटल साइज 300.01 करोड़ रुपये तक का था।

लिस्टिंग के बाद रॉकेट बन गए शेयर: सधी लिस्टिंग के बाद विद्या वायर्स के शेयर बीएसई में 11 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 58.48 रुपये पर पहुंच गए। वहीं, एनएसई में कंपनी के शेयर उछाल के साथ 58.45 रुपये पर जा पहुंचे हैं। विद्या वायर्स का मार्केट कैप 1200 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। कारोबार के दौरान विद्या वायर्स के शेयरों ने बीएसई में 50.09 रुपये के निचले स्तर को भी छुआ।

क्या करती है कंपनी: विद्या वायर्स की शुरुआत साल 1981 में हुई है। विद्या वायर्स कॉपर और एल्युमीनियम वायर्स बनाती है। कंपनी अलग-अलग इंडस्ट्रीज के लिए वाइडिंग और कंडक्टिविटी प्रॉडक्ट्स की मैन्युफैक्चरिंग करती है। कंपनी के प्रॉडक्ट्स एनर्जी जेनरेशन, इलेक्ट्रिकल सिस्टम्स, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, रेलवे एंड क्लीन एनर्जी जैसे क्रिटिकल एप्लीकेशंस में इस्तेमाल होते हैं। कंपनी ने अपनी मैन्युफैक्चरिंग कैपेसिटी का विस्तार करके सालाना 19,680 एमटी कर लिया है और इसके बढ़ाकर 37,680 एमटी करने की योजना है।

नगर पंचायत की योजनाओं की उपायुक्त ने की समीक्षा

संचालित कार्यों को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पूर्ण करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त आर. रॉनिटा की अध्यक्षता में नगर पंचायत की विभिन्न योजनाओं को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित हुए। बैठक के दौरान उपायुक्त ने नगर पंचायत क्षेत्र के सभी वार्डों में चल रही योजनाओं की एक-एक कर समीक्षा की। इनमें प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), पेयजल आपूर्ति, साफ-सफाई व्यवस्था, होल्डिंग टैक्स, ट्रेड लाइसेंस, राजस्व संग्रहण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, नालियों की सफाई, स्ट्रीट लाइट की मरम्मत, सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदु शामिल थे।

उपायुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के तहत निमार्णाधीन आवास, लाभुकों को हुए किस्त की राशि का भुगतान एवं पूर्ण हुए आवास की जानकारी ली गई। उपायुक्त ने लाभुकों को ससमय किस्त की राशि का भुगतान करते हुए निमार्णाधीन आवासो को पूर्ण कराने का निर्देश दिया। होल्डिंग टैक्स एवं ट्रेड लाइसेंस को लेकर उपायुक्त ने समीक्षा करते हुए ट्रेड लाइसेंस निर्गत करने एवं वार्षिक लक्ष्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए। रेवेन्यू कलेक्शन की स्थिति की समीक्षा करते हुए लक्ष्य के अनुरूप संग्रहण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शहर को स्वच्छ रखने की दृष्टिकोण से उपायुक्त ने कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत को निर्देशित किया कि नगर पंचायत क्षेत्र में साफ सफाई का विशेष ध्यान दें, जिससे शहर को स्वच्छ रखा जा सके। आवश्यकता अनुसार अतिक्रमण को लेकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए, जिससे क्षेत्र को स्वच्छ रखा जा सके।

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि क्षेत्र में नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। पेयजल आपूर्ति हेतु हाउस होल्ड कनेक्शन की जानकारी लेते हुए पेयजल आपूर्ति पर भी चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। नगर पंचायत क्षेत्र में लगे सभी स्ट्रीट लाइट को शत-प्रतिशत क्रियाशील बनाया जाए तथा नगर पंचायत द्वारा निर्मित पार्क आदि के बेहतर रख रखाव को लेकर भी आवश्यक निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी कार्य समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पूर्ण हों ताकि जनता को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

मानवाधिकार दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बुधवार को विश्व मानवाधिकार दिवस पर महिला थाना शहर परिसर में महिलाओं व बच्चियों के बीच जागरूकता अभियान आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में शहर अंचल निरीक्षक, शहर थाना प्रभारी, महिला थाना शहर के पुलिस पदाधिकारी व कर्मी, डीएलएसए द्वारा नियुक्त पीएलवी, विमेंस कॉलेज की प्रोफेसर व आबादगंज कोचिंग संस्थान के शिक्षक उपस्थित थे।कार्यक्रम में आबादगंज स्थित कोचिंग संस्थान में पढ़ने वाली बच्चियां, विमेंस कॉलेज की छात्राएं व अन्य महिलाएं शामिल हुईं। जागरूकता अभियान के दौरान उपस्थित महिलाओं व बच्चियों को भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। साथ ही उन्हें यह भी समझाया गया कि अपने अधिकारों की रक्षा कैसे करें। साथ ही ऐसी स्थितियों में पुलिस व विधिक सेवाओं से किस प्रकार सहायता प्राप्त की जा सकती है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित महिलाओं व बच्चियों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। साथ ही उसके समाधान हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए।

अस्पताल में सामानों की चोरी को ले कांग्रेस में रार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। झारखंड की उपराजधानी दुमका के हंसडीहा में केंद्र सरकार की राशि और सीसीएल के उरफफंड से करीब 300 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल इस समय बड़े राजनीतिक विवाद के केंद्र में है।

अस्पताल के अंदर लगे कीमती उपकरणों व सामग्रियों की बड़ी चोरी सामने आने के बाद सूबे की कांग्रेस राजनीति में ही भूचाल आ गया है। झारखंड विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव और राज्य सरकार में कांग्रेस कोटे के स्वास्थ्य मंत्री डा. इरफान अंसारी के बीच तीखी तकरार खुलकर सामने आ गई है। यह विवाद सिर्फ सरकारी तंत्र की कार्यप्रणाली पर सवाल नहीं खड़ा करता, बल्कि कांग्रेस के भीतर बढ़ती असहमति को भी उजागर करता है। सत्र के दूसरे दिन सोमवार को यह मामला उस समय गर्मा गया, जब कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने स्वास्थ्य विभाग से जुड़े विषय पर ध्यान आकर्षण प्रस्ताव के दौरान हंसडीहा अस्पताल में हुई चोरी की घटना उठाई।

उन्होंने सदन में दावा किया कि अस्पताल में लगी कीमती मशीनों, उपकरणों और अन्य सामग्रियों की लगभग 25 करोड़ रुपये के आसपास चोरी हुई है। उन्होंने बताया कि अस्पताल अभी तक आम जनता के लिए शुरू नहीं हुआ, लेकिन इस बीच बड़े पैमाने पर मशीनें गायब कर दी गईं। प्रदीप यादव ने विभाग के उत्तर पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि अगर 300 करोड़ की परियोजना से करोड़ों की मशीनें गायब हो जाएं तो यह साधारण बात नहीं है। उन्होंने पूरे प्रकरण की गंभीर जांच कराने और जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। स्पीकर ने इस अपील को स्वीकार करते हुए इसे सदन के संज्ञान में लाने की अनुमति दी। सदन के भीतर उठे आरोपों के बाद स्वास्थ्य मंत्री डा. इरफान अंसारी तीखे तेवर में नजर आए। विधानसभा परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने प्रदीप यादव पर सीधा हमला बोलते हुए कहा- चोरी हुई है, लेकिन उतनी नहीं जितनी बात कही जा रही है।

थम नहीं रही कछुए की तस्करी, 32 दिनों में तीसरी खेप धराई

60 कछुए के साथ दो तस्कर चढ़े पुलिस के हत्थे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। योग नगरी ऋषिकेश से हावड़ा जा रही दून एक्सप्रेस से एक बार फिर जिंदा कछुए बरामद किए गए हैं। ट्रेन के जनरल कोच से कुल 60 कछुए मिले। आरपीएफ और सीआइबी की टीम ने कछुआ तस्करी में शामिल उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरपीएफ अधिकारियों के अनुसार दून एक्सप्रेस में कछुआ तस्करी की लगातार हो रही घटनाओं को देखते हुए निगरानी बढ़ा दी गई थी। ट्रेन गोमो स्टेशन से खुलने के बाद ब्रेक-वान से सटे जनरल कोच में दो संदिग्ध व्यक्तियों को देखा गया।

तलाशी लेने पर उनके पास से जिंदा कछुए मिले। दोनों को कछुओं समेत धनबाद स्टेशन पर उतारकर हिरासत में ले लिया गया। पकड़े गए तस्करों में पश्चिम बंगाल के 24 परगना निवासी 59 वर्षीय राम दास और उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर निवासी 58 वर्षीय हिमांशु वैध शामिल हैं।

पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जनपद के अतरौलिया थाना क्षेत्र में पत्तल बनाने वाले मुसहर समुदाय के लोगों से लगभग 120 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से कछुए खरीदते थे।

इसके बाद इन्हें चोरीझछिपे ट्रेन से पश्चिम बंगाल ले जाया जाता था और 24 परगना जिले में रहने वाले कार्तिक शाह नाम के व्यक्ति को बेचा जाता था। कार्तिक इन कछुओं का क्या करता है, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। तस्करों ने बताया कि वे पिछले दो वर्षों से यह काम कर रहे हैं और महीने में दो-तीन बार आना-जाना करते हैं।

दून एक्सप्रेस से 32 दिनों के भीतर कछुए बरामद होने की यह तीसरी घटना है। इससे पहले 7 नवंबर को 78 और 3 दिसंबर को 35 जिंदा कछुए मिले थे। पिछली दोनों बरामदगियों में तस्कर पकड़े नहीं जा सके थे।

सीआइबी इंस्पेक्टर अरविंद कुमार राम, आरपीएफ एएसआइ जीवालाल राम, शशिकांत तिवारी, फूलचंद महतो, बृजेश कुमार, विकास कुमार, उमापति सिंह, अमित वर्मा और तनवीर इस अभियान में शामिल थे। यूपी से ट्रेन के जरिए बंगाल में कछुओं की तस्करी एक पुराना और संगठित अवैध नेटवर्क है। पकड़े गए मामलों और वाइल्डलाइफ विशेषज्ञों के अनुसार, इन कछुओं का उपयोग मुख्य रूप से चार तरह किया जाता है:

भाजपा ने सरकार पर लगाया वादा खिलाफी का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के चौथे दिन बुधवार को सदन का माहौल पूरी तरह से राजनीतिक तकरार और हंगामे से भरा रहा। विपक्षी भाजपा विधायकों ने राज्य सरकार को उसके सात वचनों की याद दिलाने के लिए अनोखा तरीका अपनाया। भाजपा विधायक नीरा यादव ने हाथों में तख्ती लेकर फिल्मी गीत क्या हुआ तेरा वादा, भूल गए वो दिन... गाकर सरकार पर तंज कसा। उनके इस अंदाज में अन्य भाजपा विधायक भी शामिल हुए और सरकार की वादाखिलाफी को जनता के सामने रखने की कोशिश की। विधायकों का आरोप है कि हेमंत सोरेन की सरकार ने सत्ता में आने से पहले सात प्रमुख वादे किए थे, जिनमें साढ़े चार सौ रुपये में गैस सिलिंडर, हर साल दस लाख युवाओं को रोजगार, तथा गरीबों को समय पर छात्रवृत्ति जैसे मुद्दे शामिल थे। लेकिन सरकार एक भी वचन पर खरी नहीं उतर सकी है। उनका कहना है कि सरकार विकास योजनाओं की बजाय बालू और संसाधनों की बंदरबांट में व्यस्त है। छात्रवृत्ति, विधवा पेंशन और मइया सम्मान योजना जैसी कई लाभकारी योजनाएं ठप पड़ी हैं, जिससे जनता निराश है। बीजेपी विधायकों ने कहा कि सात वचनों को पूरा होने तक वे सदन से सड़क तक आंदोलन जारी रखेंगे।

इधर मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि उनके पास कोई ठोस आंकड़ा नहीं है और वे सिर्फ बालू जैसे मुद्दों से जनता को भटका रहे हैं। भाजपा विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि सदन में विपक्ष को बोलने नहीं दिया जा रहा है और सरकार धनबाद कोलियरी क्षेत्र में हो रहे जहरीली गैस रिसाव पर भी उदासीन है।

विधायक पूर्णिमा साहू ने भी सरकार को हर मोर्चे पर विफल बताया। वहीं, कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह, शिल्पी नेहा तिर्की और मंत्री दीपिका सिंह पांडेय ने बीजेपी पर ड्रामेबाजी का आरोप लगाया और कहा कि खजाना खाली करने का काम 2014-2019 में भाजपा सरकार ने ही किया था।

अस्पताल के सुदृढ़ संचालन को ले उपायुक्त ने की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। आज समाहरणालय के सभागार में अड़की प्रखण्ड में संचालित कल्याण अस्पताल के समुचित एवं प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करने हेतु उपायुक्त आर रॉनिटा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अस्पताल के दैनिक संचालन, चिकित्सक एवं मेडिकल स्टाफ की उपलब्धता, आवश्यक मेडिकल सामग्रियों एवं उपकरणों की खरीद, तथा स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन से संबंधित बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया।

बैठक के दौरान प्रस्तुति के माध्यम से अस्पताल में बेसिक रिहैबिलिटेशन सुविधाओं, व्यापक नवीनीकरण, विद्युतीकरण, तथा डेंटल क्लिनिक, आई क्लिनिक और एनसीडी क्लिनिक की स्थापना से जुड़ी प्रगति का अवलोकन किया गया। विभिन्न प्रकार के आवश्यक मेडिकल उपकरणों एवं संसाधनों के क्रय को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई।

उपायुक्त ने समीक्षा करते हुए कहा कि संबंधित सभी विभागीय पदाधिकारी स्वयं अस्पताल का निरीक्षण करें और क्रय किए जाने वाले उपकरणों एवं सामग्रियों की अद्यतन सूची पुनः तैयार करें, ताकि किसी भी आवश्यक सामग्री या मेडिकल इक्विपमेंट के छूटने की स्थिति न बने। उन्होंने प्रतिनियुक्त सभी चिकित्सकों को अनिवार्य रूप से अस्पताल में उपस्थित रहने तथा स्वास्थ्य सेवाओं को निर्बाध रूप से संचालित करने का भी निर्देश दिया।

इसके साथ ही उन्होंने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखने एवं डेंटल, आई तथा एनसीडी क्लिनिक के लिए आवश्यक गुणवत्ता वाले उपकरण उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

बैठक में एनसीडी क्लिनिक के लिए प्रस्तावित उपकरणों की सूची, उनकी अनुमानित दरें तथा आवश्यक मात्रा पर भी विस्तृत चर्चा हुई। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी खरीद प्रक्रियाएँ पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित की जाएँ, ताकि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा सकें। बैठक में उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, परियोजना निदेशक आईटीडीए आलोक शिकारी कच्छप, सिविल सर्जन के प्रतिनिधि, जिला आयुष पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मालगाड़ी हुई बेपटरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। अंडाल से गोमो यार्ड की ओर आ रही एनएमजी नामक खाली मालगाड़ी अपर लाइन पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह घटना कैरेज एंड वैगन कार्यालय के समीप अप लाइन संख्या-6 पर हुई। जानकारी के अनुसार, मालगाड़ी के इंजन से जुड़ी नौवीं बोगी पटरी से उतर गई। घटना के बाद अधिकारियों के बीच हड़कंप मच गया। समय रहते कंट्रोल को सूचना मिलते ही दुर्घटना यान की टीम मौके पर पहुंच गई। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद मालगाड़ी के नीचे फंसे पहिये को दुरुस्त कर लिया गया।

सुबह 6:23 बजे मालगाड़ी का परिचालन सामान्य हो गया। इस घटना के कारण अप यार्ड की पांच लाइनों पर परिचालन पूरी तरह बाधित रहा। सूचना मिलने पर कई रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। मौके पर चीफ यार्ड मास्टर एस.एन. झा, कैरेज फोरमैन राम नारायण, आरपीएफ इंस्पेक्टर संतोष कुमार झा, सब-इंस्पेक्टर आलोक आनंद, साकिब आलम, प्रभात कुमार सिंह, बिनोद सिंह आदि मौजूद थे।

मानवाधिकार दिवस पर कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्राओं ने किया चित्रकला प्रदर्शन

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। झालसा रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पलामू के तत्वावधान में प्रधान जिला व सत्र न्यायधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के पलामू जिला अध्यक्ष श्रीराम शर्मा के निर्देश पर बुधवार को चैनपुर के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में अंतराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने मानवाधिकार पर आधारित चित्रकला का निर्माण किया। छात्राओं को मानव अधिकार के बारे में विस्तार से बताया गया।

उक्त कार्यक्रम में वरिष्ठ पारा लीगल वालेंटियर विनय प्रसाद ने कहा कि आज पूरे विश्व में मानवाधिकार दिवस मनाया जा रहा है। आज का थीम हमारी रोजमर्रा की अनिवार्यताएं है, जो बताती है कि मानवाधिकार सिर्फ बड़े आदर्श नहीं बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा, न्याय व सुरक्षा जैसी दैनिक जरूरतें हैं। हमारे दैनिक जीवन में मानवाधिकारों के महत्व पर जोर देती है। जैसे कि स्वच्छ जल, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सुरक्षा, भोजन व गरिमा का अधिकार शामिल है।

इसका उद्देश्य मानवाधिकार अमूर्त विचार नहीं बल्कि ऐसी अनिवार्यताएं हैं जिन पर हम प्रतिदिन निर्भर रहते हैं। मौके पर पीएलभी शैलेंद्र तिवारी ने मानव अधिकार के उद्देश्य पर चर्चा की। कहा कि मानवीय गरिमा की रक्षा, समानता व भेदभाव का उन्मूलन, व्यक्तिगत स्वतंत्रता व सुरक्षा, बुनियादी जरूरतों की पूर्ति, न्याय शांति स्थापित करना, जागरूकता का बढ़ावा, साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि अपने अधिकारों का प्रयोग करते समय दूसरों का अधिकारों का सम्मान करें। शिक्षिका ममता कुमारी ने समानता, स्वतंत्रता, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धार्मिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक संवैधानिक उपचारों का अधिकार पर विस्तार पूर्वक चर्चा की।

मानवाधिकार दिवस पर ड्राइंग प्रतियोगिता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। लायंस क्लब ऑफ मेदिनीनगर के तत्वावधान में बुधवार को मानवाधिकार दिवस पर कोयल नदी तट स्थित मरीन ड्राइव पर स्कूली बच्चों के साथ एक ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रीन वैली इंटरनेशनल स्कूल, ग्रेटर स्ला स्कूल तथा गुरुकुलम इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागी बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता व रचनात्मकता का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए उत्कृष्ट ड्राइंग बनाएं। चयनित विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया गया व सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के दौरान लायंस क्लब मेदिनीनगर के द्वारा बच्चों के लिए मुफ्त दंत स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया गया। इसमें शहर के प्रसिद्ध दंत रोग विशेषज्ञ लायन डॉ. निशांत ने बच्चों की जांच की व दंत रोगों से बचाव के लिए महत्वपूर्ण जानकारी दी। मौके पर अध्यक्ष गुरबीर सिंह ने कहा कि स्कूल के छोटे-छोटे बच्चे अत्यंत मेधावी होते हैं। लेकिन कई बार मंच ना मिलने के कारण अपनी प्रतिभा नहीं दिखा पाते। लायंस क्लब ऑफ मेदिनीनगर ने बच्चों की प्रतिभा को आगे लाने के लिए ऐसे कार्यक्रम आगे भी आयोजित करता रहेगा। सचिव प्रियंका आनंद ने कहा कि बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं। ऐसे आयोजनों से बच्चों की प्रतिभा बाहर आती है और आत्मविश्वास बढ़ता है। पढ़ाई के साथ-साथ कला, ड्राइंग व अन्य रचनात्मक क्षेत्रों में भी बच्चों को प्रोत्साहित करना आवश्यक है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुकेश कुमार अग्रवाल, वरुण जायसवाल, श्रीकांत कुमार, ऋषिकेश दुबे, रणजीत मिश्रा तथा संबंधित स्कूलों के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

शीत लहर से निपटने में लोगों को सावधानी बरतना जरूरी : सिविल सर्जन

विभाग ने जारी की एडवाइजरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। राज्य के साथ -साथ पलामू में शीतलहर का प्रभाव लगातार तेज होता जा रहा है। बढ़ती ठंड को देखते हुए पलामू वासी अत्यंत सावधानी बरतें। उक्त बातें पलामू के सिविल सर्जन डॉक्टर डॉ. अनिल श्रीवास्तव ने कही। वे बुधवार को अपने सभागार में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जिला स्वास्थ्य विभाग ने आमजनों की सुरक्षा के लिए व्यापक एडवाइजरी जारी की है। कहा कि शीतलहर के दौरान होने वाली बीमारियों व उनसे बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। सिविल सर्जन ने कहा कि अत्यधिक ठंड के इस मौसम में सावधानी ही सुरक्षा है।

उन्होंने लोगों से अपील की कि मौसम विभाग द्वारा जारी पूवार्नुमान व चेतावनियों पर लगातार ध्यान रखें। सिविल सर्जन ने कहा कि घर से बाहर निकलते समय गर्म कपड़े, दस्ताने, टोपी, मोजे व जूते अवश्य पहनें। घर में आवश्यक राशन, पीने का पानी, दवाइयां, मोबाइल चार्जर, टॉर्च व ईंधन जैसी जरूरी सामग्री पहले से रख लें। उन्होंने कहा कि सर्दी, खांसी, बुखार या फ्लू जैसे लक्षण दिखते ही नजदीकी स्वास्थ्यकर्मी या चिकित्सक से संपर्क करें। शरीर को गर्म रखने के लिए गुनगुना पानी पीते रहें।लगातार कपकपी, सुस्ती, भ्रम, याददाश्त कमजोर पड़ना व बेहोशी जैसे लक्षण हाइपोथर्मिया के संकेत हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में तुरंत चिकित्सा सहायता लेना आवश्यक है।

सिविल सर्जन ने बताया कि ठंड से बचाव के लिए ढीले-ढाले सूती कपड़ों के अंदर गर्म ऊनी कपड़े पहनना अधिक लाभकारी है। अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें। बाहर जाते समय मास्क का उपयोग अवश्य करें।प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए पौष्टिक भोजन व विटामिन-सी युक्त फल-सब्जियां खाएं।

रूम हीटर का प्रयोग केवल वेंटिलेशन वाले कमरों में करें व बंद कमरे में कोयला जलाने से पूरी तरह बचें, क्योंकि इससे निकलने वाली कार्बन मोनोऑक्साइड जानलेवा साबित हो सकती है। अत्यधिक ठंड में पालतू जानवरों को भी घर के अंदर रखें व फ्रोस्टबाइट की स्थिति में प्रभावित अंगों की जोरदार मालिश न करें। छह वर्ष से कम उम्र के बच्चे, 64 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग व डायबिटीज, अस्थमा, हृदय व उच्च रक्तचाप के मरीज विशेष संवेदनशील होते हैं।

इनकी सुरक्षा के लिए सिर, कान, हाथ-पैर को ढककर रखें व लंबे समय तक ठंडी हवा के संपर्क में न आने दें। कंपकपी, उल्टी, सुस्ती या बेहोशी जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क जरूरी है। उंगलियों, नाक और कान की त्वचा का सफेद या पीला पड़ जाना तथा सुन्न होना फ्रोस्टबाइट के लक्षण हैं। वहीं मानसिक भ्रम, बोलने में कठिनाई व शरीर का अत्यधिक ठंडा पड़ जाना हाइपोथर्मिया के संकेत हैं। दोनों स्थितियों में त्वरित चिकित्सा सहायता जरूरी है।

शीतलहर से संबंधित प्राथमिक उपचार व सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी एनडीएमए मोबाइल ऐप पर उपलब्ध है।

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे जारी दिशा-निदेर्शों का पालन करें व किसी भी आपात स्थिति में निकटतम स्वास्थ्य केंद्र या जिला नियंत्रण कक्ष से संपर्क करें।प्रेसवार्ता में डीपीएम देवेंद्र भूषण श्रीवास्तव, डीएम राजीव कुमार, जिला महामारी विशेषज्ञ डॉ. अनूप कुमार और अर्बन हेल्थ मैनेजर सुखराम बाबू भी मौजूद थे।

चार लोगों को सुनायी गयी उम्रकैद की सजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। हत्या के एक पुराने मामले में बक्सर कोर्ट ने नौ वर्ष बाद फैसला सुनाते हुए चार आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। सजा पाने वालों में जिला पार्षद सदस्य के पति सह प्रतिनिधि रिंकू यादव, रामाशीष उर्फ चतुरी, अजय कुमार पांडे और जयराम पासवान शामिल हैं। अदालत ने सभी अभियुक्तों पर अर्थदंड भी लगाया है। यह फैसला जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय मनीष कुमार शुक्ल की अदालत ने सुनाया। मामला नगर थाना कांड संख्या 382/2016 और सेशन ट्रायल 354/2017 से संबंधित है। अपर लोक अभियोजक रामनाथ ठाकुर के अनुसार, घटना 22 अगस्त 2016 की है। मृतक हरेंद्र सिंह की पत्नी इंदू सिंह ने 23 अगस्त 2016 को नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बताया गया कि मृतक बस स्टैंड से अपने घर सोहनीपट्टी लौट रहे थे, तभी रात करीब 9:30 बजे पोखरा के पास आरोपियों ने उन्हें गोली मारकर हत्या कर दी थी। जांच में पता चला कि इस हत्या के पीछे जमीन से जुड़ा विवाद था। एक अन्य आरोपी विकास शर्मा, जो फिलहाल फरार है, ने मृतक से जमीन के नाम पर 12 लाख रुपये लिए थे और रकम वापस करने से बचने के लिए हत्या की साजिश रची गई थी। अभियोजन पक्ष ने अदालत में कुल 10 गवाहों की गवाही प्रस्तुत की। सभी साक्ष्यों पर विचार करने के बाद अदालत ने रिंकू यादव, रामाशीष उर्फ चतुरी, अजय कुमार पांडे और जयराम पासवान को दोषी ठहराया। अदालत ने दोषियों को भारतीय दंड विधान की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास, धारा 326 के तहत 10 वर्ष का कठोर कारावास और 27 आर्म्स एक्ट के तहत 4 वर्ष की सजा सुनाई है। साथ ही पीड़िता को दो लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश भी दिया गया है।

विजय शंकर आईपीएल 2026 की नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में क्यों हिस्सा लेंगे?

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लिए मिनी-नीलामी 16 दिसंबर को अबुधाबी में होनी है। बीसीसीआई ने नीलामी में शामिल होने वाले खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। बोर्ड की सूची के मुताबिक ऑलराउंडर विजय शंकर मिनी नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में हिस्सा लेंगे। आप सोच रहे होंगे कि भारतीय टीम के लिए खेल चुके विजय शंकर अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में कैसे हिस्सा लेंगे।

दरअसल, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के नियम के मुताबिक अगर किसी भारतीय खिलाड़ी ने टीम इंडिया के लिए पिछले पांच साल में किसी भी फॉर्मेट में एक भी मैच नहीं खेला है, तो उसे अनकैप्ड खिलाड़ी माना जाएगा और वह नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में उतरेगा। इसी नियम के तहत विजय शंकर नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में उतरेंगे। भारतीय टीम के लिए 12 वनडे और 9 टी20 खेल चुके विजय शंकर ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 27 जून 2019 को खेला था। यह मैच पांच साल पहले खेला गया था। ऐसे में बीसीसीआई का अनकैप्ड वाला नियम विजय शंकर पर लागू होता है। विजय शंकर पिछले सीजन सीएसके का हिस्सा थे। चेन्नई ने उन्हें पिछले साल मेगा ऑक्शन में 1.2 करोड़ रुपये में साइन किया था। विजय का प्रदर्शन साधारण रहा था। पांच पारियों में वह केवल 118 रन बना पाए। सीएसके मिनी नीलामी में नई टीम बनाने की योजना पर काम कर रही है। इसी वजह से सीएसके ने विजय को रिटेन नहीं किया। देखना होगा कि नीलामी में यह ऑलराउंडर किस टीम के साथ जुड़ता है। इसी नियम के तहत पिछले सीजन सीएसके ने एमएस धोनी को भी रिटेन किया था। 2014 से आईपीएल खेल रहे विजय शंकर अब तक 78 मैचों में 7 अर्धशतक की मदद से 1,233 रन बना चुके हैं। उनका शीर्ष स्कोर नाबाद 69 रहा है। 2023 उनका श्रेष्ठ सीजन रहा था। गुजरात टाइटंस का हिस्सा रहते हुए 14 मैचों में उन्होंने 301 रन बनाए थे। विजय 9 विकेट भी ले चुके हैं।

शतरंज ग्रैंड स्लैम

पहले दिन छा गए सिंदारोव और अर्जुन दोनों ने कार्लसन को दी मात

कैपटाउन, एजेंसी। अफ्रीका महाद्वीप में पहली बार विश्व के शीर्ष खिलाड़ियों के बीच फ़्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम का मुकाबला खेला जा रहा है और पहले दिन तय कार्यक्रम के अनुसार राउंड रॉबिन आधार पर खेले गए रैपिड मुकाबलों के सात चरण के बाद अभी अभी गोवा में विश्व कप जीतने वाले जावोखीर सिंदारोव और भारत के नंबर एक खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी ने लाजबाब प्रदर्शन करते हुए शीर्ष 3 में अपनी जगह बना ली है। पहले स्थान पर रहे सिंदारोव : विश्व कप 2025 गोवा के विजेता 19 वर्षीय सिंदारोव जावोखीर का कॉन्फ़िडेंस देखने लायक था और उन्होंने पहले ही राउंड में कार्लसन को मात देते अपना अभियान आरम्भ किया उन्होंने सिर्फ़ भारत के अर्जुन एरिगैसी , जर्मनी के विंस्नेट केमर और यूएसए के लेवान अरोनियन से ड्रा खेला और बाक़ी तीन बाज़ियों में जीत दर्ज की । सिंदारोव नें 5.5 अंक बनाकर पहला और लेवान अरोनियन नें 5 अंक बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया वहीं अभी अभी येरुशलम मास्टर्स जीतने वाले अर्जुन नें शुरुआत तो अच्छी नहीं की और यूएसए के नीमन हंस से ड्रा , लेवान अरोनियन से हार और सिंदरोव से ड्रा के बाद वह तीन राउंड के बाद एक अंक पर थे पर उसके बाद उन्होंने लगातार तीन बाज़ियों में विंस्नेट केमर , मैग्नस कार्लसन और ईरान के परहम मघसदूलू को पराजित करते हुए बेहतरीन वापसी की और अंतिम राउंड कारूआना से ड्रा खेलते हुए दिन का अंत 4.5 अंक बनकर तीसरे स्थान पर किया ।

इंडिया-दक्षिण अफ्रीका टी-20

संजू सैमसन बाहर; दूसरे टी20 के लिए भारत की संभावित प्लेइंग 11

अभिषेक और गिल ही रहेंगे ओपनर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला अब 11 दिसंबर गुरुवार को न्यू चंडीगढ़ स्थित मुल्लांपुर में खेला जाएगा। पहले मैच में भारतीय टीम ने शुरू में लड़खड़ाने के बाद 101 रन से शानदार जीत दर्ज कर ली। सीरीज में टीम इंडिया 1-0 की बढ़त बना चुकी है। ऐसे में दूसरे मुकाबले में प्लेइंग 11 में कुछ खास बदलाव नजर नहीं आ रहे हैं।
पहले टी20 में भारतीय टीम की पारी शुरु में बिखरती दिख रही थी। 11.4 ओवर में 78 रन पर चार विकेट थे। स्कोर भी धीमा था और विकेट भी ज्यादा थे। उसके बाद हार्दिक पंड्या की 28 गेंद पर 59 रन की पारी ने मैच की तस्वीर बदल दी। भारत ने 176 रन का अफ्रीका को लक्ष्य दिया और मेहमान टीम 74 रन पर ही ढेर हो गई।

संजू सैमसन रहेंगे बाहर?

हालांकि जीत के बावजूद पहले टी20 मैच में शुभमन गिल एक बार फिर से फ्लाप रहे थे और सवाल यही उठ रहा था कि बार-बार उनके कारण संजू सैमसन को क्यों बलि का बकरा बनाया जा रहा है। क्योंकि, संजू सैमसन का बतौर ओपनर टी20 इंटरनेशनल में बेहतरीन रिकॉर्ड रहा है। अब जितेश शर्मा के बेहतर फिनिशर के तौर पर उभरने के बाद बतौर विकेटकीपर भी सैमसन की जगह प्लेइंग 11 में नहीं बन पा रही है। दूसरे टी20 में भी कप्तान सूर्यकुमार यादव अपने विनिंग कॉम्बिनेशन को शायद छेड़ना नहीं चाहेंगे। यानी इस मैच में भी संजू सैमसन का खेलना मुश्किल लग रहा है। वहीं ओपनिंग एक बार फिर से अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल करते हुए नजर आएंगे। बाकी नंबर 3, 4, 5,6 में खास बदलाव संभव नहीं लग रहे हैं। ऐसे में टीम इंडिया न्यू चंडीगढ़ में बिना किसी बदलाव के उतर सकती है।

जमशेदपुर में पहली बार ट्रांसजेंडर फुटबॉल लीग का आयोजन

कोलकाता दौड़ में 23000 धावक भाग लेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम जमशेदपुर एफसी इस ट्रांसजेंडर लीग का आयोजन कर रही है। जमशेदपुर एफसी के लिए ट्रांसजेंडर को खेलों से जोड़ना क्लब के व्यापक सामुदायिक कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारतीय फुटबॉल में एक ऐतिहासिक घटनाक्रम के तहत सात ट्रांसजेंडर टीमों ने जमशेदपुर सुपर लीग (जेएसएल) के तहत रविवार को एक विशेष टूर्नामेंट की शुरुआत की। जमशेदपुर एफटी, चाईबासा एफसी, चक्रधरपुर एफसी, जमशेदपुर इंदिरानगर एफसी, नोआमुंडी एफसी, सरायकेला एफसी और कोल्हान टाइगर एफसी की पांच-पांच खिलाड़ियों की टीमें इस लीग में हिस्सा ले रही हैं।

शुरुआत में ट्रांसजेंडर्स लीग में केवल चार टीमें ही प्रतिस्पर्धा करने वाली थीं, लेकिन बाद में तीन और टीमें इसमें शामिल कर ली गईं। यह टूर्नामेंट जमशेदपुर सुपर लीग का एक हिस्सा है, जिसमें आयु-वर्ग लीग जैसी अन्य प्रतियोगिताएं भी होती हैं। जमशेदपुर एफटी ने ट्रांसजेंडर लीग के शुरुआती दिन उद्घाटन मैच में चाईबासा एफसी को 7-0 से जबकि कोल्हान टाइगर एफसी ने चक्रधरपुर एफसी को 3-0 से हराया। जमशेदपुर इंदिरानगर एफसी और नोआमुंडी एफसी के बीच मैच गोलरहित ड्रॉ खेला गया। जमशेदपुर एफटी के लिए चार गोल करने वाली पूजा सोय ने फुटबॉल खिलाड़ी के तौर पर खुद की पहचान बनने पर खुशी जताते हुए ने कहा, ''फुटबॉल एक बहुत ही खूबसूरत खेल है। पहली बार मुझे ऐसा लगा कि मुझे मेरे लिंग के लिए नहीं बल्कि मेरे खेल के लिए देखा जा रहा है।'' इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम जमशेदपुर एफसी इस ट्रांसजेंडर लीग का आयोजन कर रही है। जमशेदपुर एफसी के लिए ट्रांसजेंडर को खेलों से जोड़ना क्लब के व्यापक सामुदायिक कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में नियंत्रण रेखा के पास आयोजित मैराथन में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया- जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास मंगलवार को सेना द्वारा आयोजित की गई मैराथन में सैकड़ों युवाओं ने भाग लिया। भीमबेर गली ब्रिगेड के कमांडर ब्रिगेडियर राहुल कुमार ने मैराथन को हरी झंडी दिखाई और युवाओं को फिटनेस को जीवन शैली के रूप में अपनाने और सशस्त्र बलों में अपना भविष्य बनाने के लिए प्रेरित किया।

कोलकाता दौड़ में ओलंपिक और विश्व चैंपियन सहित 23000 धावक भाग लेंगे

दो बार के ओलंपिक और तीन बार के विश्व चैंपियन जोशुआ चेप्टेगी सहित दुनिया भर के 23000 से अधिक धावक 21 दिसंबर को यहां होने वाली 10वीं टाटा स्टील वर्ल्ड 25के (25 किलोमीटर) कोलकाता दौड़ में भाग लेंगे। युगांडा के चेप्टेगी और महिला वर्ग में गत चैंपियन सुतूम असेफा केबेडे इस दौड़ का मुख्य आकर्षण होंगे जिसे विश्व एथलेटिक्स की तरफ से गोल्ड लेबल रोड रेस का दर्जा हासिल है।
प्रमोटर प्रोकैम इंटरनेशनल ने भी इस बार 1:11:08 (एक घंटा, 11 मिनट, 08 सेकंड) का विश्व रिकॉर्ड तोड़ने वाले किसी भी एथलीट को 25,000 अमेरिकी डॉलर का बोनस देने की घोषणा की है। इस दौड़ की कुल पुरस्कार राशि 142,214 डॉलर है, जिसमें पुरुष और महिला वर्ग के विजेताओं के लिए बराबर की पुरस्कार राशि रखी गई है। शीर्ष तीन स्थान पर रहने वाले खिलाड़ियों को क्रमशः 15,000 डॉलर, 10,000 डॉलर और 7,000 डॉलर का इनाम मिलेगा। प्रतियोगिता का नया रिकार्ड बनाने वाले खिलाड़ियों को 5,000 डॉलर का अतिरिक्त बोनस भी मिलेगा। चेप्टेगी (29 वर्ष) ने 10,000 मीटर में लगातार तीन विश्व खिताब जीते हैं और उनके नाम चार विश्व रिकॉर्ड दर्ज हैं।
पिछले वर्ष दिल्ली हाफ मैराथन और इस वर्ष बेंगलुरु में आयोजित टीसीएस वर्ल्ड 10के (10किमी) के विजेता चेप्टेगी के नाम पर अब भी 5000 किमी और 10000 किमी के विश्व रिकॉर्ड दर्ज हैं। पुरुषों की सूची में एक और महत्वपूर्ण खिलाड़ी तंजानिया के अल्फोंस फेलिक्स सिम्बू भी शामिल हैं। सितंबर में तोक्यो में विश्व चैंपियनशिप में मैराथन में जीत हासिल करने वाले सिम्बू कोलकाता में चेप्टेगी को कड़ी चुनौती देंगे। महिला वर्ग में इथियोपिया की स्टार सुतूम असेफा केबेडे ने पहली बार 2015 में बर्लिन में 25 किलोमीटर का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। वह यहां खिताबी हैट्रिक पूरी करने की कोशिश करेंगी।

आईपीएल 2025 ऑक्शन

वैभव सूर्यवंशी के बाद अब इस छोटे खिलाड़ी की ऑक्शन में एंट्री, इतनी कम है उम्र

नई दिल्ली, एजेंसी। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी आईपीएल ऑक्शन में बिकने वाले इतिहास के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी है. वैभव सूर्यवंशी को पिछले सीजन के ऑक्शन में बिके थे. अब उनके बाद आईपीएल 2026 के ऑक्शन में भी एक खिलाड़ी ऐसा है, जिसकी उम्र कोई ज्यादा नहीं है. बल्कि, वो आईपीएल 2026 के ऑक्शन में एंट्री लेने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी भी है. हम जिस खिलाड़ी की बात कर रहे हैं, उसका नाम वहीदुल्लाह जादरान है.

अफगानिस्तान का ये क्रिकेटर 16 दिसंबर 2025 को होने वाले आईपीएल ऑक्शन में सबसे युवा चेहरा होगा.
आईपीएल 2026 ऑक्शन का सबसे छोटा खिलाड़ी- अब सवाल है कि वहीदुल्लाह जादरान की उम्र आखिर कितनी कम है, जिसके चलते वो ऑक्शन में एंट्री लेने वाले 350 खिलाड़ियों के बीच सबसे युवा हैं? अफगानिस्तान से आने वाले वहीदुल्लाह जादरान की उम्र 18 साल से थोड़ी ही ज्यादा है. आईपीएल 2026 के ऑक्शन वाले दिन वो बस 18 साल और 31 दिन के होंगे. इस उम्र के साथ वो ऑक्शन में भाग ले रहे खिलाड़ियों के बीच सबसे यंग होंगे.
19 टी20 मुकाबलों में झटके हैं 28 विकेट- वहीदुल्लाह जादरान दाएं हाथ के स्पिनर हैं और आईपीएल ऑक्शन में उतरने से पहले उनके पास 19 टी20 खेलने का तजुर्बा है, जिसमें उन्होंने 28 विकेट चटकाए हैं, जिसमें उनका बेस्ट परफॉर्मेन्स 22 रन पर 4 विकेट लेने का है. वहीदुल्लाह जादरान के पास आईपीएल 2026 के ऑक्शन में एंट्री लेने से पहले आईएलटी टी20 में खेलने का भी अनुभव है. वहीदुल्लाह जादरान ने आईपीएल ऑक्शन में अपनी बेस प्राइस 30 लाख रुपये रखी है.

मुंबई रैंप वॉक में साथ चलेंगे मेसी-सुआरेज

कोलकाता, एजेंसी। अर्जेंटीना के अनुभवी फुटबॉलर लियोनल मेसी के भारत दौरे की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। मेसी का दौरा कोलकाता से शुरू होगा और वह मुंबई, हैदराबाद और नई दिल्ली भी जाएंगे। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी इस महीने भारत दौरे पर आ रहे हैं। मेसी इस दौरान धर्मार्थ कार्य के लिए मुंबई में रैंप वॉक करेंगे। उनके साथ जोड़ीदार लुइ सुआरेज भी इसमें हिस्सा लेंगे। रैंप वॉक के आयोजकों ने उनसे 2022 फीफा विश्व कप जीत की कुछ खास यादगार चीजें नीलामी के लिए लाने को कहा है। जी.ओ.ए.टी. इंडिया टूर 2025 के प्रमोटेर सतादरू दत्ता ने मंगलवार को बताया कि मेसी, सुआरेज और अर्जेंटीना के मिडफील्डर रोड्रिगो डि पॉल 14 दिसंबर की रात 45 मिनट के फैशन से जुड़े शो में हिस्सा लेंगे।

विश्व कप की यादगार चीजें नीलामी के लिए मांगी

वानखेड़े स्टेडियम में होगा कार्यक्रम

दत्ता ने बताया कि यह धर्मार्थ फैशन शो होगा। इसके अलावा सुआरेज म्यूजिक शो का भी हिस्सा होंगे जबकि आयोजकों ने मेसी से औपचारिक रूप से आग्रह किया है कि वह दौरे के मुंबई चरण के दौरान नीलामी के लिए 2022 विश्व कप की कुछ यागदार चीजें लेकर आएं। मुंबई में कार्यक्रम शाम पांच बजे वानखेड़े स्टेडियम में शुरू होगा, जबकि इससे पहले क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में साढ़े तीन बजे से पेडल कप होगा।

नई दिल्ली में पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात

मीट-एंड-ग्रीट कार्यक्रम के बाद मेसी सॉल्ट लेक स्टेडियम जाएंगे और दोपहर दो बजे हैदराबाद के लिए रवाना होंगे। कोच्चि में प्रस्तावित मैत्री मैच रद्द होने के बाद आयोजकों ने हैदराबाद को दौरे में शामिल किया है। मेसी शाम सात बजे हैदराबाद के उप्पल में राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में हैदराबाद जीओएटी कप के दौरान मौजूदगी रहेंगे जिसे तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का समर्थन हासिल है। मेस्सी सोमवार को नई दिल्ली मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मिलेंगे। मेसी के नई दिल्ली यात्रा के दौरान नौ सदस्यीय सेलीब्रिटी मैच भी होगा। वर्ष 2011 के बाद पहली बार भारत आ रहे मेसी के दौरे को 15 अगस्त को स्वीकृति मिली थी।

मेसी की प्रतिमा का होगा अनावरण

कोलकाता चरण में मेस की अब तक की सबसे बड़ी 70 फीट की प्रतिमा का अनावरण सुरक्षा कारणों से टीम होटल से वर्चुअली किया जाएगा। आठ बार के बेलोन डिओर विजेता मेसी अनावरण के लिए पहले स्वयं श्रीभूमि जाने वाले थे। कोलकाता पुलिस के सूत्र ने पुष्टि की है कि मेसी शनिवार तड़के डेढ़ बजे शहर में पहुंचेंगे और ईएम बाईपास पर एक पांच सितारा होटल में रुकेंगे। प्रायोजकों के लिए विशेष मीट-एंड-ग्रीट कार्यक्रम सुबह साढ़े नौ से साढ़े 10 बजे तक बजे तक चलेगा। दुर्गा पूजा सत्र के लिए तैयार किया गया मेस्सी का 25 गुणा 20 फीट का भित्ति चित्र भी सॉल्ट लेक स्टेडियम में इस दिग्गज को सौंपा जाएगा। कोलकाता में होने वाले कार्यक्रम में 70 हजार से अधिक लोगों के आने की उम्मीद है।

पहला टी20: वापसी के साथ पंड्या का तूफान

भारत ने साउथ अफ्रीका को 101 रन से रौंदा

कटक, एजेंसी। भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ बाराबती स्टेडियम में खेले गए टी20 सीरीज के पहले मुकाबले को 101 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ टीम इंडिया ने पांच मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से लीड बना ली है। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर 175 रन बनाए। भारतीय टीम 17 के स्कोर तक अपने 2 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से अभिषेक शर्मा ने तिलक वर्मा के साथ टीम को संभाला। अभिषेक ने 17 रन, जबकि तिलक वर्मा ने 26 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। हार्दिक पंड्या छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे।

उन्होंने 28 गेंदों में 4 छक्कों और 6 चौकों की मदद से नाबाद 59 रन बनाए। इनके अलावा, अक्षर पटेल ने 26 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। पंड्या श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप 2025 के दौरान चोटिल हुए थे, जिसके बाद वह इस मुकाबले में पहली बार टीम इंडिया की ओर से खेलते नजर आए।
विपक्षी टीम की तरफ से लुंगी एनगिडी ने 3 विकेट हासिल किए, जबकि लुथो सिपामला ने 2 विकेट निकाले। इनके अलावा, डोनोवन फेरीरा ने 1 विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम 12.3 ओवरों में महज 74 रन पर सिमट गई।

जसप्रीत बुमराह ने 'शतक' के साथ रचा इतिहास, किसी भारतीय गेंदबाज ने नहीं किया ऐसा; वर्ल्ड रिकॉर्ड की खास लिस्ट में एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच कटक में खेले पांच मैचों की टी20 सीरीज में टीम इंडिया ने 101 रनों से बेहतरीन जीत दर्ज की। इस जीत में 3 ओवर में 17 रन देकर दो विकेट लेते हुए जसप्रीत बुमराह ने भी अहम योगदान दिया। इस पारी में दो विकेट लेकर बुमराह ने अपने 100 टी20 इंटरनेशनल विकेट भी पूरे कर लिए। इतना ही नहीं वह तीनों फॉर्मेट में विकेटों का शतक लगाने वाले पहले भारतीय भी बने। जसप्रीत बुमराह ने वो कारनामा किया है जो इससे पहले कोई भी भारतीय गेंदबाज अपने करियर में नहीं कर पाए। टी20 इंटरनेशनल में वह अर्शदीप सिंह (107) के बाद अब 100 विकेट लेकर दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय बन गए हैं। जस्सी के नाम अभी तक टेस्ट में भी 234 और वनडे क्रिकेट में 149 विकेट दर्ज हैं। यानी तीनों फॉर्मेट में वह 100 विकेटों का आंकड़ा पार कर चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

राजधानी पर मिसाइल और ड्रोन हमला रोकेगा देसी सिस्टम

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई थी। इस दौरान दिल्ली को सुरक्षित करने की भी चर्चाएं जोरों पर थीं। अब दिल्ली-एनसीआर को मिसाइल और ड्रोन जैसे हवाई खतरों से बचाने के लिए एक देसी एयर डिफेंस सिस्टम लगाने का फैसला किया गया है। अब दिल्ली के ऊपर किसी भी तरह के हवाई हमले को रोकने के लिए भारता स्वदेशी डिफेंस सिस्टम तैनात किया जाएगा। दिल्ली-एनसीआर की सुरक्षा के लिए इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन के साथ मिलकर बना रहा है। इसको इंडियन एयरफोर्स द्वारा मैनेज किया जाएगा, जिसमें क्रिक रिएक्शन सरफेस टू सरफेस मिसाइल और वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम जैसे देशी पार्ट्स का इस्तेमाल किया गया है। दिल्ली-एनसीआर की सुरक्षा के लिए यह प्लान अमेरिका में बने नेशनल एडवांस्ट सरफेस टू एरियल मिसाइल सिस्टम- को खरीदने के पहले प्रपोजल से अलग है। इसको अमेरिका बहुत ज्यादा दाम की मांग कर रहा था, इसलिए देसी सिस्टम लगाने का फैसला किया गया है। भारत रूसी एस-400 सिस्टम के बचे हुए स्क्वाड्रन भी रहा है, साथ ही ज्यादा एस-400 और एस-500 खरीदने को लेकर विचार कर रहहा है। दिल्ली-एनसीआर को बचाने के लिए बनाया गया यहा मल्टीलेयर्ड एयर डिफेंस सिस्टम देश की राजधानी को अलग-अलग तरह के हवाई हमले से बचाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें तेज रफ्तार वाले एयरक्राफ्ट, मिसाइल और ड्रोन को रोकने की क्षमता भी शामिल है।

एनसीआर में आठ दिन बाद थोड़ी राहत, एक्यूआई 'ऑरेंज' श्रेणी में पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में लगातार आठ दिनों तक अति-गंभीर प्रदूषण स्तर झेलने के बाद मंगलवार को हवा की रफ्तार बढ़ने से वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में मामूली सुधार दर्ज किया गया है। नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली के कई इलाकों में एक्यूआई 'ऑरेंज' और 'रेड' के बीच उतार-चढ़ाव करता दिखा। हालांकि विशेषज्ञों ने इसे अस्थायी राहत बताया है। नोएडा में पीएम2.5 स्तर में गिरावट, कई स्टेशन ऑरेंज श्रेणी में दर्ज किए गए। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2025 की शुरुआत से 8 दिन लगातार एक्यूआई 'रेड' श्रेणी में रहा। 1 दिसंबर को नोएडा में पीएम2.5 का स्तर 321 दर्ज किया गया, 2 दिसंबर को यह 395, 3 दिसंबर को 365, जबकि 6 दिसंबर तक अधिकांश दिन 300 से ऊपर ही रहा। 9 दिसंबर को पहली बार सूचकांक में गिरावट दिखी और पीएम2.5 स्तर 285 पर आ गया, जो 'ऑरेंज' श्रेणी में आता है। नोएडा में बुधवार के एक्यूआई की बात करें तो सेक्टर-125 में 296, सेक्टर-62 में 236, सेक्टर-116 में 294 दर्ज किया गया। यानी, ज्यादातर स्टेशनों पर हवा बेहद खराब से खराब की श्रेणी तक पहुंच गई है, जो पिछले आठ दिनों की तुलना में राहत भरा स्तर है। गाजियाबाद में भी सुधार देखने को मिला है, हालांकि लोनी में अभी भी एक्यूआई रेड जोन में ही है। गाजियाबाद के आंकड़ों के अनुसार, इंदिरापुरम में 249, संजय नगर में 231, लेकिन लोनी का स्तर अब भी गंभीर स्थिति में बना हुआ है, जहां 319 का एक्यूआई दर्ज किया गया। दिल्ली के कई स्टेशन भी 'ऑरेंज' जोन में हैं। दिल्ली में भी प्रदूषण के स्तर में गिरावट दर्ज की गई है, जिनमें अलीपुर में 263, आनंद विहार में 297, अशोक विहार में 287, अया नगर में 183 और हालांकि बवाना में स्थिति गंभीर बनी हुई है, जहां एक्यूआई 320 दर्ज हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक तापमान 7 डिग्री तक गिरेगा, शीतलहर की तैयारी शुरू हो गई है। भारत मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, हवा की दिशा व गति में बदलाव के कारण अगले कुछ दिनों तक हल्का कोहरा और ठंड बढ़ने की संभावना है। 10 से 12 दिसंबर तक नोएडा-गाजियाबाद में तापमान अधिकतमः 23-24 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतमः 7-9 डिग्री सेल्सियस पर बने रहने की संभावना है।

शानदार होगा डीटीसी का नया हेडक्वॉर्टर

207 करोड़ में बनेगा, सुविधाएं बनाएंगी खास

नई दिल्ली, एजेंसी।
डीटीसी (दिल्ली परिवहन निगम) को आईपी डिपो में एक नया मुख्यालय मिलने वाला है। दिल्ली सरकार ने राजधानी की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से एक आधुनिक 12-मंजिला प्रशासनिक परिसर के निर्माण के लिए डीएसआईआईडीसी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह 207 करोड़ का नया हेडक्वॉर्टर पुराने हो चुके डीटीसी कार्यालय की जगह लेगा, जिसे अब गिरा दिया जाएगा। इस परियोजना में लगभग 200 बसों और 200 से अधिक कारों के लिए पार्किंग, और साथ ही हरा-भरा क्षेत्र भी शामिल है। परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा कि नया कार्यालय दिल्ली के तेजी से विस्तार हो रहे परिवहन नेटवर्क को समर्थन देने के लिए आवश्यक संस्थागत क्षमता प्रदान करेगा। प्रस्तावित भवन 26,016 वर्ग मीटर के परिसर में बनाया जाएगा। वर्तमान कार्यालय डीटीसी की परिचालन जरूरतों के लिए पर्याप्त नहीं है। नए परिसर में जमीन का लगभग 20त्न हिस्सा पर्यावरण-अनुकूल खुले क्षेत्रों के लिए रखा जाएगा। परिवहन मंत्री ने कहा, हम सौर पैनल, एसटीपी, ईटीपी , वर्षा जल संचयन, आरओ प्लांट और अन्य टिकाऊ सुविधाओं से लैस एक आधुनिक मुख्यालय के साथ आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी अतिरिक्त सुविधाओं में से एक पार्किंग क्षमता होगी, जो शहर के सबसे व्यस्त डिपो में से एक पर बेड़े की आवाजाही को सुव्यवस्थित

करेगी। डीएसआईआईडीसी डीटीसी की ओर से इस परियोजना को पूरा करेगा और 30 वर्षों के लिए 50त्न वाणिज्यिक उपयोग के अधिकार अपने पास रखेगा। परिवहन मंत्री सिंह ने कहा कि सरकार ने इस परियोजना को ढाई साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने आगे कहा, जैसे-जैसे हम दिल्ली के परिवहन क्षेत्र का विस्तार कर रहे हैं, अधिक इलेक्ट्रिक बसें ला रहे हैं और डिपो के बुनियादी ढांचे में सुधार कर रहे हैं, यह महत्वपूर्ण है कि हमारी प्रशासनिक प्रणालियां भी उसी गति से चलें। यह मुख्यालय सार्वजनिक परिवहन में एक मजबूत और अधिक जवाबदेह शासन की दिशा में एक कदम है। अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना से अंततः रोजाना यात्रा करने वाले लाखों यात्रियों को लाभ होगा, क्योंकि पीछे के परिचालन में सुधार होगा, जिससे निर्णय लेने की प्रक्रिया तेज होगी और अतिरिक्त इलेक्ट्रिक बसों को उतारने में मदद मिलेगी। एक अधिकारी ने कहा, इस परिसर से परिचालन में होने वाली देरी कम होने और रखरखाव की दक्षता बढ़ने की उम्मीद है। आईपी डिपो का यह पुनर्विकास दिल्ली की दीर्घकालिक गतिशीलता की योजना में एक मील का पत्थर माना जा रहा है।

8 महीने में 101 मर्डर

कातिल क्यों बनते जा रहे दिल्ली के छोटे बदमाश?

नई दिल्ली, एजेंसी।
हत्या, मर्डर, चोरी-छिनैती जैसे मामलों को पढ़कर आपके जहन में अपराधी कोई बड़ी उम्र का ही आता होगा, लेकिन देश की राजधानी दिल्ली में नाबालिग अब नए अपराधी बन रहे हैं। दिल्ली पुलिस के आंकड़ों पर गौर करें तो बीते 8 महीने में नाबालिगों ने कुल 101 खून किए हैं। पढ़ाई और करियर बनाने की उम्र में अपराध का रास्ता अख्तियार कर चुके इन नाबालिगों के मनसूबे वाकई हैरान कर रहे हैं।

पिछले सप्ताह 13 नाबालिगों पर चार जघन्य अपराध करने का आरोप लगा था जिसमें रोहिणी के एक सरकारी स्कूल में एक लड़के के साथ यौन उत्पीड़न, शाकरपुर और वजीराबाद में दो हत्याएं और हजरत निजामुद्दीन के पास एक टैक्सी चालक की हत्या शामिल है

अधिकारी ने यह भी कहा कि नाबालिग नशीली दवाओं के प्रभाव में चोरी और सेंधमारी में भाग लेते हैं। उन्होंने बताया कि नाबालिगों का इस्तेमाल करने वाले गिरोह उन्हें नशीले पदार्थों का लालच देते हैं और फिर उनका उपयोग अपराधों को अंजाम देने के लिए करते हैं।

अधिकारी ने कहा कि गिरोह विशेष रूप से उन युवाओं को निशाना बनाते हैं जो मोटरसाइकिल चलाते हैं, सक्रिय होते हैं, परेशान परिवारों से आते हैं या आर्थिक तंगी का सामना करते हैं। अधिकारी ने बताया, गिरोह को पता है कि पकड़े जाने पर ये नाबालिग, वयस्कों की तुलना में जल्दी छूट जाएंगे। सोशल मीडिया की बढ़ती लत भी अपनी भूमिका निभा रही है, जिसमें कुछ नाबालिग पिस्तौल और चाकू लहराते हुए अपनी तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करके अपने इलाकों में दबदबा बनाने की कोशिश करते हैं।

सर गंगा राम अस्पताल के वरिष्ठ सलाहकार मनोचिकित्सक डॉ. राजीव मेहता के अनुसार, संयुक्त परिवार प्रणाली के कम होने ने ऐसे बच्चों के व्यक्तित्व को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, पहले, बच्चे संयुक्त परिवारों में बड़े होते थे जहां वे अपने चचेरे भाइयों के साथ बाहर खेलते थे, एक साथ नई चीजें सीखते थे और मजबूत, सामूहिक परवरिश से लाभान्वित होते थे।

डॉ. मेहता ने कहा, बच्चों के रास्ता भटकने की गुंजाइश कम थी। समय के साथ, यह संरचना कम हो गई। आज, बच्चों को अक्सर लाड़-प्यार दिया जाता है और उनकी मांगें तुरंत पूरी कर दी जाती हैं। और जब ऐसा नहीं होता, तो कुछ बच्चे अपराध की ओर मुड़ सकते हैं। मेहता ने कहा कि सोशल मीडिया यौन रूप से स्पष्ट सामग्री से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि किशोरावस्था के दौरान, हार्मोन युवाओं को विपरीत लिंग की ओर आकर्षित करते हैं। ऑनलाइन सामग्री इस धारणा को बढ़ाती है कि हर कोई और हर चीज़ आसानी से सुलभ और अनुमत है। एक अन्य व्यवहार विशेषज्ञ ने बताया कि साथियों का दबाव भी एक बड़ा कारक है। विशेषज्ञ ने कहा कि दोस्त अक्सर अपने यौन अनुभवों के बारे में बढ़ा-चढ़ाकर बताते हैं, जिससे नाबालिगों को यह गलतफहमी हो सकती है कि ये अनुभव कोई उपलब्धि हैं। इन बच्चों में से कई में अपने कार्यों के परिणामों या कानूनी असर को समझने की परिपक्वता की कमी होती है।

गोवा नाइट क्लब के मालिकों ने खटखटाया कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली, एजेंसी। गोवा नाइट क्लब अग्निकांड ने पूरे देश को हिला कर रख दिया। इस क्लब के मालिक गौरव लूथरा और सौरभ लूथरा हादसे के बाद विदेश भाग गए। इंटरपोल ने दोनों के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी कर दिया। इसके बाद अब दोनों ने इस मामले में अग्रिम जमानत के लिए दिल्ली की रोहिणी कोर्ट में याचिका दायर की है। वहीं दिल्ली से इस क्लब के मालिकों का तीसरा पार्टनर भी गिरफ्तार हुआ है। गोवा के नाइट क्लब में लगी आग में 25 लोगों की जिंदगी चली गई थी। अब इस मामले में पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई तेज हो गई है और एक के बाद एक आरोपी दबोचे जा रहे हैं। बुधवार को गोवा पुलिस की टीम ने दिल्ली के सनलाइट कॉलोनी क्राइम ब्रांच दफ्तर में बिर्च बाय रोमियो लेन नाइटक्लब के चार मालिकों में से एक अजय गुप्ता को पेश किया। अजय गुप्ता दिल्ली का ही रहने वाला है और पुलिस उसे पूछताछ के बाद आज ही कोर्ट में पेश करेगी। हादसे के बाद अजय गुप्ता फरार हो गए थे। उनके खिलाफ पहले से ही लुकआउट सर्कुलर जारी था। जब गोवा पुलिस की टीम उनके दिल्ली वाले घर पहुंची तो वह वहां नहीं मिले। इसके बाद कोर्ट ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कर दिया। आखिरकार पुलिस ने उन्हें दबोच ही लिया। क्लब के मुख्य मालिक गौरव लुथरा और सौरभ लुथरा तो हादसे के महज दो दिन बाद ही थाईलैंड भाग निकले थे। अब उनके खिलाफ इंटरपोल ने ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी कर दिया है। मतलब दुनिया भर की पुलिस अब इन दोनों की तलाश में है।

नमो भारत के रूट में रुकावट बनी पाइपलाइन

दूसरी जगह की जाएगी शिफ्ट

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के सराय रोहिल्ला से गुरुग्राम होते हुए बावल तक प्रस्तावित नमो भारत ट्रेन के संचालन के लिए करीब सवा किलोमीटर लंबी पाइप लाइन स्थानांतरित करनी होगी। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने इस पाइप लाइन से जुड़ी जानकारी को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) को सौंप दी है।

जीएमडीए की तरफ से तैयार रिपोर्ट के मुताबिक करीब 870 मीटर लंबी सीवर की लाइन नमो भारत ट्रेन के निर्माण के रास्ते में आ रही है। ऐसे में इसका स्थानांतरण आवश्यक है। 1400 एमएम क्षमता की 270 मीटर पाइप लाइन दिल्ली-जयपुर हाईवे पर नेस्ले बिल्डिंग के समीप आ रही है, जोकि करीब छह से सात मीटर गहरी है। 1800 एमएम क्षमता की पाइप लाइन, जिसकी लंबाई करीब 600 मीटर है। यह झाड़सा चौक से राजीव चौक के बीच में है। यह सात मीटर से नौ मीटर गहराई पर दबी

हुई है। शोधित पानी की पाइप लाइन करीब 1085 मीटर है।

इफ्को चौक पर स्टेशन के निर्माण के लिए करीब 200 मीटर पाइप लाइन को स्थानांतरित करना होगा, जोकि 600 एमएम की है। इस तरह इफ्को चौक स्टेशन के प्रवेश और निकासी की जगह पर 700 एमएम क्षमता की 200 मीटर लंबी पेयजल लाइन है। राजीव चौक पर 300 मीटर लंबी पाइप लाइन के स्थानांतरण की जरूरत पड़ेगी, जिसकी क्षमता करीब 1500 एमएम है। इन स्थानों पर पाइप के स्थानांतरण की सबसे अधिक जरूरत है। ये पाइप लाइन सीधे-सीधे नमो भारत ट्रेन के रूट में बाधा बनकर खड़ी हुई हैं।

एनसीआरटीसी ने दिल्ली के सराय रोहिल्ला से लेकर गुरुग्राम होते हुए बावल तक दिल्ली-जयपुर हाईवे के साथ-साथ नमो भारत ट्रेन के संचालन की योजना है। इसके तहत दिल्ली में सराय रोहिल्ला, आईएनए, मुनिरका, एयरो सिटी के बाद गुरुग्राम में साइबर सिटी, इफ्को चौक, राजीव चौक, हीरो होंडा चौक, खेड़की दौला, मानेसर, पचगांव, बिलासपुर, रेवाड़ी में धारूहेड़ा, रेवाड़ी और बावल में स्टेशन का निर्माण होगा। इफ्को चौक पर गुरुग्राम से फरीदाबाद होते हुए ग्रेटर नोएडा तक प्रस्तावित नमो भारत ट्रेन का इंटरचेंज स्टेशन बनेगा।

पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता की शर्मनाक करतूत, इमरान खान पर किया सवाल तो महिला रिपोर्टर को मारी आंख

इस्लामाबाद, एजेंसी। । पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के डायरेक्टर जनरल लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी की शर्मनाक करतूत सामने आई है। महिला पत्रकार अबसा कोमन ने जब जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बारे में सवाल किया था तो जनरल अहमद ने उन्हें आंख मारी। इसके बाद उन्हें भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

प्रेस ब्रीफिंग के वीडियो में पत्रकार खान पर लगे आरोपों के बारे में उनसे सवाल पूछती दिख रही हैं। उन्होंने कहा, यह पहले से कैसे अलग है, या क्या हमें भविष्य में किसी डेवलपमेंट की उम्मीद करनी चाहिए?

महिला पत्रकार को मारी आंखः चौधरी ने जवाब देते हुए कहा, और एक चौथा पॉइंट और जोड़ लीजिए- वह एक जेहनी मरीज (मानसिक रोगी) भी है। फिर वह मुस्कुराए और पत्रकार को आंख मारी। एक्स पर एक यूजर ने लिखा, यह सब कैमरे के सामने खुलेआम हो रहा है। पाकिस्तान में लोकतंत्र खत्म हो गया है। पीएम एक कठपुतली हैं। जबकि दूसरे ने लिखा, एक देश का मीम।

शुक्रवार को चौधरी ने खान को नार्सिसिस्ट कहा, जिनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं इतनी ज्यादा बढ़ गई हैं कि उन्हें लगता है, अगर मैं सत्ता में नहीं हूं तो और कुछ भी नहीं होना चाहिए। हालांकि उन्होंने उनका नाम नहीं लिया। चौधरी ने कहा कि जो लोग जेल में खान से मिल रहे हैं, उनका इस्तेमाल सेना के खिलाफ जहर फैलाने के लिए किया जा रहा है। चौधरी ने खान पर सेना के प्रति दुश्मनी भड़काने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, हम किसी को भी पाकिस्तान की सेना और उसके लोगों के बीच दरार पैदा नहीं करने देंगे। उन्होंने सेना के उस पुराने आरोप को भी दोहराया जिसमें खान को 9 मई, 2023 को मिलिट्री ठिकानों, जिसमें रावलपिंडी हेडक्वार्टर भी शामिल है, पर हुए हमलों से जोड़ा गया था। उन्होंने कहा, क्या यह वही व्यक्ति नहीं था जिसने उन हमलों की साजिश रची थी?

गाज़ा विवाद के बाद बड़ा फैसला: बोलीविया फिर जोड़ेगा इज़राइल संग संबंध, वॉशिंगटन में मुलाक़ात तय

यरूसलम, एजेंसी। बोलीविया की नयी दक्षिणपंथी सरकार ने अपने देश में जारी नाटकीय भू-राजनीतिक पुनर्गठन का ताजा संकेत देते हुए मंगलवार को कहा कि वह इजराइल के साथ राजनयिक संबंध बहाल करेगी। बोलीविया फलस्तीनियों के प्रति इजराइली नीतियों के कभी सबसे मुखर आलोचकों में से एक था। बोलीवियाई विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसके शीर्ष राजनयिक मंगलवार को वाशिंगटन में अपने इजराइली समकक्ष से मुलाकात करेंगे ताकि द्विपक्षीय संबंधों की बहाली पर चर्चा की जा सके।

इस संबंधों को बोलीविया की पूर्व वामपंथी सरकार ने गाजा में हमास के खिलाफ इजराइल के आक्रमण के कारण दो साल पहले समाप्त कर दिया था। बोलीविया ने कहा कि यह कदम राष्ट्रपति रोड्रिगो पाज के नेतृत्व में नयी विदेश नीति की रणनीति के तहत उठाया गया है जिसका उद्देश्य ''बोलीविया की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा का पुनर्निर्माण करना, नए आर्थिक अवसर खोलना और ऐसे गठबंधनों को मजबूत करना है जो देश एवं विदेशों में हमारे नागरिकों को सीधे तौर पर लाभान्वित करें।

दिल्ली में 95 और मोहल्ला क्लीनिक बंद होंगे, सरकार ने दिया आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने एक बार फिर मोहल्ला क्लीनिकों पर बड़ा फैसला लिया है। नए आदेश के तहत शहर में 95 और मोहल्ला क्लीनिक बंद कर दिए जाएंगे। ये सभी क्लीनिक नए खोले जा रहे आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से एक किलोमीटर के दायरे में हैं। दिल्ली में अगस्त में 31 मोहल्ला क्लीनिक बंद हुए थे, जो पोर्टा केबिन और किराए के भवनों में चल रहे थे। इसके बाद अक्टूबर में 121 क्लीनिकों को बंद करने का आदेश आया था। वहीं अब 95 और मोहल्ला क्लिनिक बंद होंगे। कुल मिलाकर अब तक 247 मोहल्ला क्लीनिक या तो बंद हो चुके हैं या होने वाले हैं। 2015 में आम आदमी पार्टी ने मोहल्ला क्लीनिक शुरू किए थे ताकि गरीब से गरीब को मुफ्त और पास में इलाज मिले। लेकिन इसी साल मार्च में दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने कहा था कि करीब 250 मोहल्ला क्लीनिक सिर्फ कागजों पर हैं। किराए की रकम का दुरुपयोग हो रहा है। इन्हें जल्द बंद कर दिया जाएगा। मोहल्ला क्लीनिक यूनियन के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने कहा, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जनता दरबार में साफ कहा था कि सभी कर्मचारियों को बिना इंटरव्यू के आरोग्य मंदिरों में समायोजित कर लिया जाएगा।

एप्पल एक फोन कवर से जितना कमाएगा, उतना दुनिया की कोई एयरलाइंस एक यात्री से नहीं; आईएटीए चीफ का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। आईएटीए चीफ के अनुसार, दुनिया की सभी एयरलाइंस मिलकर भी एक यात्री से उतना मुनाफा नहीं कमा सकती, जितना एप्पल अकेले अपना एक आईफोन केस बेचकर कमाई कर लेता है।

दरअसल, आईएटीए के महानिदेशक विली वाल्श ने मंगलवार को 2026 के वैश्विक एविएशन आउटलुक के दौरान कहा कि दुनिया की सभी एयरलाइंस मिलकर भी एक यात्री से सिर्फ 7.90 अमेरिकी डॉलर (लगभग 670 रुपये) का शुद्ध मुनाफा कमा पाएंगी, जबकि एप्पल अकेले अपने आईफोन केस बेचकर उससे कहीं ज्यादा कमाई कर

लेगा।

अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ) दुनिया भर में लगभग 360 वाहकों का प्रतिनिधित्व करता है। आईएटीए ने मंगलवार को 2026 के लिए उद्योग के वित्तीय दृष्टिकोण की घोषणा की। आईएटीए ने अनुमान जताया है कि 2026 में पूरी एयरलाइन इंडस्ट्री का कुल शुद्ध लाभ सिर्फ 41 अरब डॉलर रहेगा, यानी प्रति यात्री मुनाफा महज 7.90 डॉलर ही कमा पाएगा।

आईएटीए के प्रमुख विली वाल्श ने मंगलवार को कहा कि ऐप्पल अगले साल प्रति यात्री एयरलाइंस द्वारा अर्जित किए जाने वाले 7.90 अमेरिकी डॉलर के मुनाफे से कहीं अधिक आईफोन कवर बेचकर कमाई करेगा। उन्होंने कहा कि उद्योग-स्तरीय मार्जिन अभी भी बहुत कम है, यह देखते हुए कि एयरलाइन्स लोगों और अर्थव्यवस्थाओं को जोड़कर जो मूल्य सृजित करती हैं। वे उस मूल्य श्रृंखला के मूल में हैं, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 4 प्रतिशत का आधार है और 87 मिलियन नौकरियों का समर्थन करती है। गौरतलब है कि वैश्विक एयरलाइन उद्योग विभिन्न चुनौतियों से जूझ रहा है, जिनमें आपूर्ति श्रृंखला संबंधी समस्याएं, विमान वितरण में देरी और भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं शामिल हैं। आईएटीए के अनुसार, ईंधन दक्षता में वृद्धि केवल 1 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, क्योंकि आपूर्ति श्रृंखला संबंधी समस्याएं बेड़े के नवीनीकरण में बाधा डाल रही हैं।

एच-1बी वीजा आवेदन के लिए अमेरिका ने दिया नया अपडेट, भारतीयों पर होगा असर?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन द्वारा इमिग्रेशन नियमों को सख्त करने के बाद अब तक 85,000 वीजा रद्द किए गए हैं। स्टेट डिपार्टमेंट ने ङ्क पर पोस्ट कर बताया कि जनवरी से अब तक 85,000 वीजा कैंसिल किए गए हैं, जो इमिग्रेशन एनफोर्समेंट और बॉर्डर सिक्योरिटी पर ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन के बढ़ते सख्ती को दिखाता है। दरअसल, स्टेट डिपार्टमेंट ने एक पोस्ट पर लिखा कि जनवरी से अब तक 85,000 वीजा रद्द किए गए हैं। जिनमें 8,000 से ज्यादा छात्र शामिल हैं, जो पिछले साल की तुलना में दोगुने से भी ज्यादा है। इस मैसेज ने सख्त इमिग्रेशन निगरानी के लिए एडमिनिस्ट्रेशन के लगातार कमिटमेंट को दिखाया। इससे यह संकेत मिलता है कि प्रेसिडेंट ट्रंप और सेक्रेटरी रुबियो इस नियमों को लेकर रुकने वाले नहीं हैं। स्टेट डिपार्टमेंट द्वारा की गई इस पोस्ट के साथ राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की एक तस्वीर भी थी जिस पर लिखा था मेक अमेरिका सेफ अगेन, यह एडमिनिस्ट्रेशन के इस तर्क को और मजबूत करता है कि सख्त वीजा रेगुलेशन नेशनल सिक्योरिटी की कोशिशों के लिए जरूरी है।एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि रद्द किए गए वीजा में से 8 हजार से ज्यादा स्टूडेंट्स के थे। नशे में गाड़ी चलाना, चोरी और हमला जैसे अपराध रद्दीकरण के प्रमुख कारण बताए गए, जो पिछले साल के लगभग आधे कैंसलेशन का हिस्सा थे।इसके अलावा कुछ वीजा वीजा-एक्सपायरी, आतंकवाद के समर्थन से जुड़ी जांच और अन्य गंभीर कारणों से भी रद्द किए गए।

संवेदनशील होकर दायित्वों का करें निर्वहन, प्रतिदिन कार्य प्रगति की करें निगरानी: उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मंगलवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अजय नाथ झा ने समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति कार्य की समीक्षा किया। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता, सहायक निदेशक पियूष आदि उपस्थित थे। समीक्षा क्रम में उपायुक्त ने कहा कि सभी सीडीपीओ - एलएस एवं अन्य कर्मी संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा योजनाओं की प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा सुनिश्चित करें, ताकि प्रदर्शन में सुधार आएं। उन्होंने इस दिशा में तुरंत पहल करने को कहा। विभाग के कार्यों में संतोषजनक प्रदर्शन नहीं होने पर नाराजगी जताई।

सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना पर दिया जोर - 20 दिसंबर तक लंबित आवेदनों का करें निष्पादन

बैठक में उपायुक्त ने कहा कि सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना राज्य सरकार की अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है, जिसका लक्ष्य किशोरियों को शिक्षा एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। समीक्षा क्रम में पाया कि जिले के सभी परियोजना में लगभग 17,835 आवेदन सत्यापन के लिए लंबित है। इस पर निर्देश दिया कि सभी लंबित आवेदनों को आगामी 20 दिसंबर तक हर हाल में निष्पादन किया जाए। इस कार्य में बीईईओ - बीआरपी - सीआरपी आदि को लगाने को कहा। वहीं, सभी स्वीकृत लाभुकों को समयबद्ध रूप से राशि का भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने बैठक में उपस्थित उप विकास आयुक्त को प्रत्येक 15 दिनों में समीक्षा का निर्देश दिया। वहीं, सीडीपीओ को भी प्रखंड स्तर पर आवेदनों का नियमित समीक्षा करने को कहा, ताकि किसी भी पात्र किशोरी का आवेदन लंबित नहीं रहे।

आंगनबाड़ी केंद्रों में बिजली कनेक्शन - रख रखाव मद से करें खर्च

उपायुक्त ने कहा कि जिले के लगभग 1329 आंगनबाड़ी केंद्र अभी भी बिजली आपूर्ति से वंचित हैं, जिसके कारण बच्चों को दी जाने वाली पोषण, स्वास्थ्य एवं प्रारंभिक शिक्षा सेवाओं में बाधा आती है। उन्होंने निर्देश दिया कि केंद्रों को उपलब्ध रख रखाव मद की राशि का उपयोग कर सभी ऐसे केंद्र बिजली कनेक्शन लेना सुनिश्चित करें। वहीं, वैसे केंद्र जिन्होंने अब तक बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन नहीं किया है, उन्हें आवेदन करने का निर्देश दिया। बैठक में उपस्थित चास एवं बेरमो के कार्यपालक अभियंता को निर्देशित किया कि वे परियोजनावार बिजली कनेक्शन के लिए शिविर आयोजित करें।

जर्जर आंगनबाड़ी केंद्रों का सर्वे कर स्कूल को-लोकेशन कार्य में लाएं तेजी

जिले के जर्जर आंगनबाड़ी केंद्रों का शिक्षा विभाग से समन्वय कर सर्वे कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। कहा कि जिन केंद्रों की स्थिति उपयोग योग्य नहीं रह गई है, उन्हें निकट स्थित सरकारी स्कूलों के साथ को-लोकेट कर दिया जाए, ताकि बच्चों को सुरक्षित और बेहतर वातावरण में पोषण, प्री-स्कूल शिक्षा निरंतर मिलती रहें। सभी संबंधित को यह कार्य 15 दिसंबर तक हर हाल में पूरा करने को कहा। जानकारी हो कि जिले में कुल 944 जर्जर आंगनबाड़ी केंद्र चिन्हित हैं, जिसमें 413 सर्वे कर स्कूल को-लोकेशन हो गया है, शेष 531 किया जाना है।

ससमय आंगनबाड़ी केंद्रों का करें संचालन - पोषण ट्रैकर एप अपडेटिंग पर करें कड़ी निगरानी

उपायुक्त ने कहा कि आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं पर्यवेक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे केंद्रों का नियमित व ससमय संचालन सुनिश्चित करें। इस कार्य में किसी भी तरह की कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसे कर्मियों को चिन्हित कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। पोषण ट्रैकर एप पर लाभुकों के डाटा की नियमित अपडेटिंग जरूरी है। डाटा एंट्री में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कर्मियों से स्पष्टीकरण प्राप्त किया जाएगा। गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं बच्चों से संबंधित सूचनाओं में शत-प्रतिशत सही सुनिश्चित की जाए। डाटा स्थिति के आकलन के लिए महत्वपूर्ण आधार है।

नियमित करें क्षेत्र भ्रमण - आइसीडीएस की मूल भावना को धरातल पर करें लागू

समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने निर्देश दिया कि डीएसडब्ल्यूओ, सीडीपीओ एवं एलएस नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण करें। अपना - अपना टूर प्रोग्राम बनाएं और जिला को प्रतिवेदित करें। आंगनबाड़ी केंद्रों की गतिविधियों का निरीक्षण करते हुए जिला को रिपोर्ट करें। किसी भी प्रकार की कमी या अनियमितता मिलने पर सुधारात्मक कदम तुरंत उठाए जाएं। उपायुक्त ने कहा कि आइसीडीएस का उद्देश्य सिर्फ योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं बल्कि मातृ एवं शिशु पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा की बेहतरी है, इसलिए फील्ड स्तर पर मजबूत उपस्थिति आवश्यक है। हमें इसके मूल उद्देश्य को पूरा करना है।

सेविका-सहायिका का प्रशिक्षण, आधार - आधार सीडिंग तथा आपार आइडी निर्माण हेतु कैलेंडर जारी करने का निर्देश

आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं की दक्षता में वृद्धि हेतु उपायुक्त ने कहा कि सभी सेविकाओं एवं सहायिकाओं को नियमित प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। एप संचालन - लाग इन - लाग आउट के संबंध में जरूरी बातें बताएं। उन्होंने समन्वयक पोषण ट्रैकर/सैम को भी इस बाबत जरूरी दिशा - निर्देश दिया। वहीं, बच्चों के आधार निर्माण, आपार आइडी निर्माण और आधार सीडिंग को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए डीपीएम यूआइडी को कैलेंडर जारी करने का निर्देश दिया।

पोषण वाटिका के साथ सेल्फी फोटो लें - करें समूह में साझा

समीक्षा क्रम में उपायुक्त ने सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण वाटिका तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही, निरीक्षण क्रम में एलएस, सीडीपीओ आदि को सेल्फी लेकर विभाग के अधिकारिका वाट्सएप समूह में साझा करने का निर्देश दिया।

झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की सम्मान राशि तुरंत भुगतान का उपायुक्त ने दिया निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बुधवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अजय नाथ झा ने सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न पेंशन योजनाओं की प्रगति एवं भुगतान स्थिति की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन सहित अन्य लाभुकों को दी जाने वाली मासिक पेंशन राशि के अद्यतन भुगतान की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उपायुक्त ने विशेष रूप से झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि नवंबर माह की सम्मान राशि का भुगतान अविलंब सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी भी पात्र लाभुक को भुगतान में विलंब नहीं हो। उन्होंने कहा कि पेंशन योजनाएं सामाजिक सुरक्षा की महत्वपूर्ण कड़ी हैं, अतः लाभुकों को समय पर राशि मिलना अनिवार्य है। सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा श्री पियूष ने बाताया कि एक दिन पूर्व ही आवंटन प्राप्त हुआ है। भुगतान को लेकर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। बैठक के दौरान जिला बाल संरक्षण इकाई के कार्यों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संरक्षण एवं पुनर्वास से संबंधित मामलों की नियमित मॉनिटरिंग, बाल अधिकारों से जुड़े मामलों के त्वरित निपटारे तथा सभी फील्ड रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

जिला प्रशासन ने गरीब एवं बेसहारा लोगों के लिए की है अलाव की व्यवस्था

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बढ़ते ठंड को देखते हुए बोकारो जिला प्रशासन ने पूरे जिले में अलाव जलाने की व्यवस्था की है, ताकि जरूरतमंद लोगों को ठंड से राहत मिल सके। जिला प्रशासन ने गरीब, बेसहारा एवं रात में काम करने वाले लोगों के लिए यह व्यवस्था की है। इस संदर्भ में उपायुक्त अजय नाथ झा ने सभी जिला स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों को निर्देश जारी किया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि ठंड से परेशानी न हो, इसे सुनिश्चित करें। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के प्रमुख चौक-चौराहों के साथ-साथ प्रखंड मुख्यालय, पंचायत भवन, हाट-बाजार और भीड़भाड़ वाले इलाकों में अलाव की व्यवस्था की गई है। लकड़ी और कोयला की आपूर्ति भी सुनिश्चित की गई है, ताकि अलाव की व्यवस्था निर्बाध रूप से हो सके। उपायुक्त अजय नाथ झा ने संवेदनशीलता के साथ अपने क्षेत्र में विशेष निगरानी रखने का निर्देश अधिकारियों को दिया है ताकि ठंड से किसी भी आम जनता को परेशानी ना हो।

संक्षिप्त समाचार

प्रेस लिखी कार से गौ वंश की तस्करी, पुलिस ने किया जप्त

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आज अहले सुबह एक स्विफ्ट डिजायर कार जिसपर प्रेस का बोर्ड लगा हुआ था, धनसार की ओर से झरिया रोड में चालक द्वारा काफी तेजी एवं लापरवाही पूर्वक चलाया जा रहा था। बैंकमोड पुलिस द्वारा गाड़ी की संदिग्ध स्थिति को देखते हुए जब इसे रुकने का इशारा किया गया तब चालक द्वारा पुलिस को चकमा देकर और तेजी से गाड़ी को भगाया जाने लगा । भागने के क्रम में उक्त कार श्रीराम प्लाजा के पास डिवाइडर से टकरा गया और उसमें सवार तीन व्यक्ति गाडी छोड़कर भाग गए। पुलिस द्वारा गाड़ी की तलासी लेने पर उसमें एक गाय और दो बछड़ा लोड पाया गया । उक्त गाड़ी एवं पशु को बैंकमोड थाना लाया गया है। इस संबंध में सुसंगत धाराओ के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर कार्यवाई की जा रही है।

सर्वधर्म सामूहिक विवाह 18 जनवरी को

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। हीरापुर स्थित वेडिंग बेल्स मैरेज हॉल में सर्वधर्म सामुहिक विवाह समिति की बैठक समिति के चेयरमैन मनजीत सिंह की अध्यक्षता में की गई। समिति के अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 18 जनवरी 2026 को गल्फ ग्राउण्ड धनबाद में सर्वधर्म सामूहिक विवाह 101 युवक युवतियों का किया जाएगा। यह विवाह बिल्कुल निःशुल्क होता है। आगे बताया कि अभी तक लगभग 50 शादी के फार्म जोडो के द्वारा ली जा चुकी है।आज बैठक में शादी की तैयारीओं पर की गई। बैठक मे निर्णय लिया गया की प्रत्येक जोडे को आवश्यकतानुसार घर बसाने के लिए सामाग्री समिति की ओर से दी जाएगी। बारात एवं सारात के लिए लगभग 10 हजार लोगो की खाने की व्यवस्था की जा रही है। बैठक में भरतजी भगत, दिलीप कुमार सिंह, तारक नाथ दास,नीरज कुमार शाहा संजय कुमार तिवारी,रंजन श्रीवास्तव, समीरन सरकार, गुड्डु साव, नवीन कुमार, संगीता जायसवाल, सरिता सिंह, प्रिया सिह अर्चना, पुष्पा आदी मौजूद हुए।

बीएसएल में नई श्रम संहिताओं पर जागरूकता कार्यक्रम

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट के यातायात विभाग में नई श्रम संहिताओं के संबंध में जागरूकता हेतु एक विशेष कार्यक्रम काआयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में श्रम प्रवर्तन अधिकारी श्री भरत प्रसाद ने श्रमिकों के साथ संवाद स्थापित किया तथा नई श्रम संहिताओं से जुड़े प्रमुख प्रावधानों, कल्याणकारी लाभों और सामाजिक सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी साझा की. इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक(यातायात) मनोज कुमार ह्यांकी, महाप्रबंधक (यातायात) राजेश कुमार, वरीय प्रबंधक (यातायात) ओम प्रकाश, वरीय प्रबंधक (यातायात) शैलेन्द्र कुमार, कनीय प्रबंधक(यातायात) कपूर रंजन सहित विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में संविदा कर्मी उपस्थित थे. श्रम प्रवर्तन अधिकारी प्रसाद ने बताया कि नई श्रम संहिताएँ सभी श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन की गारंटी सुनिश्चित करती हैं तथा समय पर और पारदर्शी वेतन भुगतान की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाती हैं. इसके अतिरिक्त, वेतन सुरक्षा, निर्धारित कार्य घंटे, वार्षिक अवकाश, एवं सामाजिक सुरक्षा से संबंधित प्रावधानों को भी इन संहिताओं में मजबूत किया गया है. सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, कार्यस्थल पर आधुनिक सुरक्षा मानकों के अनुरूप सुरक्षा समितियों के गठन और ईएसआईसी कवरेज के विस्तार का प्रावधान भी सुनिश्चित किया गया है. कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम श्रम सुधारों के उद्देश्यों को श्रमिकों तक प्रभावी रूप से पहुँचाने में सहायक हैं तथा श्रमिक कल्याण और उनके संरक्षण की दिशा में एक सार्थक कदम हैं.

बीएसएल करेगा 14 दिसंबर से 'हैप्पी स्ट्रीट' का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विगत वर्ष की भांति, इस वर्ष भी बोकारो स्टील प्लांट के तत्वावधान में 'हैप्पी स्ट्रीट' का आयोजन किया जा रहा है। इसका उदघाटन 14 दिसंबर को सुबह 7:30 बजे किया जाएगा, जिसमें बीएसएल के वरीय अधिकारियों सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की सफल आयोजन हेतु बीएसएल द्वारा आवश्यक तैयारियाँ आरंभ की जा चुकी हैं। एक्टिव बोकारो, हेल्दी बोकारो' के थीम को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में बोकारो के विभिन्न विद्यालय, शिक्षण संस्थान, बोकारो महिला समिति, संगीत कला अकादमी, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, रोटरी क्लब, लायंस क्लब, रोटरी क्लब ऑफ मिड टाउन कपल्स, पोस्टल फिलाटेली ग्रुप, एक्स सर्विसमैन एसोसिएशन तथा अन्य सामाजिक संस्थाएँ भाग लेंगी। इसके अतिरिक्त, समस्त नगरवासी भी इस आयोजन में शामिल हो सकेंगे। हैप्पी स्ट्रीट का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों से जुड़े विशेषज्ञ अपने प्रदर्शन के माध्यम से लोगों को स्वस्थ, सक्रिय और खुशहाल जीवन जीने के लिए प्रेरित करेंगे। कार्यक्रम के संचालन हेतु 'हैप्पी स्ट्रीट' बोकारो मॉल मोड़ से गांधी चौक तक की लेन को सुबह 7:00 बजे से 10:00 बजे तक आने वाले कुछ रविवार को यातायात हेतु अस्थायी रूप से बंद किया जाएगा। हैप्पी स्ट्रीट के अंतर्गत बोकारो वासी 'एक्टिव बोकारो, हेल्दी बोकारो' के संदेश को आत्मसात करते हुए विभिन्न मनोरंजक एवं स्वास्थ्यवर्धक गतिविधियों का आनंद उठा सकेंगे।

तिब्बती समुदाय ने सफाई कर्मियों के बीच बांटे 800 कंबल

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद में बुधवार को तिब्बती समुदाय ने पार्क मार्केट हीरापुर स्थित तिब्बती वूलन मार्केट में विश्व शांति दिवस और विश्व मानवाधिकार दिवस का संयुक्त आयोजन किया। यह कार्यक्रम 14वें दलाई लामा को 36 वर्ष पूर्व मिले नोबेल शांति पुरस्कार की तिथि को स्मरण करते हुए आयोजित किया गया। इस दौरान दलाई लामा के 90 वर्ष पूरे होने पर उनकी दीघार्यु, विश्व शांति और वैश्विक सद्भाव के लिए विशेष प्रार्थना की गई। मार्केट के सदस्य शेवांग ने बताया कि यह दिन तिब्बती समुदाय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस वर्ष को करुणा वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। जिसका उद्देश्य मानवता, भाईचारे और शांतिपूर्ण सहअस्तित्व को आगे बढ़ाना है। कार्यक्रम के दौरान धनबाद नगर निगम के सफाई कर्मियों के बीच 800 कंबल का वितरण किया गया। इस अवसर पर नगर आयुक्त रविराज शर्मा समेत नगर निगम के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। तिब्बती समुदाय के सदस्यों ने बताया कि जरूरतमंदों की सहायता करना इस दिवस का मूल संदेश है, जो करुणा और मानवाधिकारों की रक्षा की भावना को मजबूत करता है।

अतिक्रमण हटाओ अभियान के खिलाफ नगर सेवा भवन पर प्रदर्शन 22 को

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात प्रबंधन के संपदा न्यायालय के अतिक्रमण हटाओ अभियान के खिलाफ झुग्गी-झोंपड़ी वासी सह फुटपाथ दुकानदार महासंघ कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक बुधवार को स्थानीय सिटी सेंटर सेक्टर चार में हुई। बैठक में सर्वसम्मति से आगामी 22 दिसंबर को बोकारो इस्पात नगर सेवा भवन के समक्ष प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता महासंघ के कार्यकारी अध्यक्ष संजय रजक ने की। बैठक में प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए रणनीति बनाई गई। इसके तहत बोकारो इस्पात नगर के सभी झुग्गी कॉलोनी निवासियों और फुटपाथ दुकानदारों के साथ बैठक कर संगठित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में मौजूद महासंघ के संरक्षक कुमार राकेश ने कहा कि सेल प्रबंधन के संपदा न्यायालय द्वारा हवाई अड्डा और सिटी सेंटर सेक्टर चार सहित पूरे बोकारो में अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत लगभग 250 दुकानों और झुग्गियों को तोड़ दिया गया है। इससे रोजगार विहीन हुए दुकानदार और गरीब झुग्गीवासी दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान जिन मीट दुकानदारों की दुकानें तोड़ी गयी हैं या जिन्होंने स्वयं ही व्यवसाय बंद कर दिया है, उन्हें पुनर्वासित करना जिला प्रशासन और सेल प्रबंधन की नैतिक जिम्मेवारी है। उन्होंने आंदोलन को बाहरी-भीतरी का रंग देने को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। कहा कि जब दुकानें और झोंपड़ियां टूटेंगी तो सेक्टर नौ, आठ और ग्यारह में विस्थापित भी प्रभावित होंगे। इसीलिए सबको साथ मिलकर विरोध-प्रदर्शन में शामिल होना होगा। बैठक में महासंघ के सचिव राजकुमार पासवान ने कहा कि विभिन्न कानूनों के तहत उजाड़े गये प्रभावितों का पुनर्वास होना चाहिए। देश के या सेल के अन्य शहरों की तरह सभी झुग्गीवासियों और फुटपाथ दुकानदारों को व्यवस्थित रूप से बसाने और मूलभूत सुविधाएं देने का काम होना चाहिए। बैठक में महासंघ के सह सचिव आजाद कुमार, कोषाध्यक्ष शंभु पासवान, उपाध्यक्ष गोविंद जायसवाल, अशोक कुमार, बिनोद सत्यार्थी, छोटेलाल, रामजी प्रसाद, सुमन सिंह मिट्ठू, अंसित सिंह, राजू, सुधीर कुमार, सुनील कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

जान माल का नुकसान ना हो यह हमारी पहली प्राथमिकता : सीएमडी

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीसीसीएल के सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि गैस रिसाव के कारण जान माल का नुकसान न हो यह हमारी पहली प्राथमिकता है। केंदुआडीह गैस रिसाव मामले में चिकित्सा व्यवस्था, राहत संचालन, वैज्ञानिक नगरानी, और पुनर्वास गतिविधियां हमारी पहली प्राथमिकता है राजपूत बस्ती के आसपास के प्रभावित क्षेत्रों में कार्बन मोनोऑक्साइड जैसा जहरीला गैस का रिसाव जारी है। यह स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल रहा है, इसके निराकरण हेतु आईआईटी आईएसएम, सिंफर, एनडीआरफ, एवं सीएमपीडीआई को लगाया गया है।एजेंसी के मुताबिक लोगों को सुरक्षित स्थान पर चले जाना चाहिए यही एकमात्र स्थाई समाधान है, बीसीसीएल मुख्यालय कोयला भवन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। सीएमडी ने बताया ने बताया कि बीसीसीएल और एनडीआरएफ की टीम मिलकर लगातार सर्वेक्षण कर रही है। फॉगिंग का वाटर एस्प्रे के माध्यम से गैस नियंत्रण करने का कार्य जारी है, कहा कि जब तक प्रभावित इलाके पूरी तरह से सुरक्षित ना हो, सभी परिवार सम्मानजनक जीवन के साथ अपने नए घरों न बस जाएं, तब तक अभियान जारी रहेगा, उन्होंने बताया कि बीसीसीएल पूर्ण सतर्कता और वैज्ञानिक निगरानी के साथ राहत कार्य चला रहा है। वहीं बीसीसीएल के द्वारा किए गए एसेसमेंट से पता चला है कि यह गैस छोड़ी हुई अंडरग्राउंड गैलरी से निकल रहा है वही माइंस रेस्को स्टेशन सर्वे के दौरान कई घरों के अंदर कार्बन मनोऑक्साइड का लेबल निर्धारित सीमा से अधिक पाया गया। घटना के बाद से कुल 44 लोगों ने हल्का सिर दर्द , सीने में तकलीफ और सांस लेने में जलन जैसा लक्षण बताया। अब तक 37 मरीजों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई।

कसमार में चलाया जा रहा डिजिटल हिंसा पर जागरूकता अभियान

कसमार (बोकारो)/ नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बुधवार को सहयोगिनी संस्था द्वारा महिलाओं और किशोरियों के लिए डिजिटल हिंसा से सुरक्षा के उपायों पर कसमार स्थित पीएम श्री प्लस टू उच्च विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित की गई। इस अवसर पर मुख्य रूप से कसमार थाना प्रभारी कुंदन कुमार, जिप सदस्य अमरदीप महाराज, प्राचार्य फारुख अंसारी, सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर मुख्य रूप से मौजूद थे। 16 दिवसीय महिला हिंसा के खिलाफ जारी जागरूकता अभियान के तहत इब्तिदा झारखंड तथा क्रिया के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कसमार थाना प्रभारी कुंदन कुमार कहा कि महिलाओं पर हिंसा की ने समस्या पुरानी है, लेकिन अब डिजिटल हिंसा तेजी से बढ़ रही है। महिलाओं व लड़कियों के साथ शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और यौनिक हिंसा के साथ-साथ अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी हिंसा भयावह रूप ले रही है। यह हिंसा व्हाट्सऐप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, फोन कॉल सहित कई सोशल मीडिया माध्यमों से की जाती है। उन्होंने कहा कि डिजिटल हिंसा को ही आम तौर पर साइबर क्राइम कहा जाता है। किसी भी प्रकार की साइबर हिंसा का शिकार होने पर तुरंत साइबर थाना में शिकायत दर्ज करनी चाहिए। यदि थाने तक पहुंचने में देरी हो, तो 1930 हेल्पलाइन पर कॉल कर तत्काल शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

जिले के सभी संथाल गांवों का कराया जाएगा सर्वे, समेकित रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो जिले के मानकी, मुंडा, ग्राम प्रधान, डाकुवा आदि के लिए जिला द्वारा पूर्व में अंचल अधिकारियों से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था से संबंधित प्रतिवेदन के अनुसार सम्मान राशि विषयक प्रतिवेदन शून्य प्रतिवेदित किया जाता रहा है। उपायुक्त के द्वारा आज विशेष रूप से की गई समीक्षा बैठक में यह बताया गया कि जिले में संथाल आदिवासियों के लगभग 125 गांव में संथाल जन जाति के लोग निवास करते हैं। इन प्रत्येक गांव में पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत है और प्रत्येक पंचायत में एक मुखिया है। साथ ही, उपायुक्त ने कहा कि संथाल पारंपरिक गांव में एक मांझी बाबा होते हैं, जो गांव के सामाजिक - सांस्कृतिक जीवन -धार्मिक कृतियों का निष्पादन और सामुदायिक अनुशासन को बढ़ावा देते हैं अथवा संरक्षण करते हैं। मांझी बाबा के नेतृत्व में प्रत्येक गांव में एक जोग मांझी भी होते हैं, जो घर - घर जाकर किसी भी प्रकार की सामाजिक - सांस्कृतिक जीवन - धार्मिक कृतियों का निष्पादन और सामुदायिक अनुशासन की सूचना देते हैं। प्रत्येक गांव में एक नायके भी हुआ करते हैं, जो पूजा-पाठ - धार्मिक कृतियों का निष्पादन करते हैं। गांव में एक भगलोन होते हैं, जो प्रवक्ता के रूप में सामाजिक -सांस्कृतिक जीवन झ धार्मिक कृतियों का निष्पादन और सामुदायिक अनुशासन से संबंधित निर्णयों से सभी को अवगत कराते है। उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने बताया कि मांझी बाबा के बिना किसी भी संथाल गांव की परिकल्पना हो ही नहीं सकती है। उपायुक्त के द्वारा यह भी बताया गया कि जिले के ललपनिया के विभिन्न संथाल गांव में फेनीराम सोरेन, मंझला मुर्मू, सुंदर लाल मरांडी, मटुक कुमार हांसदा, बाबुचंद मांझी आदि लोग मांझी बाबा के रूप में कार्य कर रहे हैं।

उपायुक्त व एसएसपी ने किया पुलिस केंद्र में आधुनिक परिवहन शेड का उद्घाटन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने बुधवार को पुलिस केंद्र धनबाद में नव निर्मित परिवहन शेड का उद्घाटन किया। इस मौके पर 2025 कई पुलिस पदाधिकारी, जवान और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। नए परिवहन शेड के निर्माण के बाद पुलिस केंद्र में मौजूद लगभग 50 से अधिक छोटी-बड़ी गाड़ियों को अब सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से पार्क किया जा सकेगा। शेड के नीचे पुलिस लाइन की बस, वाटर केनन, बज्र वाहन, रक्षक वाहन, जीप और अन्य छोटे वाहनों का सुरक्षित पड़ाव बनेगा, जिससे किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में वाहनों का त्वरित उपयोग संभव होगा। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि पुलिस बल दिन-रात कड़ी परिस्थितियों में काम करता है। ऐसे में उनकी बुनियादी जरूरतों और सुविधाओं को पूरा करना जिला प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पुलिस बल को हर आवश्यक संसाधन प्रदान करने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले के पुराने और जर्जर थाना व ओपी भवनों का सर्वे कर लिया गया है। उनकी मरम्मत और पुनर्निर्माण का कार्य सीएसआर फंड से शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। वहीं वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि परिवहन शेड केवल वाहन पार्किंग तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह कई महत्वपूर्ण अवसरों पर अत्यंत उपयोगी साबित होगा। चुनावों के दौरान सुरक्षा बलों के अस्थायी आवासन, विधि-व्यवस्था नियंत्रण के लिए विशेष तैनाती, बल संचयन और विभिन्न प्रशासनिक कार्यक्रमों में भी इस शेड का उपयोग किया जा सकेगा। एसएसपी ने कहा कि पुलिस बल की आवश्यकताओं और सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि जवान पुलिस विभाग की रीढ़ हैं और उनके कल्याण को सर्वोपरि रखा जा रहा है। उन्होंने जवानों को निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारीपूर्वक कानून-व्यवस्था के संधारण, अपराध नियंत्रण और जनसेवा से जुड़े कार्यों में निरंतर योगदान देने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त आदित्य रंजन, एसएसपी प्रभात कुमार, ग्रामीण एसपी कपील चौधरी, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, डीएसपी धीरेन्द्र नारायण बंका, सुमित कुमार, नैशाद आलम, शंकर कामती, अरविन्द सिंह, संजीव कुमार, परिचारी प्रवर अवधेश कुमार, विनोद कुजूर समेत पुलिस विभाग के अन्य पदाधिकारी, जवान व पुलिस मेन्स एसोसिएशन के पदाधिकारीगण मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल फोन नंबर- 9431145665 8210783623 आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655 E-mail- nbtimesbihar@gmail.com